CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK1 User: cci Time: 12-29-2025 22:18 Color:

नई दिल्ली > मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 > पौष 9, शक संवत 1947, पौष शुक्ल दशमी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 79, संख्या 310 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

# NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

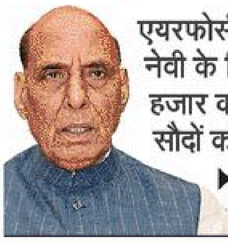

**एयरफोर्स, आर्मी, नेवी के लिए 79 हजार करोड़ के सौदों को मंजूरी**

▶देखें अंदर

**उन्नाव रेप में दोषी सेंगर की ज़मानत पर SC की रोक**

▶देखें अंदर

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: cci Time: 12-29-2025 22:47 Color:

## उन्नाव रेप केस में सेंगर की ज़मानत पर SC की रोक, जेल से रिहा नहीं होगा

# POCSO कानून के तहत 'लोक सेवक' की परिभाषा क्या होगी, तय करेगा SC

**सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा को सस्पेंड किया गया था। वह जेल से बाहर नहीं आएगा। कोर्ट ने POCSO कानून के तहत 'लोक सेवक' की परिभाषा को लेकर जरूरी कानूनी सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि अगर ड्यूटी के दौरान एक कॉन्स्टेबल या सेना अधिकारी को लोक सेवक माना जाता है, तो एक निर्वाचित विधायक को इससे बाहर रखना गंभीर विचार का विषय है।**

Rajesh.Choudhary@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें 2017 के उन्नाव रेप मामले में बीजेपी से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा को सस्पेंड कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि सेंगर को जेल से रिहा नहीं किया जाएगा। जस्टिस जे.के. महेश्वरी ने सवाल उठाया कि हाई कोर्ट के सजा निलंबन आदेश में यह स्पष्ट रूप से क्यों नहीं देखा गया कि सेंगर IPC की धारा 376(2)(i) के तहत दोषी है या नहीं। अब इस मामले में आगे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी, जहां यह तय होगा कि POCSO कानून के तहत 'लोक सेवक' की परिभाषा क्या होगी और ऐसे मामलों में सजा निलंबन के मानदंड क्या होने चाहिए। अदालत ने आगे कहा कि पीड़िता को अलग से विशेष अनुमति याचिका (SLP) दायर करने का वैधानिक अधिकार है और इसके लिए उसे इस कोर्ट से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। अगर उसे विधिक सहायता की आवश्यकता हो, तो सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमिटी उसे फ्री कानूनी मदद दी जाएगी। पीड़िता अपने स्वयं के अधिवक्ता के माध्यम से भी अपील दायर कर सकती है।

> उन्नाव रेप केस में हाई कोर्ट के जजों पर आरोप लगाना राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास। हम इसे समझते है। हम सच्चाई से अनजान नहीं है। ये जज हमारे सबसे बेहतरीन जजों में से है। - सुप्रीम कोर्ट

### आडवाणी केस की चर्चा

शीर्ष अदालत में दायर अपनी अपील में CBI ने एल.के. आडवाणी मामले में दिए गए अपने फैसले का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि सांसदों या विधायकों जैसे सार्वजनिक पद धारण करने वाले किसी भी व्यक्ति को लोक सेवक माना जाएगा। CBI ने तर्क दिया कि हाई कोर्ट ने यह घोषित करके गलती की कि अपराध के समय विधायक रहे सेंगर को POCSO अधिनियम के तहत अभियोजन के लिए पब्लिक सर्वेंट नहीं माना जा सकता और उन्हें जमानत दे दी। CBI ने कहा कि हाई कोर्ट यह समझने में विफल रहा कि एक वर्तमान विधायक, संवैधानिक पद धारण करने के कारण, जनता के विश्वास और मतदाताओं पर अधिकार से युक्त होता है और ऐसा पद राज्य व समाज के प्रति कर्तव्यों से उत्पन्न उच्च स्तर की जिम्मेदारी लेकर आता है। सीबीआई ने कहा कि POCSO अधिनियम के उद्देश्य और मंशा को आगे बढ़ाने वाली उद्देश्यपरक व्याख्या को अपनाने में विफल रहकर हाईकोर्ट ने कानून में त्रुटि की है।

## सुप्रीम कोर्ट में चार हफ्ते बाद होगी सुनवाई

■ **CBI की ओर से सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता:** यह एक बच्ची के साथ हुए रेप का अत्यंत भयावह मामला है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 376 और POCSO एक्ट की धारा 5 और 6 के तहत आरोप तय किए गए थे। दोषसिद्धि दो आधारों पर हुई है। एक स्पष्ट निष्कर्ष दर्ज किया गया है कि बच्ची की उम्र 16 वर्ष से कम थी और वह 15 वर्ष 10 महीने की थी। इस दोषसिद्धि के खिलाफ अपील पेंडिंग है।

■ **जस्टिस जे.के. महेश्वरी:** धारा 376 पर विचार किया जा चुका है।

■ **SG:** धारा 376 के दो भाग हैं। उसे बलात्कार के अपराध में दोषी ठहराया गया है, जो धारा 375 के अंतर्गत आता है। इसके बाद वह स्थिति आती है जहां अपराध करने वाला व्यक्ति प्रभुत्वशाली स्थिति में होता है। ऐसे मामलों में न्यूनतम सजा 20 वर्ष का कारावास है, जो आजीवन कारावास (उसके बाकी जीवन तक) तक बढ़ाई जा सकती है।

■ **CJI सूर्यकांत:** आप कह रहे हैं कि यह धारा 376(2)(i) के अंतर्गत आता है। मान लीजिए कि पीड़िता नाबालिग न भी हो, तब भी धारा 376 के तहत न्यूनतम सजा लागू होगी?

■ **SG:** अब इसमें संशोधन हो चुका है, जिसमें न्यूनतम सजा 20 वर्ष निर्धारित की गई है। धारा 376 के तहत खंड (i) हो या (ii) दोनों में आजीवन कारावास का प्रावधान है। इसमें 20 वर्ष की सजा या बायोलॉजिकल लाइफ की आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है।

■ **CJI:** क्या आप यह कह रहे हैं कि अगर पीड़िता नाबालिग हो, तो 'लोक सेवक' की अवधारणा अप्रासंगिक हो जाती है?

■ **SG:** हां। दरअसल, यह मामला पेनेट्रेटिव सेक्शुअल असॉल्ट से जुड़ा है, जो अपने आप में एक स्वतंत्र अपराध है और जिसकी सजा का प्रावधान धारा 4 में किया गया है। संशोधन के बाद कुछ विशेष परिस्थितियों में इसे गंभीर (एग्रेवेटेड) अपराध माना गया है। ये वे स्थितियां हैं, जहां आरोपी पीड़ित पर प्रभुत्वशाली स्थिति में होता है। उदाहरण के तौर पर, अगर ड्यूटी के दौरान कोई कॉन्स्टेबल या सेना अधिकारी ऐसा कृत्य करता है तो वह 'गंभीर पेनेट्रेटिव' का दोषी होगा। इस धारा में 'लोक सेवक' की परिभाषा अलग से नहीं दी गई है, बल्कि इसे आईपीसी से लिया गया है। बाद के संशोधन केवल सजा बढ़ाते हैं, नया अपराध नहीं बनाते, इसलिए अनुच्छेद 20 का उल्लंघन नहीं होता।

■ **CJI:** तो आपका कहना है कि लोक सेवक वह व्यक्ति है जो उस समय प्रभुत्वशाली स्थिति में हो। यानी आप यह तर्क दे रहे हैं कि जब कोई व्यक्ति किसी सहायता के लिए किसी विधायक के पास आता है, तो उस समय किया गया ऐसा कृत्य प्रभुत्वशाली स्थिति में किया गया माना जाएगा और ऐसा कोई भी कृत्य 'गंभीर अपराध' होगा। यही आपका तर्क है।

■ **SG:** तर्क के लिए ही सही हम यह मान लें कि यह धारा 5 के तहत लोक सेवक नहीं है। तब भी यह धारा 3 के अंतर्गत आएगा। संशोधन ने कोई नया अपराध नहीं बनाया है, बल्कि केवल सजा को कठोर किया है।

■ **CJI:** तो आप यह कह रहे हैं कि संशोधन अपराध को समाप्त नहीं करता, बल्कि इसके विपरीत विधायिका यह कह रही है कि यह अपराध समाज के मूल्यों के विरुद्ध है और इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। इसलिए जब दोषसिद्धि के बाद अदालतें सजा तय करती हैं, तो यह देखा जाता है कि विधायिका का उद्देश्य इसे और कठोर बनाना है।

File

### CJI सूर्यकांत:

नोटिस जारी किया जाए। हमने CBI की ओर से सॉलिसिटर जनरल मेहता और दोषी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं को सुना है। हमें प्रतीत होता है कि इस मामले में कई महत्वपूर्ण लीगल सवाल खड़े होते हैं। चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाए। हम इस तथ्य से अवगत हैं कि जब किसी दोषी या विचाराधीन कैदी को रिहा कर दिया गया हो, तो इस न्यायालय द्वारा ऐसे आदेशों पर संबंधित व्यक्ति को सुने बिना रोक नहीं लगाई जाती। लेकिन इस मामले के विशिष्ट तथ्यों को देखते हुए- जहां दोषी एक अलग अपराध में भी दोषसिद्ध है, हम दिल्ली हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश के संचालन पर रोक लगाते हैं। ऐसे में प्रतिवादी (सेंगर) को उक्त आदेश के आधार पर रिहा नहीं किया जाएगा।

■ ***CJI:** यह मामला लीगल सवाल उठा रहा है और जिन हाईकोर्ट के जजों ने यह आदेश पारित किया है, वे अत्यंत उत्कृष्ट जज हैं। लेकिन हम सभी से त्रुटियां हो सकती हैं। POCSO के तहत 'लोक सेवक' की इस परिभाषा को देखना होगा। हमें यह चिंता है कि अगर एक कॉन्स्टेबल को इस अधिनियम के तहत लोक सेवक माना जाए, तो एक विधायक को इससे बाहर कर दिया जाए?*

■ **सेंगर की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ दवे और एन. हरिहरन:** CBI की दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि POCSO अधिनियम के तहत गंभीर अपराध के लिए किसी विधायक को लोक सेवक नहीं माना जा सकता। उनका तर्क था कि कोई भी दंड विधि तब तक किसी अन्य कानून से परिभाषा नहीं ले सकती, जब तक कानून में ऐसा स्पष्ट रूप से न कहा गया हो और IPC में लोक सेवक की अपनी अलग व्यवस्था है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रायल के दौरान जो आरोप तय किए गए और जिनका उत्तर दिया गया, वे IPC की धारा 376(1) के अंतर्गत थे। क्या यह मीडिया ट्रायल है? हाई कोर्ट के जजों की तस्वीरें प्रसारित की जा रही हैं।

## कोर्ट के फैसले से पीड़िता खुश

## 'लड़ाई जारी रहेगी, सेंगर को मिले फांसी की सज़ा'

File

पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए कई संगठनों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया था।

■ आईएएनएस, नई दिल्ली

**पीड़ित परिवार** ने सुप्रीम कोर्ट के स्टे ऑर्डर पर खुशी जताई है। पीड़िता ने कहा, 'मैं कोर्ट के फैसले से बहुत खुश हूं। सुप्रीम कोर्ट से मुझे न्याय मिला और पूरा भरोसा है कि आगे भी मिलता रहेगा। मैं इस लड़ाई को लगातार लड़ती रहूंगी और यह सुनिश्चित करूंगी कि उसे फांसी की सजा मिले तभी हमारे परिवार को सच्चा न्याय मिलेगा। मैं उन सभी की आभारी हूं जो मेरे साथ खड़े रहे और मुझे न्याय दिलाने में मदद की। मेरे पिता की आत्मा को तभी शांति मिलेगी, जब कुलदीप सिंह सेंगर को फांसी होगी।'

पीड़िता की मां ने भी कहा कि मैं इस फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहती हूं। सुप्रीम कोर्ट ने मेरे साथ न्याय किया है। मुझे हमेशा से कोर्ट पर भरोसा था इसलिए कहती थी कि हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

### 'अब हमें राहत मिली'

पीड़िता की मां ने कहा कि हम हाई कोर्ट पर कोई इल्जाम नहीं लगा रहे। लेकिन उन्होंने मेरा भरोसा तोड़ा और हमारे साथ अन्याय किया। जब मुझे इंसाफ नहीं मिला, तब हम चिल्लाए। मेरे बच्चे सड़कों पर आ गए लेकिन अब राहत मिली है। सरकार जो फैसला करेगी अच्छा ही करेगी।

### 'कोर्ट का धन्यवाद'

पीड़ित के वकील हेमंत कुमार मौर्य ने कहा, 'मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना चाहता हूं। आज कोर्ट ने कहा कि किसी भी हालत में सेंगर को जेल से निकलने नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को अब भी धमकी मिल रही है, लेकिन उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है।'

## सेंगर की बेटी बोली- थकी हुई, डरी हूं

■ **NBT रिपोर्ट:** सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कुलदीप सिंह सेंगर की बेटी इशिता सेंगर ने पोस्ट लिखा। उन्होंने खुद को 'थकी हुई, डरी हुई और धीरे-धीरे भरोसा खोती हुई' बताया है। TOI की रिपोर्ट के अनुसार, इशिता ने लिखा कि वह एक बेटी के रूप में यह पोस्ट लिख रही है, जो अब भी उम्मीद थामे हुए है, क्योंकि उनके पास कोई और रास्ता नहीं बचा। उन्होंने बताया कि उनका परिवार बीते आठ वर्षों से चुपचाप न्याय व्यवस्था पर भरोसा करते हुए इंतजार करता रहा। उन्होंने कहा कि उनके परिवार ने सार्वजनिक विरोध इसलिए नहीं किया क्योंकि वे संस्थाओं में विश्वास रखते थे। उन्होंने लिखा कि उन्हें राजनीतिक पहचान के कारण 'ताकतवर' कहा गया, लेकिन आठ साल तक उनकी आवाज नहीं सुनी गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान उनका परिवार आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से टूट गया। उन्होंने सोशल मीडिया पर मिलने वाली धमकियों का भी जिक्र किया और कहा कि वर्षों तक उन्हें रेप और जान से मारने की धमकियां मिलीं। उन्होंने चिंता जताई कि कहीं डर और जनभावना तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया पर हावी न हो जाए। उन्होंने साफ किया कि यह पत्र किसी सहानुभूति या विशेष सुविधा के लिए नहीं है, बल्कि केवल न्याय की मांग है।

> उन्होंने सोशल मीडिया पर मिलने वाली धमकियों का भी जिक्र किया

## नेताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट का किया धन्यवाद

यह फैसला किसी अपराधी के लिए झटका नहीं, बल्कि उस पीड़िता के संघर्ष और साहस की जीत है, जिसने तमाम मुश्किलों के बावजूद न्याय के लिए अपनी लड़ाई जारी रखी। *- किरण बेदी, पूर्व IPS*

आज कई बेटियों के लिए उम्मीद की किरण जिंदा है। देश से अपील करती हूं कि तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाएं। बेटियों की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है। *- अलका लांबा, कांग्रेस की महिला इकाई की अध्यक्ष*

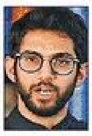

रेप के दोषी और बीजेपी के पूर्व विधायक कुलदीप की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर खुशी हुई। उम्मीद है कि दोषी को कड़ी सजा मिलेगी। *- आदित्य ठाकरे, शिवसेना (UBT) नेता*

कोर्ट ने पूरे भारत की महिलाओं, यौन उत्पीड़न की शिकार, उस युवा महिला और उसके परिवार और उन सभी लोगों को राहत दी है, जो मानते है कि कोर्ट को न्याय देना चाहिए। *- वृंदा करात, CPI-M नेता*

कोर्ट का फैसला पीड़िता के लिए न्याय की दिशा में एक अहम कदम है। इस फैसले से देशभर में एक मजबूत संदेश गया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। *- सोमनाथ भारती, AAP नेता*

सेंगर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत है। एक नाबालिग के खिलाफ हुई इस बेहद क्रूर घटना में न्याय बिना किसी समझौते के होना चाहिए। *- स्वाति मालीवाल, राज्यसभा सांसद*

## 'हर महिला को न्याय मिलने तक जीत अधूरी है'

**पीड़िता के साथ खड़ी रही सामाजिक कार्यकर्ता योगिता भयाना ने इसे सच की जीत बताया, लेकिन साथ ही न्याय व्यवस्था, विक्टिम और विटनेस प्रोटेक्शन, आरोपियों के सामाजिक समर्थन, पुलिस-कानून की कमियों और राजनीतिक भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। योगिता भयाना से खास बातचीत की अल्पयू सिंह ने:**

PTI

**Q आप सुप्रीम कोर्ट के आदेश को कैसे देखती हैं?**

सच की जीत हुई है। लेकिन सच ये भी है कि हर केस में इतना दबाव और मीडिया का समर्थन नहीं मिलता लेकिन इसके बावजूद हर महिला न्याय की हकदार है। इस जीत को असल जीत तब तक नहीं माना जा सकता जब तक देश की हर महिला को न्याय नहीं मिल जाता। बीते दिनों हमने ऐसे कई केस देखे हैं, जहां कोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ रही बच्चियों को जीत नहीं मिली लेकिन हां, इस जीत से एक बात तो हुई है कि दूसरे पीड़ितों में भी न्याय की उम्मीद जगी है।

**Q विक्टिम प्रोटेक्शन को लेकर सवाल उठते रहे हैं, ये केस क्या उदाहरण की तरह सामने आया?**

केस में हमने खुद देखा है कि किस तरह से पीड़िता के परिवार के सदस्यों का मर्डर कर दिया गया। ऐसे केसों में विक्टिम खुद एक गवाह होती है और उसकी सुरक्षा सर्वोपरि होती है। इस केस में विक्टिम को तो सुरक्षा मिली भी, लेकिन सबको कहां मिलती है। इस तरह की स्थिति का ही आरोपी पक्ष फायदा उठा लेता है। देश में विटनेस प्रोटेक्शन नाम की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी डर की वजह से महिलाएं न्याय की लड़ाई छोड़ देती।

**Q दोषियों के समर्थन में नारे, स्वागत करने जैसी घटनाएं न्याय की दिशा में किस तरह की रुकावट पैदा करती हैं?**

न्याय की लड़ाई बहुत ज्यादा मुश्किल है। आरोपियों का फूल मालाओं और लड्डुओं से स्वागत होता है। एक तो न्यायिक प्रक्रिया में खुद ही बहुत संघर्ष है, ऐसे में जब विक्टिम आरोपियों के प्रति ऐसा व्यवहार देखती है, तो उनका मनोबल बहुत टूट जाता है। कोर्ट सुनिश्चित करे कि ऐसा ना हो। राम रहीम, आसाराम के बाहर आने पर उनके समर्थन में जुलूस निकाला जाता है। क्या सुप्रीम कोर्ट इस मसले पर स्यू मोटो नहीं ले सकता?

**Q समाज, कानून, पुलिस इन सभी व्यवस्थाओं में ऐसे केसों को लेकर किस तरह की सरंचनात्मक कमियां है?**

न्याय व्यवस्था में बहुत कमियां है। निर्भया केस के बाद बहुत चीजें ठीक किए जाने की कोशिश की गई थी, लेकिन वो कागजों पर ही रह गई। किसी ने इस ओर ध्यान देना उचित नहीं समझा। सरकार और सिस्टम के पास कोई ब्लूप्रिंट ही नहीं है। पीड़िताओं को पता ही नहीं चलता कि उनके केस में चल क्या रहा है। इस केस में विक्टिम ने मुझसे कहा कि अगर मुझे अंग्रेजी आती तो मैं अपना केस खुद ही लड़ लेती। HC में जब इससे जुड़ा ऑर्डर आया तो वो नहीं जानती थी कि इस केस में हुआ क्या है।

**Q एक नरेटिव ये भी था कि इस मसले का राजनीतिक लाभ लिए जाने की कोशिश की जा रही है, इनपर क्या कहेंगी?**

गैर राजनीतिक कुछ नहीं होता। हम सब वोट देते हैं। एक सरकार को चुनते हैं। अगर राजनेता इसमें दखल नहीं देते हैं तो वो गलत है। राजनीति में मुद्दों की पॉलिटिक्स होनी ही चाहिए। अगर विपक्ष और राजनीति अपना काम करे तो हमारी जरूरत ही ना पड़े। हम तो केवल गैप भर रहे हैं। इस अवधारणा से बाहर निकलना होगा कि पॉलिटिक्स नहीं होनी चाहिए।

## शोर नहीं, विश्लेषण करेगा 'चक्रव्यूह'

■ **NBT रिपोर्ट:** टाइम्स नेटवर्क के हिंदी समाचार चैनल टाइम्स नाउ नवभारत ने अपने नए प्राइम-टाइम शो 'चक्रव्यूह' के लॉन्च की घोषणा की है। यह शो सोमवार से शुक्रवार शाम प्रसारित होगा। 'चक्रव्यूह' का उद्देश्य शोर-शराबे से हटकर तथ्यों पर आधारित, स्पष्ट और विश्लेषणात्मक पत्रकारिता प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम में राष्ट्रीय और भू-राजनीतिक मुद्दों सहित अहम खबरों की कवरेज की जाएगी। अत्याधुनिक ग्राफिक्स और विजुअल्स के जरिए जटिल विषयों को सरल तरीके से दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही, युवा वर्ग, नागरिक सरोकारों और डिजिटल प्लैटफॉर्म्स से उभरने वाली खबरों पर विशेष फोकस रहेगा, जिन्हें पूरी फैक्ट-चेकिंग के बाद ही प्रसारित किया जाएगा।

## असम ही नहीं, पूरे भारत में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे: शाह

■ पीटीआई, बोरदुवा (असम)

PTI

'ज्योति-विष्णु अंतर्जात कला मंदिर' का अमित शाह ने शुभारंभ किया।

**केंद्रीय गृह** मंत्री अमित शाह ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस असम के लोगों, उनकी संस्कृति, भूमि और पहचान के लिए खतरा पैदा करने वाले बांग्लादेशी घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मान रही है। शाह ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार न केवल असम, बल्कि पूरे भारत में सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल 'असमिया लोगों की सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि राज्य के सर्वांगीण विकास पर भी ध्यान दिया है।' गृह मंत्री ने नगांव जिले में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान, बटद्रवा थान की 227 करोड़ रुपये की लागत वाली पुनर्विकास परियोजना का शुभारंभ किया। शाह ने कहा कि श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराना एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों से एक लाख बीघा से अधिक भूमि मुक्त कराई है।' उन्होंने रैली में उपस्थित लोगों से कहा, 'बीजेपी को असम को घुसपैठियों से मुक्त करने के लिए पांच साल का और समय दीजिए।' गृहमंत्री ने कहा, 'हम न केवल असम, बल्कि पूरे भारत में सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे।' उन्होंने कहा कि शंकरदेव ने 'एक भारत' का आह्वान किया था, जिसका प्रधानमंत्री अब अनुसरण कर रहे हैं।

## सिलिगुड़ी गलियारा 78 साल पुरानी विसंगतिः सद्गुरु

■ **NBT रिपोर्ट:** ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु ने सिलिगुड़ी गलियारे को भारत के विभाजन से उपजी 78 वर्ष पुरानी विसंगति बताते हुए कहा कि

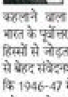

इसे 1971 में ही ठीक किया जाना चाहिए था। बेंगलुरु में आयोजित सत्संग के दौरान उन्होंने कहा कि 'चिकन नेक' कहलाने वाला यह संकीर्ण भू-भाग भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है और सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील है। सद्गुरु ने कहा कि 1946-47 में भले ही भारत के पास इसे सुधारने का अधिकार न रहा हो, लेकिन 1971 के बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के बाद यह अवसर मौजूद था।

## अजित-शरद पवार का निगम चुनाव में गठबंधन

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

File

**महाराष्ट्र के** डिप्टी सीएम अजित पवार ने रविवार को पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए अपनी नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) और NCP (शरदचंद्र पवार) गुट के बीच गठबंधन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नगर निगम चुनाव के लिए 'घड़ी' और 'तुतारी' एकसाथ आ गए हैं। अजित पवार ने पिंपरी-चिंचवाड़ में एक सभा में कहा कि नगर निगम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की लिस्ट तय करते समय दोनों गुटों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इससे एक बार फिर परिवार एकजुट हो गया है।

अजित पवार ने कहा कि गठबंधन को लेकर लोगों के मन में सवाल हो सकते हैं, लेकिन महाराष्ट्र के विकास के हित के लिए कई बार ऐसे फैसले लेने पड़ते हैं। अजित पवार ने कहा- दोनों पक्षों के बीच सीट बंटवारे पर चर्चा हो चुकी है और इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। जुलाई 2023 में शरद पवार के भतीजे अजित पवार NCP के कई विधायकों के साथ पार्टी से अलग हो गए थे। इससे NCP दो हिस्सों में बंट गई थी।

## संदीप दीक्षित को मिली रचनात्मक कांग्रेस की कमान

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** कांग्रेस पार्टी नेतृत्व ने दिल्ली से आने वाले वरिष्ठ नेता संदीप दीक्षित को रचनात्मक कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया है। सोमवार

को पार्टी की ओर से बयान जारी होने के बाद तत्काल प्रभाव से ये नियुक्ति लागू भी हो गई है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी की ओर से जारी बयान पर एआईसीसी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के साइन हैं। बयान के मुताबिक, रचनात्मक कांग्रेस एक ऐसे मंच की तरह काम करेगा जो सिविल सोसाइटी समूहों, एक्टिविस्ट, शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मुद्दों के आधार पर संवाद कायम करेगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 12-29-2025 23:11 Color:



## ट्रैक्टर ने साइकल को मारी टक्कर, बुजुर्ग की मौत

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: ज्योति नगर इलाके में रविवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली ने साइकल से जा रहे मां-बेटे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में साइकल पर सवार बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उन्हें इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां पर डॉक्टरों ने घायल राजेश्वरी देवी (64) को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ड्राइवर मौके पर ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रखवा दिया गया है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी ड्राइवर की तलाश में जुटी है।

**हादसे के बाद ड्राइवर मौके पर ट्रैक्टर छोड़ फरार**

पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुजुर्ग राजेश्वरी अपने परिवार के साथ वेस्ट ज्योति नगर में रहती थीं। उनका बेटा विमल छोटा-मोटा काम करता है। मां बेटे बीमार दामाद से मिलकर साइकल से वापस आ रहे थे, तभी लोनी गोल चक्कर के पास ट्रैक्टर ड्राइवर ने जोरदार टक्कर मार दी।

## दो साल पहले हुई थी शादी, फंदे पर लटकी मिली लड़की

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, उत्तम नगर: द्वारका जिला के उत्तम नगर थाना इलाके में 20 साल की एक महिला ससुराल में फंदे से लटकी हुई मिली। पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान आशिमा खातून के रूप में हुई है। मामले में मृतका के पति नदीम आलम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आशिमा के परिवारवालों ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि आशिमा की शादी दो साल पहले नदीम आलम के साथ धूमधाम से की थी। लेकिन बाद में ससुराल वालों ने दहेज के लिए तंग करना शुरू कर दिया। शनिवार को बताया गया कि आशिमा की तबीयत खराब है। जब वे लोग घर पर पहुंचे तो पता चला कि आशिमा की मौत हो चुकी है। उसने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। मायकेवालों का आरोप है कि दहेज की वजह से उसकी जान ले ली गई है। SDM की जांच के बाद बॉडी पोस्टमार्टम के बाद परिवारवालों को सौंप कर दिया गया।

# रेस्टोरेंट के प्लास्टिक शेड से गिरकर स्टूडेंट की मौत

## रील बनाते समय हादसा होने की आशंका, जांच जारी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**मॉडल टाउन** स्थित गुजरांवाला इलाके में रविवार को एक रेस्टोरेंट की प्लास्टिक शेड से गिरने के बाद एक 16 साल के नाबालिग की मौत हो गई। हादसे के वक्त वह अपने दोस्तों के साथ रेस्टोरेंट में गया था। शेड से गिरने के बाद पुलिस को सूचना दी गई लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही उन्हें अस्पताल भेजा जा चुका था। वहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। छात्र के परिजन ने मामले को संदिग्ध बताया है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि घटना के वक्त मृतक और उसके दोस्त रील बना रहे थे।

नॉर्थ वेस्ट जिला के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि 28 दिसंबर की शाम 5:51 बजे गुजरांवाला टाउन स्थित इनविटेशन रेस्टोरेंट में एक लड़के की गिरने की सूचना मॉडल टाउन पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि घायल को पहले ही पैरामेड अस्पताल ले जाया जा चुका है। पूछताछ में पता चला कि घायल कबीन कुमार (16) परिवार के साथ गुजरांवाला टाउन-II में रहते थे। उनके पिता राहुल कुमार ने बताया कि रविवार को कबीन अपने दोस्तों आर्यमन, कबीर और यश के साथ रेस्टोरेंट गए थे। ये सभी 11 के छात्र हैं। जांच के दौरान पता चला कि सभी छात्र सीढ़ियों से छत पर गए थे। इसके बाद आस-पास की दुकानों के बीच गैलरी को ढकने के लिए लगी प्लास्टिक शेड पर चढ़ गए।

**परिवार ने आशंका जताई कि इसमें किसी तरह की साजिश या धक्का देने की संभावना हो सकती है, पुलिस के बयान पर भी उठाए सवाल**

### पिता ने उठाए सवाल...

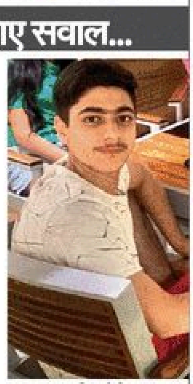

कबीन के पिता राहुल कुमार ने पुलिस के प्रारंभिक निष्कर्षों पर सवाल उठाए हैं और पूरे मामले को संदिग्ध बताया है। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा घर से केवल 100 रुपये लेकर पास के मॉल में बिलियर्ड्स खेलने गया था, जो घर से मुश्किल से तीन मिनट की दूरी पर है। करीब एक घंटे बाद हमें फोन आया कि वह गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती है। राहुल का आरोप है कि घटना के बाद उनके बेटे के दोस्त मौके पर मौजूद नहीं थे और अस्पताल स्टाफ ने ही उसे इलाज के लिए भर्ती कराया। उन्होंने कहा कि दोस्तों के बयान असामान्य और अमानवीय लगते हैं। अगर किसी दोस्त के साथ हादसा होता है तो सामान्य प्रतिक्रिया मदद के लिए शोर मचाने या तुरंत अस्पताल ले जाने की होती है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने यह भी दावा किया कि कबीन करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरा था और सवाल उठाया कि वह वहां तक पहुंचा कैसे।

उन्होंने आशंका जताई कि इसमें किसी तरह की साजिश या धक्का देने की संभावना हो सकती है। राहुल कुमार ने यह भी बताया कि 8-10 दिन पहले किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसकी शिकायत अशोक विहार थाने में दर्ज है। वहां पहुंचने का कोई रास्ता या सीढ़ी नहीं है। वह वहां कैसे पहुंचा और उसे वहां कौन लेकर गया? उसे धक्का दिया गया, क्या किसी से दुश्मनी थी? उन्होंने पुलिस की बात पर कई सवाल उठाए हैं। मानवीय पक्ष को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनका बेटा पारिवारिक समारोह को लेकर बेहद उत्साहित था। घर में पार्टी की तैयारी थी। उसकी बहन कनाडा से लौटने वाली थी। पुलिस का कहना है कि मामले में जांच जारी है।

# हवाई यात्री की पिटाई करने वाला पायलट गिरफ्तार, मिली ज़मानत

■ नवीन निश्चल, एयरपोर्ट

**IGI एयरपोर्ट** पर एक हवाई यात्री को उसी की 7 साल की बेटी के सामने कथित रूप से पीटने के आरोपी पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को एयरपोर्ट पुलिस ने गिरफ्तार किया। हालांकि जमानती धारा होने के कारण कार्रवाई पूरा होने के बाद पायलट को थाने से ही जमानत दे दी गई। उसके खिलाफ एयरपोर्ट थाना में BNS की धारा 115, 126 और 351 के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले की शिकायत पीड़ित हवाई यात्री अंकित दीवान के द्वारा लिखित रूप में पुलिस से की गई थी जिसमें बताया था कि एयर इंडिया एक्सप्रेस के ऑफ ड्यूटी पायलट के द्वारा पिटाई की गई थी। पिटाई में उनके नाक की हड्डी टूट गई थी।

पीड़ित यात्री ने मारपीट के बाद उससे संबंधित तस्वीर शिकायत के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट करके दिल्ली एयरपोर्ट लिमिटेड और दिल्ली एयरपोर्ट पुलिस को दी थी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने इस मामले के संज्ञान में आने के बाद पायलट को ऑफ ड्यूटी कर दिया था। साथ ही मामले की जांच में संबंधित डिपार्टमेंट को सहयोग देने की बात कही थी। साथ साथ सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर बयान जारी करके एयरलाइन ने इस घटना के लिए खेद भी व्यक्त किया था। वहीं नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी इस मामले में जांच के आदेश दे दिए थे। एयरपोर्ट पुलिस के अनुसार जिस जगह पर यह घटना हुई थी, वहां के CCTV कैमरों के फुटेज चेक किए गए और उस समय वहां पर मौजूद CISF के स्टाफ से भी पूछताछ की गई थी। फुटेज में मारपीट की पुष्टि हुई थी। आगे की जांच अभी की जा रही है।

## सब-रजिस्ट्रार और तहसीलदार सस्पेंड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर कापसहेड़ा के सब-रजिस्ट्रार और महरौली के तहसीलदार को निलंबित कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों के खिलाफ लगातार मिल रही शिकायतों और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। साथ ही, कापसहेड़ा के एक डीड राइटर का लाइसेंस भी रद्द कर दिया गया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की नीति पूरी तरह साफ है, भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी सीधे तौर पर आम जनता से जुड़े होते हैं, इसलिए उनसे ईमानदारी, संवेदनशीलता और जवाबदेही की अपेक्षा की जाती है।

## नकली हेडक्वॉर्टर बना किया था डिजिटल अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**साइबर फ्रॉड** नेटवर्क से जुड़े गुजरात के सुरेंद्र नगर निवासी अर्जुन सिंह और पंजाब के मोहाली निवासी करण चौधरी को अरेस्ट किया गया है। एक केस में दिल्ली पुलिस का हेडक्वॉर्टर 'बना' एक एनआरआई को यूनिफॉर्म पहने फर्जी अफसर ने कई दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। क्राइम ब्रांच का दावा है कि इनकी गिरफ्तारी से करोड़ों रुपये के मनी ट्रेल का खुलासा हुआ है। आरोपी करण से 38 डेबिट कार्ड, 51 चेक बुक, पांच पासबुक, चार फोन, एक लैपटॉप, एक स्कॉर्पियो 2 लाख 45 हजार कैश रिकवर हुए हैं।

**NRI महिला से ठगे थे 30 लाख, एक गिरफ्तार**

डीसीपी (क्राइम) आदित्य गौतम के मुताबिक, एनआरआई अमेरिकी महिला 1 अक्टूबर को दिल्ली आईं। उन्हें सैन फ्रांसिस्को दूतावास से होने का दावा कर 6 अक्टूबर को इंटरनैशनल नंबर से कॉल आई। दिल्ली पुलिस हेडक्वॉर्टर से कनेक्ट करने का नाटक किया। पुलिस यूनिफॉर्म पहने ठग ने विडियो कॉल कर कई दिन डिजिटल अरेस्ट रखा तीस लाख ट्रांसफर करवा लिए। इस ठगी में दो पार्टनर हैं, जिनमें से करण को दबोच लिया। दूसरे मामले में नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के बैंक एनक्लेव निवासी पीड़ित ने फर्जी ऑनलाइन इनवेस्टमेंट के नाम पर 31 लाख रुपये ठगी की शिकायत दी थी।

## महानगर में आज

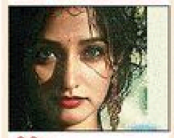

**मिहिरा**
इंडिया हैबिटेट सेंटर में डांस शो 'मिहिरा', स्टाइन ऑडिटोरियम, लोदी रोड, शाम 7 बजे से। माया कुलश्रेष्ठ के निर्देशन में यह प्रस्तुति संत-कवयित्री मीरा बाई की कहानी को जीवंत करती है।

**अनुनाद**

ललित कला अकादमी में आर्ट शो 'क्रोमैटिक रिसोनेंस', फिरोजशाह रोड, मंडी हाउस, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक। कलाकार झूनू सरकार की इस आर्ट एग्जिबिशन के साथ उनकी नामी 'वृष्टि' सीरीज से कई खूबसूरत आर्टवर्क देखे जा सकते हैं।

**क्रिएटिव परतें**

त्रिवेणी कला संगम में स्कल्पचर एग्जिबिशन 'परसेप्शन अनफोल्ड', श्रीधरनी आर्ट गैलरी, तानसेन रोड, मंडी हाउस, सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक।

## शिकायतों के निपटारे के लिए AI बेस्ड IGMS होगा लॉन्च

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

**राजधानी दिल्ली** में पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने के लिए सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित इंटेलिजेंट ग्रीवांस मॉनिटरिंग सिस्टम (IGMS) को जल्द लॉन्च करेगी। दिल्ली सरकार ने इसके लिए IIT कानपुर के साथ समझौता किया है। दिल्ली के IT मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि सरकार अत्याधुनिक तकनीक को अपनाकर नागरिकों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, AI आधारित IGMS से हर नागरिक की शिकायत को संवेदनशीलता के साथ सुना जाएगा, उसका विश्लेषण किया जाएगा और समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इस सिस्टम के लागू होने से नागरिकों की शिकायतों का न केवल तेजी से समाधान होगा बल्कि उनकी रियलटाइम निगरानी भी संभव हो सकेगी। वर्तमान में दिल्ली में पब्लिक ग्रीवांस मैनेजमेंट सिस्टम (PGMS) सहित कई अलग-अलग पोर्टलों के माध्यम से शिकायतें दर्ज की जाती हैं। इन पोर्टलों के अलग-अलग संचालन के कारण शिकायतों के निपटारे में समन्वय की कमी से देरी होती है।

**अभी कई पोर्टलों पर दर्ज की जाती हैं शिकायतें**

## महानगर खेल

आप भी हमें अपनी खेल खबर और फोटो भेजिए nbtreader@timesofindia.com पर। सब्जेक्ट में लिखें Khel

### साईअंश और वंश ने जीती शतरंज प्रतियोगिता

मॉडर्न स्कूल वसंत विहार के साईअंश सिंघल और अविराज बजाज ने मूव एन लिप अकैडमी और माइंड गेम्स चेस अकैडमी द्वारा आयोजित मूव एन लिप शतरंज प्रतियोगिता में 9 वर्ष से कम आयु वर्ग के मुकाबले में पहला और दूसरा स्थान हासिल किया, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के विहान शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। टूर्नामेंट के 13 वर्ष से कम आयु वर्ग के मुकाबले में प्रोफेसर्स ग्लोबल स्कूल के वंश यादव ने पहला स्थान हासिल किया, दीवान पब्लिक स्कूल नोएडा के सोहम् मित्तल ने दूसरा स्थान हासिल किया और ऑर्किड्स द इंटरनेशनल स्कूल के श्रेयांश कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया।

### आर्या क्रिकेट अकैडमी बनी चैंपियन

विराज श्रीवास्तव (5/45) की घातक गेंदबाजी और उत्तम हेमंत (81 रन और 2/14) के ऑलराउंड खेल व आयुष चौबे (77) की उम्दा पारी की बदौलत एसएम आर्या क्रिकेट अकैडमी (266/5) ने विजय दहिया क्रिकेट अकैडमी (240/10) को 26 रन से शिकस्त देकर पहले डीआरआईसी अंडर-14 क्रिकेट लीग का खिताब अपने नाम किया। पराजित टीम की ओर से अभिनव दीक्षित ने तीन विकेट निकालने के बाद 133 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी छाप छोड़ी।

### उदयभान अकैडमी को खिताब

अमन दुबे (83 रन और 1/21), ऋषित दहिया (40 रन और 1/15) की मदद से प्रथम सोबो अंडर-17 टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में उदयभान अकैडमी (156/6) ने एमएस अकैडमी (154/6) को 4 विकेट से हरा कर खिताब अपने नाम किया।

### लक्ष्य, वियान चमके

लक्ष्य सोकरी (166 रन) की आतिशी सेंचुरी और वियान (72), रणवीर (50), व अथर्व अधिकारी (4/39) की बदौलत 7वे लाला अशोक गोयल मेमोरियल अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में रोहतक रोड जिमखाना (335/5) ने टेलिफाकन क्लब (242/8) को 93 रनों से मात दी।

### तुषार की सेंचुरी

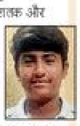

तुषार (100 रन) के शतक और मयंक जाखड़ (43), ओजस बलान (41) व लाव्य (3/24) के योगदान से ओम प्रकाश शौकीन अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट में स्पोर्टिंग सीसी (286/4) ने लैंडमार्क क्रिकेट अकैडमी (148/10) को 138 रन से शिकस्त दी।

### यतिन का कमाल

यतिन सोलंकी (139 रन, 2/22) के ऑलराउंडर प्रदर्शन और उत्तम भारद्वाज (40), नील धूपर (3/25) की मदद से स्टार क्रिकेट अकैडमी (295/10) ने प्रथम चैलेंजर अंडर-16 क्रिकेट टूर्नामेंट में पीसीसीए (238/10) को 57 रन से हराया। एक अन्य मैच में आरव दास (110) के शतक की मदद से एससीए क्रिकेट अकैडमी (320/10) ने नेक्स्टजेन अकैडमी (173/10) को 147 रनों से हराया

### दर्श, अरहान का कमाल

दर्श स्वामी (3/22), अरहान (53), अनश (44), विराट सिंह (2/12) की मदद से आरसी ओपन क्रिकेट टूर्नामेंट में एयरलाइनर अकैडमी (146/5) ने जीआरएम अकैडमी (145/10) को 5 विकेट से हरा।

### सक्षम का चला बल्ला

सक्षम झा (84*) की बेहतरीन पारी और नमन शर्मा और प्रतीक की दो-दो विकेटों की बदौलत एयरलाइनर क्रिकेट अकैडमी (168/5) ने जीआरएम कप अंडर-12 के लीग मैच में टेलिफाकन जूनियर्स (164/8) को 5 विकेट से हराया।

### वेदी की शानदार पारी

मैन ऑफ द मैच वेदी (184 रन) की शानदार पारी की बदौलत उदय भान क्रिकेट क्लब (378/4) ने 5वें संजीव टाक मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट अंडर-14 के लीग मैच में डोगरा क्रिकेट अकैडमी (254/10) को 124 रनों से हरा दिया।


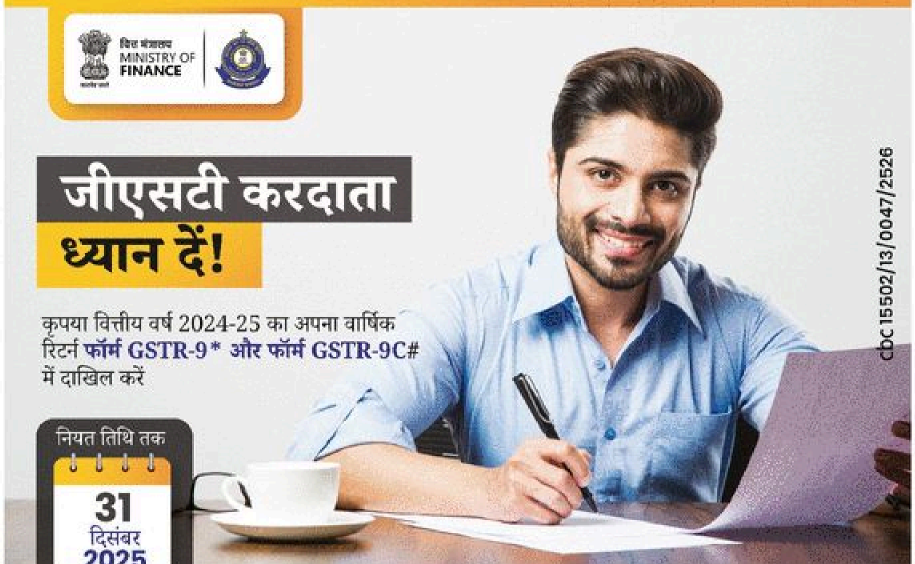


**फॉर्म GSTR-9 क्या है?**

फॉर्म GSTR-9 एक व्यापक वार्षिक रिटर्न है जिसमें मासिक/तिमाही GST रिटर्न (जैसे फॉर्म GSTR-1 और फॉर्म GSTR-3B) में पहले से जमा की गई सभी जानकारी को समेकित किया जाता है।

*इन करदाताओं द्वारा **फॉर्म GSTR-9** दाखिल किया जाना अनिवार्य है

ऐसे सभी जीएसटी करदाता, जिनका **सकल वार्षिक टर्नओवर ₹2 करोड़ से अधिक रहा हो (वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान)**, निम्न को छोड़कर:

इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर | कैजुअल टैक्सेबल पर्सन | टीडीएस डिडक्टर | टीसीएस कलेक्टर | प्रवासी टैक्सेबल पर्सन

**फॉर्म GSTR-9C क्या है?**

फॉर्म GSTR-9C एक मिलान विवरण है जो फॉर्म GSTR-9 में घोषित डेटा की तुलना ऑडिट किए गए वित्तीय विवरणों से करता है, जो कि CA/CMA द्वारा प्रमाणित हो।

# इन करदाताओं द्वारा **फॉर्म GSTR-9C** दाखिल किया जाना अनिवार्य है

ऐसे करदाता, जिनका सकल वार्षिक टर्नओवर ₹5 करोड़ से अधिक रहा हो (वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान), द्वारा फॉर्म GSTR-9 में वार्षिक रिटर्न के साथ फॉर्म GSTR-9C में स्व-प्रमाणित रिकॉन्सिलिएशन स्टेटमेंट दाखिल किया जाना आवश्यक है

फॉर्म GSTR-9 और फॉर्म GSTR-9C विलंब से दाखिल किए जाने पर विलंब शुल्क लगता है।

जीएसटी वार्षिक रिटर्नों की अधिक जानकारी के लिए कृपया स्कैन करें

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india

# नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 30 दिसंबर 2025

प्रकृति कोई दोहन की चीज नहीं बल्कि ऐसा लिविंग सिस्टम है, जिसका आदर किया जाना चाहिए *– वंदना शिवा*

## संतुलन की ज़रूरत

अरावली पहाड़ियों की जिस परिभाषा को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार किया था, उस पर खुद ही रोक लगा दी है। एक नई उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति के गठन का आदेश बताता है कि पहले की रिपोर्ट को लेकर जाहिर की जा रही चिंता वाजिब थी। अरावली को केवल पहाड़ी श्रृंखला नहीं, जीवन रेखा के रूप में देखने की जरूरत है, जिसकी वजह से उत्तर भारत के उपजाऊ मैदान बचे हुए हैं।

**आम लोगों की चिंता** । अरावली की जो परिभाषा सरकारी समिति की सिफारिश पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार की थी, उसे लेकर आम लोगों के कई सवाल हैं। इस मामले में केवल यह कहने से आशंकाएं दूर नहीं हो जातीं कि रिपोर्ट को गलत तरीके से समझा जा रहा है। देश जिस तरह की पर्यावरणीय चुनौती का सामना कर रहा है, उसे देखते हुए ज्यादा स्पष्ट और पारदर्शी नीतियों की जरूरत है। इस लिहाज से सुप्रीम कोर्ट ने मामले का स्वतः संज्ञान लेकर लोगों की चिंताओं को समझा।

ग्रोथ-पर्यावरण में तालमेल

**विस्तृत जांच** । विशेषज्ञ समिति अब multi-temporal examination करेगी यानी पुरानी तस्वीरों, नक्शों, सैटेलाइट इमेज वगैरह के जरिये देखा जाएगा कि हालिया दशकों में अरावली में क्या बदलाव आए हैं। उम्मीद है इससे एक सही तस्वीर बनेगी कि कैसे अवैध खनन, अनियोजित निर्माण और पेड़ों की कटाई ने इस प्राकृतिक धरोहर को नुकसान पहुंचाया है।

**समग्रता की जरूरत** । नई परिभाषा में सबसे ज्यादा विवाद 100 मीटर की ऊंचाई वाले बिंदु पर हुआ। असल में मामला केवल ऊंचाई का नहीं है। पर्यावरणीय संतुलन के मामले में छोटी-सी छोटी चीज भी मायने रखती है। किसी पहाड़ी को उसके आसपास के वातावरण से अलग करके नहीं देखा जा सकता। अरावली पर लोगों की तरफ से इतनी तीखी प्रतिक्रिया इसलिए भी आई, क्योंकि पर्यावरणीय असंतुलन की सीधी मार अब उस पर पड़ने लगी है।

**गंभीरता और जिम्मेदारी** । इस साल पहाड़ी राज्यों में जिस तरह की तबाही आई, दिल्ली-NCR और मुंबई में हवा जहरीली हुई - वह लंबे अरसे की अनदेखी का नतीजा है। इसके बाद भी पर्यावरण के मोर्चे पर पर्याप्त गंभीरता और जिम्मेदारी का भाव नहीं दिखता। जब अरावली को लेकर विरोध-प्रदर्शन चल रहा था, उसी दौरान उत्तराखंड में हजारों एकड़ वन भूमि कब्जाने का मामला सुप्रीम कोर्ट में था। और उसी समय राजस्थान के हनुमानगढ़ में किसान एथेनॉल फैक्ट्री का विरोध कर रहे थे।

**संतुलन चाहिए** । अच्छी बात है कि सरकार, अदालत और जनता - तीनों अरावली को लेकर चिंतित हैं। नई कमिटी को सभी पक्षों और बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए। देश को विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की जरूरत है।

पहलगाम आतंकवादी हमले में पति को खोने के बाद भी हिमांशी ने की शांति की बात

# बदले के शोर में अमन की आवाज़

**बराक ओबामा** जब अमेरिका के राष्ट्रपति थे, तब हर साल अपनी पसंदीदा किताबों, फिल्मों और संगीत की लिस्ट जारी किया करते थे। 2025 की उनकी लिस्ट के एक गाने ने मुझे मोह लिया - पसायदान और इसके गायक गणव्या (दोरैस्वामी)। गाने और गायक, दोनों के नाम में भारतीय रंग होने के बावजूद मैं दोनों से अनजान था।

नीलांजन मुखोपाध्याय

**सबसे अलग** । 13वीं सदी में संत ज्ञानेश्वर ने अपने आराध्य के लिए अभंग प्रार्थना रची थी। पसायदान गीत इसी का प्रस्तुतिकरण है। इसमें न तो व्यक्तिगत मोक्ष की कामना है और न वरदान की इच्छा - इसके बजाय इसमें सभी के कल्याण की प्रार्थना की गई है। यही बात इसे अलग बनाती है। आज जब दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है, भारत समेत कई देशों में आंतरिक संघर्ष जारी है, तब पसायदान ऐसे गीत के रूप में उभरता है, जिसे हर जुबान पर होना चाहिए। आखिरकार यह ऐसी दुनिया में सभी के कल्याण, सुख और सुरक्षा की प्रार्थना है, जहां सामूहिक स्वार्थ की महामारी फैलती जा रही है।

**उम्मीद की किरण**
- पहलगाम हमले के बाद सांप्रदायिक तनाव बढ़ा
- हिमांशी ने न्याय मांगा, सबके हित को समझा
- धर्म व क्षेत्र के आधार पर नफरत को नकारा

**पीएम का संदेश** । सांप्रदायिक असहिष्णुता दशकों से बड़ी समस्या रही है। हर साल आखिर में इस पर अफसोस जताया जाता है। इस साल भी दूसरे समुदायों के प्रति बड़ी नफरत देखने को मिली। क्रिसमस के आसपास ईसाई समुदाय पर हमले किए गए। यह सब तब हुआ, जब पीएम नरेंद्र मोदी ने त्योहार की सुबह एक ऐतिहासिक चर्च में जाकर देश को संदेश दिया। उनका यह कदम स्वागत योग्य था, लेकिन दुख है कि उसे उन्हीं लोगों ने सराहा, जो पहले से ही भारत की साझा संस्कृति में विश्वास रखते हैं और समझते हैं कि एक-दूसरे की आस्था का सम्मान करना चाहिए।

**बदले का सिद्धांत** । पीएम के प्रयास का दुर्भाग्य से उन लोगों पर कोई असर नहीं पड़ा, जो हिंदुत्व और हिंदू धर्म के नाम पर दूसरों पर हमला करते हैं। यह साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मासूम पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले का भी रहा। लगभग तुरंत ही पीएम मोदी ने उस प्राचीन सिद्धांत का सहारा लिया, जिसमें 'आंख के बदले आंख, दांत के बदले दांत' की बात कही जाती है। हमारे अपने समाज में भी कोई नहीं था, जो बदले की भावना को हवा देने वालों को रोकता।

**सच्चे नायक** । इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए पसायदान गीत ने मुझे एक नतीजे पर पहुंचने में मदद की और वह है कि इस साल के सच्चे नायक वे भारतीय हैं, जिन्होंने सभी के कल्याण के बारे में सोचा। बहुत सोचने के बाद मैंने हिमांशी नरवाल को अपना 'इंडियन ऑफ द ईयर' चुना है। पहलगाम हमले में पति को गंवाने के बाद भी वह समझदारी भरी आवाज बनकर उभरीं।

**शांति और न्याय** । जब इस देश के सबसे ऊंचे पायदानों से भी बदले की पुकार गूंज रही थी, तब हिमांशी ने संयम दिखाया। त्रासदी में इतना सब खोने के बावजूद उन्होंने 'बदला' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने कहा, 'हम नहीं चाहते कि लोग मुस्लिमों और कश्मीरियों के पीछे पड़ें। हमें शांति चाहिए, केवल शांति। हां, हमें न्याय जरूर चाहिए।' उन्होंने खुद पर टूटी विपत्तियों से ऊपर एक बड़े सामूहिक हित, लोगों के डर और उनकी सुरक्षा की जरूरत को प्राथमिकता दी।

**2025 के हीरो**

**विवेकपूर्ण रास्ता** । हिमांशी के साथ जो बीता, अगर उनकी प्रतिक्रिया में गुस्सा होता, तो भी कोई कुछ नहीं कहता, लेकिन उन्होंने विवेकपूर्ण रास्ता चुना। अपने देशवासियों से उन्होंने एक औपचारिक बयान में कहा कि वह और उनका परिवार आतंकी हमले के बाद मुस्लिमों और कश्मीरियों के खिलाफ फैलाई जा रही नफरत को स्वीकार नहीं करते।

**नेक मकसद** । महत्वपूर्ण बात है कि उन्होंने अपने घर की खामोशी में बैठकर नहीं, एक रक्तदान शिविर से यह संदेश दिया। यह कैंप उनके पति की जयंती पर आयोजित किया गया था। जिस समय लोग केवल एक धार्मिक पहचान या कश्मीरी होने के नाते दूसरों का खून बहाने की बात कर रहे थे, तब हिमांशी एक नेक उद्देश्य के लिए रक्तदान को प्रेरित कर रही थीं।

**अब मिले सराहना** । भारत की आत्मा में धर्म रचा-बसा है। धार्मिक पहचान के आधार पर राजनीतिक समुदाय गढ़ने की कोशिशें 150 बरसों से सफल नहीं हो पाईं, लेकिन आज के दौर में वह प्रवृत्ति फिर तेज होती दिख रही है। जब दूसरों को मारने की पुकार को सही ठहराया जा रहा था, तब हिमांशी नरवाल का बयान उम्मीद की किरण बनकर सामने आया। अफसोस की बात रही कि सभी की सुरक्षा की बात कहने के बावजूद उनके बयान को सर्वसम्मति से सराहा नहीं गया। लेकिन, जिस देश में आक्रोश से भरी आवाजें हमें उन अंधेरे बरसों की याद दिलाती हैं, जो देश को विभाजन तक ले गईं, वहां साल के आखिर में हिमांशी की बातों को याद किया जाना चाहिए।

*(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं और 'नरेंद्र मोदी: द मैन, द टाइम्स' नाम की किताब लिखी है)*

**कांटे की बात**

देहरादून में एंजेल चकमा की हत्या नफरती लोगों की घृणित मानसिकता का दुष्परिणाम है। विघटनकारी सोच रोज किसी की जान ले रही है और सरकारी अभयदान प्राप्त ऐसे लोग विषबेल की तरह फल-फूल रहे हैं।

*अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी के मुखिया*

**AI की दुनिया**

## लिखना भूले, टाइप करना छूटा... अब वॉइस चैट का दौर

*लिखने और टाइप करने की आदत कम होती जा रही है। अब लोग मैसेज लिखने के बजाय वॉइस नोट भेजना ज्यादा आसान मानते हैं। यही वजह है कि दुनिया भर में हर दिन 7 अरब से ज्यादा वॉइस मैसेज भेजे जा रहे हैं।*

AI Image

**अरबों का व्यापार**

**नेक्स्ट मूव** स्ट्रैटिजी कंसल्टिंग की स्टडी के मुताबिक, AI चैटबॉट्स से खासकर युवाओं में वॉइस नोट का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। 50% से ज्यादा युवा हर हफ्ते वॉइस नोट भेजते हैं। इस बदलती आदत ने वॉइस AI को टेक्नॉलजी की अगली बड़ी लहर बना दिया है। स्मार्ट ईयरबड्स और वॉइस असिस्टेंट्स वाला AI वॉइस मार्केट तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 2030 तक 34 अरब डॉलर का हो सकता है।

**भारत में असर**

**भारत में** यह बदलाव और तेजी से आने की उम्मीद है। देश में 80 करोड़ से ज्यादा वट्सऐप यूजर्स हैं। अगर वॉइस AI हिंदी, तमिल, बंगाली जैसी भाषाओं में बेहतर तरीके से काम करने लगे, तो आम लोगों के बीच और जल्दी पैठ बना लेगा। तब किसान अपनी फसल के दाम पूछ सकेंगे और छात्र परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए तकनीक बहुत मददगार होगी।

*-प्रदीप तिवारी*

**जनता जंक्शन** — इरफान

**ऐवें कुछ भी**

## ओवरस्मार्ट जनता

सुबह उठा तो कुछ बदली बदली सी लगी मेरी स्मार्ट सिटी। हवा तो उतनी ही धूल भरी थी लेकिन हरियाली कुछ बढ़ी थी। चाल कुछ स्मूद सी हो गई थी। समझ नहीं आ रहा था कि हुआ क्या है। ढेर सारे लोग हाथ में झाड़ू लिए सफाई अभियान में लगे थे। हैरानी की बात थी कि एक शख्स झाड़ू लगा कर कूड़ा जमा करता था तो पीछे से आने वाला दूसरा शख्स उसे बाकायदा ठेले में उठाकर रख लेता था। न उसमें आग लगाई न नाले में ढकेला। बाकायदा उसे ठेले में रखा गया। मतलब ये तो हद हो गई।

आलोक सिंह भदौरिया

हमने कदम बढ़ाया, पैर लचका, गिर गए। आदत ही नहीं थी इतनी स्मूद सड़क पर चलने की। कहां गए गड्ढे! रातों-रात कौन सा अलादीन का चिराग रगड़ दिया किसी ने। दूर कोने में अलादीन का चिराग मतलब रोड रोलर खड़ा था। हरियाली भी दो प्रकार की थी। एक तो खूबसूरत पौधे गमले में लगे थे। दूसरी हरियाली उन हरी चादरों की थी जो सड़क किनारे तान दी गई थी। हम समझ नहीं पाए ये चादर क्यों तनी है। एक महानुभाव से पूछा, भाई साब यह सब क्या है।

उन्होंने बेइज्जत करने वाली निगाह से घूरा। हमने पूछा, ये हरी चादर क्यों तनी है? बोले चादर नहीं, व्यू कटर है। तुम्हारे मोहल्ले की गंदगी ढंकने को लगाई है। हमने कहा, गंदगी हट या संवर नहीं सकती थी? वह बोले, तुम लोग की औकात इतनी ही है, संवारना हो तो खुद संवारो। हम बस ढंक सकते हैं। हमने पूछा कोई और तरीका नहीं था? उन्होंने पलटकर पूछा, नेता जी की आंखों पर हाथ धर देते थे कि इधर न देखें नुकसान होने का रिस्क है?

शाम को नेता जी चले गए, मोहल्ले भर के खानदानी रईस मर्सिडीज से लेकर एक्टिवा तक में वही हरियाली ठूंस-ठूंसकर भरने लगे। स्मार्ट सिटी की जनता ओवर स्मार्ट हो गई थी। सही कह रहे थे नगर निगम वाले भाई साब, दूसरे हमारी गंदगी व्यू कटर से बस ढंक सकते हैं, तस्वीर हमें खुद संवारनी होगी।

**बोल वचन** — दिलीप लाल

## पंखे से हौंकना

बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड के इलाकों में 'हौंकना' शब्द हवा देने के लिए प्रचलित है। कहीं-कहीं हौकना भी है। चूल्हे में आग जलाकर उसे सुलगाए रखने के लिए हवा दी जाती थी, तो 'हौंकना' कहा गया। आज भी ग्रामीण इलाकों में सहज कहा जाता है, 'आग हौंक से नहीं जल रही, जरा पंखे से हौंक दो।' गर्मी से बचने के लिए पंखे को झलना भी 'हौंकना' कहलाता है। खलिहानों में अनाज से भूसा अलग करने की प्रक्रिया, जिसे 'ओसाना' कहा जाता है, उसमें भी हवा देने के अर्थ में 'हौंकना' शब्द प्रयोग होता है। भाषा विज्ञान की दृष्टि से 'हौंकना' एक देशज और ध्वनि आधारित शब्द माना जाता है। उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में जब किसी को डांटना या फटकारना हो, तो यह 'हौंकना' बन जाता है- जैसे, 'अभी हौंक देंगे।' अवधी और बुंदेली क्षेत्रों में 'फूंक मारना' व ब्रज में 'हवा लगाना' प्रचलित है। माना जाता है कि हवा छोड़ने या तेज सांस की 'हौं-हौं' जैसी ध्वनि से यह शब्द बना है। लोक बोलियों में ऐसी ध्वनि-आधारित क्रियाओं से शब्द गढ़े जाने की परंपरा रही है। गुजरात, राजस्थान और हरियाणा में इसी क्रिया के लिए 'फूंकनी मारना' कहा जाता है। अंग्रेजी में to fan, to winnow, to blow air जैसे अलग-अलग शब्दों से इसे समझा जा सकता है।

AI Image

## पुरानी चीज़ों के बाज़ार की यूं बदली तक़दीर

**अवधनामा**

उर्दू के मशहूर शायर शौक बहराइची (1884-1964) का एक बहुत प्रसिद्ध शे'र है : *अब हुस्नफरोशी के लिए मिस्र के बदले, भारत में है नक्खास का बाजार रजिस्टर्ड।* इस शे'र में उन्होंने जो 'चिंता' जताई है, कम से कम इस एक मायने में उसके साथ हुआ जा सकता है कि मुगलों की हुकूमत के उत्तरार्ध में, जब उनका इकबाल खत्म होने लगा, अवध सूबे के लखनऊ, फैजाबाद और इलाहाबाद जैसे शहरों में नक्खास नाम से विकसित मुहल्ले तवायफों की गुजर-बसर के केंद्र के रूप में पहचाने जाने लगे। समय के साथ वे अपने कोठों पर कुलीन वर्ग के धनी-मानी महानुभावों के दिल बहलाने के लिए उनके मनोरंजन से जुड़े काम करने लगीं। शुरू में यह मनोरंजन नृत्य-संगीत व शायरी आदि की शालीन महफिलों तक ही सीमित था, लेकिन बाद में गिरावट आई तो उसमें हुस्नफरोशी भी शामिल हो गई।

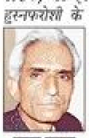

कृष्ण प्रताप सिंह

AI Image

नक्खास (या नख्खास) अरबी मूल से आया शब्द है, जो पुराने वक्त में घोड़ों और दासों वगैरह की खरीद-फरोख्त की साप्ताहिक मंडियों व बाजारों के लिए प्रयुक्त किया जाता था। इन बाजारों में कबाड़ में बदल चुकी ऐसी नई-पुरानी टूटी-फूटी चीजें भी बिका करती थीं, जिनका किसी न किसी रूप में उपयोग बचा हुआ था। वर्ष 1775 में सूबे के नवाब आसफउद्दौला फैजाबाद से अपनी राजधानी लखनऊ ले गए तो वहां का बदहाल नक्खास इन टूटी-फूटी चीजों के बाजार के रूप में ही जाना जाता था। लेकिन राजधानी बनने के बाद नक्खास का मुकद्दर भी बदल गया।

इस बदलाव के वाहक थे सूबे के दीवान राजा टिकैत राय, जिन्होंने पहले तो नक्खास को घोड़ों की खरीद-फरोख्त के बड़े केंद्र के रूप में विकसित किया, फिर उसे नायाब चीजों की उपलब्धता का सूबे का सबसे खास बाजार बनाने में लग गए। 19वीं शताब्दी की शुरुआत में अंग्रेज कैप्टन जॉन बेली रेजिडेंट बनकर लखनऊ आए तो टिकैत राय ने इस काम में और तेजी ला दी। उनकी कोशिशों से जल्दी ही नक्खास में हर रविवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाने लगा। वक्त की नब्ज पर हाथ रखने वाले शहर के रईस भी इन साहबों से मेल-जोल रखने में फायदा देख इस बाजार में आने लगे।

लेकिन आगे चलकर वह दौर आया तो नवाब वाजिद अली शाह (1847-1856) के वक्त तक नक्खास तवायफों का गढ़ बनकर रह गया। हालांकि तब भी वह कला, संगीत और संस्कृति का बड़ा केंद्र हुआ करता था। क्योंकि तवायफें वहां केवल मनोरंजन ही नहीं करती थीं, वे शास्त्रीय संगीत और नृत्य की पारंपरिक शैलियों को जीवित रखने और विकसित करने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम भी थीं।

## यहां SIR ने बढ़ाई BJP की भी धड़कनें

पूनम पाण्डे

**पश्चिम बंगाल** में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद चुनाव आयोग ने जो ड्राफ्ट जारी किया है, उसमें करीब 58 लाख नाम डिलीट किए गए हैं। इनमें मतुआ समुदाय के करीब 2 लाख लोग हैं। यही बात BJP की धड़कनें बढ़ा रही है।

### कन्फ्यूजन और डर

चुनाव आयोग ने 15 जनवरी तक लोगों से ड्राफ्ट वोटर लिस्ट पर आपत्ति मांगी है ताकि जहां सुधार करना हो, किया जा सके। असल में, पश्चिम बंगाल में मतुआ समुदाय CAA और SIR के बीच अटका दिख रहा है। BJP ने पिछले चुनावों में भी मतुआ समुदाय को अपनी तरफ आकर्षित करने की कोशिश की थी। CAA के जरिए भी वह समुदाय के बीच अपना आधार बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

**विशुद्ध राजनीति** कसौटी

मतुआ समाज के करीब 2 लाख लोगों के नाम कटना इसलिए अहम है क्योंकि BJP आदिवासी और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदाय के लोगों पर शुरू से फोकस कर रही है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भी मतुआ समुदाय से पार्टी को उम्मीदें हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जाति की आबादी करीब 1.84 करोड़ है। इसमें 50% मतुआ समुदाय के लोग हैं। ये बांग्लादेश से आए नामशूद्र हिंदू हैं। कुछ दिनों पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी ने एक संबोधन में कहा था कि 'मैं मतुआ और नामशूद्र परिवार को भरोसा दिलाता हूं कि हम उनकी सेवा करेंगे। वे पश्चिम बंगाल में TMC की दया पर नहीं हैं। उन्हें CAA की वजह से भारत में सम्मान से रहने का अधिकार है, जिसे हमारी सरकार लाई है।' BJP ने पश्चिम बंगाल में कई केंद्र भी खोले हैं, जिनके जरिये मतुआ समुदाय के लोगों को नागरिकता के लिए अप्लाई कराया जा रहा है।

BJP सूत्रों का कहना है कि इनमें से कइयों को TMC ने बरगलाया कि CAA के लिए अप्लाई करने की जरूरत नहीं है। सूत्रों ने यह भी कहा कि ज्यादातर लोग जिन्होंने अप्लाई नहीं किया, वे TMC के ही समर्थक हैं और हम अपने समर्थकों से CAA के तहत नागरिकता के लिए आवेदन करवा रहे हैं। मगर सवाल यह है कि कब CAA के तहत उन्हें नागरिकता मिलेगी और कब उनका नाम वोटर लिस्ट में आएगा। अभी तो वोटर लिस्ट में सुधार के लिए 15 जनवरी तक का ही वक्त दिया गया है। मतुआ समुदाय के लोगों में इसे लेकर कन्फ्यूजन है और वे डरे हुए भी हैं।

मतुआ संप्रदाय की शुरुआत 1860 में अविभाजित बंगाल में समाज सुधारक हरिचंद ठाकुर ने की थी। संप्रदाय के लोग उन्हें भगवान विष्णु का अवतार मानते हैं और श्री हरिचंद ठाकुर कहते हैं। भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद हरिचंद ठाकुर का परिवार पश्चिम बंगाल आ गया। फिर संप्रदाय का जिम्मा हरिचंद ठाकुर के पड़पोते प्रमथ रंजन ठाकुर ने संभाला। उनकी पत्नी वीणापाणि देवी को मतुआ माता या बोरो मां कहा जाने लगा। बोरो मां का मतलब है बड़ी मां। बोरो मां ने बांग्लादेश से आए नामशूद्र शरणार्थियों के लिए बांग्लादेश के बॉर्डर पर ठाकुरगंज नाम से एक बस्ती बसाई। नामशूद्र समाज के लोग भी मतुआ संप्रदाय को मानते हैं।

### 10 सीटों पर अहम

2011 की जनगणना के मुताबिक, नामशूद्र समाज के लोगों की संख्या राज्य में 17% है। नामशूद्र के अलावा दूसरे दलित समाज के लोग भी मतुआ संप्रदाय से जुड़े हैं। ऐसे में अनुसूचित जाति का बड़ा वोट हासिल करने के लिए मतुआ संप्रदाय अहम है। पश्चिम बंगाल की करीब 10 लोकसभा सीटों में इस संप्रदाय के लोग जीत-हार तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

## अपने आपको बदलने के लिए दूसरों का इंतज़ार मत कीजिए

ब्रह्मा कुमारी शिवानी

जैसे-जैसे आपके भीतर की दुनिया बदलती है, आसपास शांति, स्थिरता और शक्ति का वातावरण बनने लगता है। हर नए साल बदलने की प्रेरणा हमारे भीतर उपजती है। मानो एक कोमल-सी उम्मीद कानों में कहती है, 'इस बार मैं बदलूंगा। आने वाले 12 महीनों में मेरी जिंदगी अलग होगी।' पूरे मन से हम अपने संकल्प लिखते हैं - अधिक शांत, स्वस्थ, खुश और संतुष्ट रहना है। कुछ हफ्तों तक हमारी नीयत मजबूत रहती है। फिर न जाने कैसे जीवन अपनी पुरानी लय में लौट आता है और हमारे सबसे मजबूत संकल्प भी धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाते हैं।

ऐसा इसलिए नहीं होता कि हमारे भीतर इच्छाशक्ति की कमी है। ऐसा इसलिए होता है कि हम हालात के सुधरने का इंतजार करते हैं। हम लोगों के बदलने की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन यह सच्चाई याद रखनी होगी कि हम दुनिया को सीधे नहीं बदल सकते। कल्पना कीजिए कि आप कल सुबह जागते हैं और अपने घर, परिवार, काम और जीवन से संतुष्ट महसूस करते हैं। दूसरों को भीतर से किसी प्रतिरोध के बिना स्वीकार करते हैं, और जहां जरूरत हो वहां समझदारी और करुणा के साथ कदम उठाते हैं। परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं, फिर भी आपके भीतर शांति और स्थिरता बनी रहती है।

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

दुनिया कहीं बाहर नहीं है। वह आपके भीतर से शुरू होती है। जब आप अपनी जन्मजात अच्छाई को व्यक्त करते हैं, तो आपकी दुनिया बदलती है। जब आप प्रेम से किसी को सशक्त बनाते हैं, आपकी दुनिया बदलती है। जब आप सही के लिए खड़े होते हैं, आपकी दुनिया बदलती है। जब आप अपने अतीत से शांति स्थापित करते हैं, आपकी दुनिया बदलती है। जब आप क्षमा करते हैं, आपकी दुनिया बदलती है। जैसे-जैसे आपका आंतरिक संसार रूपांतरित होता है, आप स्वाभाविक रूप से अपने आसपास के लोगों के लिए शांति, स्थिरता और शक्ति का स्रोत बन जाते हैं।

नए साल के लिए एक ही संकल्प लें, 'मैं दुनिया को 24 घंटे देने से पहले, अपने मन को 30 मिनट देता/देती हूं।' आपका मन आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है। उसे रोज सिर्फ 30 मिनट दीजिए और देखिए कि जीवन के प्रति आपकी प्रतिक्रियाएं कितनी शांत, समझदार और आनंदमय हो जाती हैं।

**रीडर्स मेल**

## नस्लवादी सोच

**29 दिसंबर** का संपादकीय 'नया कानून चाहिए' पढ़ा। त्रिपुरा के एंजेल चकमा की देहरादून में हुई हत्या हमारे समाज में गहराई तक जमी नस्लवादी सोच का भयानक उदाहरण है। पूर्वोत्तर के नागरिकों को बार-बार अपनी भारतीयता साबित करनी पड़े, यह लोकतंत्र और संविधान दोनों के लिए शर्मनाक है। सख्त नस्लवाद-विरोधी कानून, संवेदनशील पुलिस व्यवस्था और सामाजिक जागरूकता जरूरी है, ताकि किसी और एंजेल को अपनी पहचान की कीमत जान देकर न चुकानी पड़े।

प्रतिमा गोयल, ईमेल से

[illegible]

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 12-30-2025 00:12 Color:



# अरावली की परिभाषा क्या? कमिटी बनाने के निर्देश

## सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी एक्सपर्ट कमिटी उन क्षेत्रों की पहचान करेगी, जिन्हें अरावली क्षेत्र से बाहर किया जा सकता है | इसका भी आकलन करेगी कि इन इलाकों को अरावली की परिभाषा से बाहर करने पर पर्यावरण को नुकसान तो नहीं होगा

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने अरावली से जुड़ा 20 नवंबर का अपना फैसला वापस ले लिया। इस फैसले के तहत कोर्ट ने अरावली की नई परिभाषा को स्वीकार किया था। ये परिभाषा केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने इस साल अक्टूबर में विश्व की सबसे पुरानी पर्वत प्रणाली की रक्षा के लिए दी थी। इन्हें सुप्रीम कोर्ट से स्वीकार करने के बाद विरोध शुरू हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार के फैसले में ये भी कहा कि यह जांचना जरूरी है कि अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा से कहीं कोई संरचनात्मक विरोधाभास तो पैदा नहीं हो गया है? और क्या इससे उलटे रूप में गैर अरावली क्षेत्रों का दायरा बढ़ गया है, जिससे अनियंत्रित खनन को बढ़ावा मिल सकता है?

> परिभाषा से कोई संरचनात्मक विरोध तो नहीं, देखेगी एक्सपर्ट कमिटी

**सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दिया हाई पावर कमिटी का प्रस्ताव?**

चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति बनाने का प्रस्ताव रखा। कमिटी उन क्षेत्रों की पहचान करेगी, जिन्हें अरावली से बाहर किया जा सकता है, और यह भी जांचा जाएगा कि इससे पर्यावरण और उसकी प्राकृतिक मजबूती को नुकसान तो नहीं पहुंचेगा। अदालत ने इस मामले में नोटिस जारी किया और भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और वरिष्ठ अधिवक्ता पी.एस. परमेश्वर से अनुरोध किया कि वे कोर्ट की सहायता करें, विशेष रूप से प्रस्तावित समिति की संरचना के संबंध में राय मांगी है। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को यह भी बताया कि राज्यों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं, जिनमें निर्देश दिया गया है कि आगे कोई भी खनन गतिविधि न की जाए।

Anindya Chattopadhyay

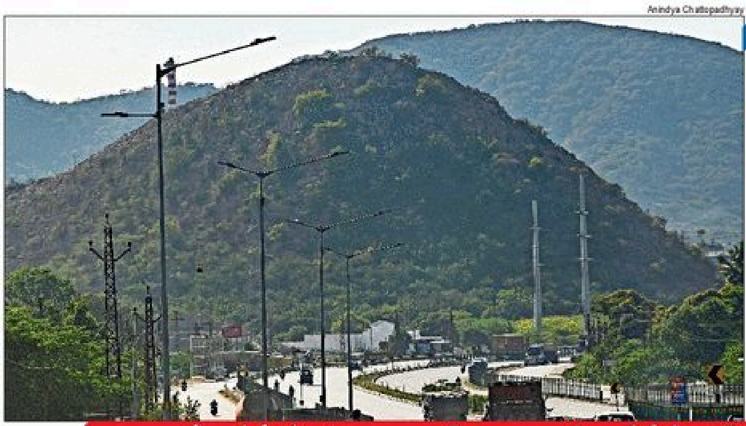

### कमिटी को और कौन से काम सौंपे?

- उन खास क्षेत्रों की एक लिस्ट, जो इस परिभाषा के दायरे में आते हैं।
- उन क्षेत्रों की विस्तृत पहचान, जिन्हें प्रस्तावित मानदंडों के अंतर्गत संरक्षण से बाहर रखा जाएगा।
- यह विश्लेषण कि नव-रेखांकित अरावली क्षेत्रों में 'सतत खनन' या 'विनियमित खनन, निगरानी के बावजूद, किसी प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव का कारण बनेगा या नहीं?
- उन क्षेत्रों का आकलन जो अब परिभाषा के अंतर्गत नहीं आते, विशेष रूप से यह कि क्या ऐसे बहिष्करण से उनके लुप्त होने का जोखिम पैदा होता है, जिससे समग्र अरावली श्रेणी की पारिस्थितिक अखंडता प्रभावित हो सकती है।
- सिफारिश की गई परिभाषा और उससे संबद्ध निर्देशों के अमल से पर्यावरण पर पैदा हुए लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म प्रभावों की समय के साथ असर की जांच।

### कमिटी की सिफारिशें क्या थीं?

कमिटी ने सिफारिश की कि अरावली पहाड़ियों में उन चोटियों को शामिल किया जाए, जिनकी ऊंचाई सतह से कम से कम 100 मीटर अधिक हो। अगर दो या दो से अधिक ऐसी पहाड़ियां 500 मीटर के भीतर हों, तो उन्हें अरावली पर्वतमाला कहा जाएगा। इस परिभाषा में पहाड़ और आसपास की जुड़ी भू-आकृतियां शामिल होंगी। मतलब अरावली जिले की कोई भी ऊंची भू-आकृति, चाहे उसका ढलान जैसा भी हो, इस परिभाषा में आएगी।

### पर्यावरण मंत्री ने किया स्वागत

■ भाषा, नई दिल्ली : केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर रोक का स्वागत किया। उन्होंने कहा, सरकार अरावली के संरक्षण और बहाली के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, मौजूदा स्थिति के अनुसार, नए खनन पट्टों या पुराने खनन पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में खनन पर पूरी तरह बैन बरकरार है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि अब पर्यावरण मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए जो नई परिभाषा की बार-बार वकालत कर रहे थे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार अरावली को बचाने का नहीं, बेचने की कोशिश कर रही है।

> कांग्रेस ने मंत्री की आलोचना की और उनसे इस्तीफा देने को कहा

### कौन से हैं वो पांच सवाल, जिन पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगी है एक्सपर्ट की राय?

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कुछ मुद्दे तय किए हैं और इस पर एक्सपर्ट की राय मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी फैसले से पहले हितधारकों और निष्पक्ष एक्सपर्ट की राय ली जाए और इसके लिए पांच मुद्दे तय किए हैं, जिसका रास्ता निकाला जा सके। ये मुद्दे इस प्रकार हैं-

1. क्या अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की यह परिभाषा, जो केवल दो या अधिक अरावली पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के क्षेत्र तक सीमित है, एक संरचनात्मक विरोधाभास पैदा करती है, जिससे संरक्षित क्षेत्र का भौगोलिक दायरा बहुत ज्यादा कम हो जाता है।
2. इसकी वजह से, क्या इस तरह के सीमित रेखांकन (डिमार्केशन) ने 'गैर-अरावली' क्षेत्रों के दायरे को उलटे रूप में बढ़ा दिया है, जिससे उन भू-भागों में अनियमित खनन और अन्य विघटनकारी गतिविधियों को जारी रखने में सुविधा मिलती है, जो पर्यावरण के लिए सेंसटिव है। लेकिन ये इलाके तकनीकी रूप से इस परिभाषा के कारण बाहर रह जाते हैं?
3. अगर अरावली की पहाड़ियां 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंची हैं, लेकिन एक-दूसरे से 500 मीटर से ज्यादा दूर हैं, तो भी क्या वे मिलकर एक ही प्राकृतिक तंत्र बनाती हैं? यानी क्या ऐसी दूर-दूर स्थित पहाड़ियां भी एक-जैसे जंगल, वन्य जीवों के रास्ते, पानी के बहाव और पर्यावरण के संतुलन को आपस में जोड़कर रखती हैं। अगर हां, तो उन्हें अलग-अलग नहीं, बल्कि एक साथ जुड़ी हुई अरावली की प्राकृतिक संरचना माना जाना चाहिए। यह स्पष्ट किया जाना आवश्यक है कि क्या इनमें रेगुलेटेड खनन की अनुमति दी जा सकती है। यदि हां, तो 'अरावली श्रेणी' के विस्तार को परिभाषित करने के लिए कौन-से सटीक स्थानिक मानदंड अपनाए जाएं, ताकि पारिस्थितिक निरंतरता से कोई समझौता न हो।
4. क्या प्रचारित आलोचना कि राजस्थान में 12,081 पहाड़ियों में से सिर्फ 1,048 ही 100 मीटर से ज्यादा ऊंची हैं। अगर ऐसा है, तो बाकी छोटी पहाड़ियां पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो जाएंगी। इसलिए यह देखना जरूरी है कि यह दावा तथ्य और विज्ञान के आधार पर सही है या नहीं। अगर इसमें कोई बड़ी कानूनी कमी सामने आती है, तो सभी पहाड़ियों और टीलों की वैज्ञानिक जांच कर उनकी सही ऊंचाई मापी जानी चाहिए, ताकि पूरे अरावली क्षेत्र का प्राकृतिक संतुलन सुरक्षित रखा जा सके।
5. 5 क्या इन कार्यवाहियों के दौरान कोई अन्य पूरक मुद्दे या प्रणालीगत कमजोरियां उभर सकती हैं, जिनके लिए इस अदालत के हस्तक्षेप की आवश्यकता हो।

### नई परिभाषा का क्यों हुआ विरोध?

2010 के फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया रिपोर्ट के मुताबिक 12 हजार पहाड़ियों में करीब 8% ही 100 मीटर से ऊंची हैं। क्लाइमेट ऐक्टिविस्ट का कहना है कि ऐसे तो 90% से ज्यादा पहाड़ियां अरावली मानी ही नहीं जाएंगी, इससे अंधाधुंध खनन और रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स के लिए रास्ता खुल जाएगा। फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया 3 डिग्री स्लोप के पैरामीटर का इस्तेमाल करता रहा है, यानी जिस पहाड़ी की ढलान 3 डिग्री या ज्यादा होगी, उसे अरावली माना जाएगा। पर्यावरण मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट को अरावली जिलों की जो नई लिस्ट सौंपी है, उनमें से 34 जिलों में से कई जिलों को हटा दिया गया है।

### निर्देशों को गलत समझा गया: SC

■ भाषा, नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखलाओं की परिभाषा को लेकर जन असंतोष और आलोचना कोर्ट की कुछ शर्तों और निर्देशों को लेकर कथित अस्पष्टता की वजह से उपजी लगती है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की वेकेशन बेंच ने कहा कि पर्यावरणविदों में काफी गुस्सा है, जिन्होंने नई परिभाषा और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की गलत व्याख्या और अनुचित तरीके से लागू होने की संभावना पर गहरी चिंता जताई है। इसलिए और स्पष्टीकरण की सख्त जरूरत है ताकि उन नियामक खामियों को रोका जा सके जिनसे अरावली को नुकसान हो सकता है।

## फटाफट खबरें

### 'दो सबसे बड़े भगोड़े' पर ललित की माफी

■ भाषा, लंदन : ललित मोदी ने सोशल मीडिया पर एक विडियो को लेकर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि खुद को और विजय माल्या को भारत के 'दो सबसे बड़े भगोड़े' कहने की बात गलत समझी गई। यह टिप्पणी उन्होंने लंदन में विजय माल्या के 70वें जन्मदिन के एक वीडियो में कही थी, जिसे बाद में हटा दिया गया।

### भारतमाला प्रोजेक्ट केस में ED के छापे

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: ED ने भारतमाला प्रोजेक्ट में कथित गड़बड़ी में सोमवार को कई जगहों पर छापे मारे। रायपुर और विशाखापत्तनम के बीच एक रोड प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण के मुआवजे के भुगतान में कथित अनियमितता के मामले में ऐक्शन लिया गया।

### कार पर पलटा ट्रक, ड्राइवर की जान गई

■ भाषा, रामपुर: दिल्ली-नैनीताल हाइवे पर रामपुर में भूसे से लदा ट्रक एक कार पर पलट गया। कार ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई।

## CUET-UG के लिए सिलेबस जारी, 13 भाषाओं में होगा टेस्ट

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (CUET-UG 2026) का सिलेबस जारी कर दिया है। टेस्ट 37 विषयों के लिए होगा, जिसमें 13 लैंग्वेज, 23 डोमेन सब्जेक्ट्स और 1 जनरल ऐप्टिट्यूड टेस्ट होगा। NTA ने सीयूईटी- यूजी को लेकर एक नई अडवाइजरी जारी की है, जिसमें सिलेबस, एग्जाम की संभावित डेट्स और ऑनलाइन प्रक्रिया के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स के बारे में बताया गया है। 13 भाषाओं में यह टेस्ट होगा। एजेंसी ने अपनी अडवाइजरी में कहा है कि यह परीक्षा मई 2026 में होगी। सीयूईटी के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया फरवरी के आखिर या मार्च के पहले हफ्ते में शुरू होगी।

**सिलेबस के टॉपिक्स के मुताबिक ही करें तैयारी :** NTA ने सीयूईटी की तैयारी कर रहे सभी कैंडिडेट्स से कहा है कि सभी विषयों का सिलेबस वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है, जिसमें हर विषय के टॉपिक दिए गए हैं। कैंडिडेट्स को इन टॉपिक को ध्यान में रखते हुए ही अपनी तैयारी करनी होगी। एनसीईआरटी की किताबों के आधार पर ही यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट का सिलेबस फाइनल किया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि एनसीईआरटी की किताब को बहुत ध्यान से पढ़ना चाहिए।

**इस बार 5 सब्जेक्ट की परीक्षा का मौका :** सूत्रों का कहना है कि छात्रों को 5 विषयों की परीक्षा देने का मौका मिलेगा। 2024 में छात्रों को 6 विषयों को चुनने का विकल्प मिला था। 2022 में छात्रों को 9 विषयों की परीक्षा देने का विकल्प दिया गया और 2023 में इसे 10 कर दिया गया था।

**यूजीसी- नेट दिसंबर 2025:** यूजीसी नेट का एग्जाम 31 दिसंबर 2025, 2-3 जनवरी और 5, 6, 7 जनवरी को होगा। 31 दिसंबर को जिन कैंडिडेट्स का एग्जाम है, उनका एडमिट कार्ड जारी कर दिया गया है।

AI image

- 37 विषयों के लिए होगी परीक्षा
- 23 डोमेन सब्जेक्ट होंगे
- 13 लैंग्वेज के सब्जेक्ट होंगे
- 1 जनरल ऐप्टिट्यूड टेस्ट भी

**ये होंगे लैंग्वेज के सब्जेक्ट**

- इंग्लिश, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तेलुगु, तमिल, उर्दू

**ये होंगे डोमेन सब्जेक्ट**

- अकाउंट्स- बुक कीपिंग, एग्रीकल्चर, एंथ्रोपोलॉजी, बायोलोजी- बायोलॉजिकल साइंस- बायोटेक्नोलॉजी-बायोकेमिस्ट्री, बिजनेस स्टडीज, केमिस्ट्री, एनवायरमेंट साइंस, कंप्यूटर साइंस- इन्फर्मेशन प्रैक्टिस, इकनॉमिक्स- बिजनेस इकनॉमिक्स, फाइन आर्ट्स-विजुअल आर्ट- कमर्शल आर्ट, ज्योग्राफी- जियोलॉजी, हिस्ट्री, होम साइंस, नॉलेज ट्रेडिशन-प्रैक्टिसेस इन इंडिया, मास मीडिया- मास कम्यूनिकेशन, मैथमैटिक्स- अप्लाइड मैथमैटिक्स, परफॉर्मिंग आर्ट (डांस- ड्रामा- म्यूजिक), फिजिकल एजुकेशन (योगा- स्पोर्ट्स), फिजिक्स, पॉलिटिकल साइंस, साइकॉलजी, संस्कृत व सोशियोलॉजी

### बिना आधार सुबह चार घंटे टिकट नहीं

■ NBT रिपोर्ट: बिना आधार लिंक वाले IRCTC यूजर्स सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। ये नियम केवल रिजर्व रेल टिकट बुकिंग खुलने के पहले दिन पर लागू होगा। रिजर्व टिकट की बुकिंग ट्रेन डिपार्चर की तारीख के 60 दिन पहले खुलती है। ET की रिपोर्ट के मुताबिक, रेलवे इस नियम को तीन फेज में लागू कर रहा है। पहला फेज आज से लागू हो चुका है। वहीं दूसरे फेज में 5 जनवरी से और तीसरा फेज 12 जनवरी से लागू होगा। 29 दिसंबर से बिना आधार सुबह 8 बजे से 12 बजे तक टिकट बुक नहीं होगी। 5 जनवरी से सुबह 8 से शाम 4 बजे तक टिकट बुकिंग पर पाबंदी रहेगी। 12 जनवरी से सुबह 8 से रात 12 बजे तक ऐसे यूजर्स की टिकट बुक नहीं होगी। फर्जी अकाउंट्स से बुकिंग रोकना इस नियम का मकसद है।

## बरेली कैफे में हंगामे के मामले में बजरंग दल के 5 कार्यकर्ता अरेस्ट

### स्टूडेंट की बर्थडे पार्टी मे मुस्लिम युवको की मौजूदगी पर हंगामे का आरोप है

■ NBT रिपोर्ट, मेरठ/बरेली

**बरेली के** द डेन कैफे में B.Sc छात्रा की जन्मदिन पार्टी के दौरान हंगामा करने के आरोप में पुलिस ने बजरंग दल के पांच कार्यकर्ताओं को सोमवार को के अरेस्ट कर लिया। कार्यकर्ताओं पर मुस्लिम युवकों की मौजूदगी के कारण आपत्ति जताने और कैफे में घुसकर युवाओं को धमकाने, सांप्रदायिक तनाव भड़काने के आरोप हैं।

पुलिस ने बताया कि एक नाबालिग आरोपी के खिलाफ किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। बरेली पुलिस के अनुसार, B.Sc फर्स्ट ईयर की छात्रा ने बयान में कहा कि वह बालिग है और कैफे में मौजूद सभी लोग उसके दोस्त थे। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने मुस्लिम युवकों को देखकर कैफे में 'लव जिहाद' के आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, कार्यकर्ताओं ने कैफे के कर्मचारियों से बदसलूकी की और अंदर बैठे लोगों को डराने की कोशिश की। पुलिस ने कहा, मामले में दो स्थानीय नेताओं को भी आरोपी बनाया गया है। बाकी आरोपियों की तलाश जारी है।

पुलिस ने कहा, दो स्थानीय नेताओं को भी आरोपी बनाया गया है।

### तमिलनाडु में प्रवासी पर हमला कर विडियो बनाया, 4 नाबालिग हिरासत में

■ भाषा, तिरुवल्लूर

**तमिलनाडु के** तिरुवल्लूर जिले में शराब के नशे में महाराष्ट्र के एक प्रवासी पर चाकू से हमला करने और इसका विडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोप में चार नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने यह जानकारी सोमवार को दी। घटना 26 दिसंबर की शाम की है। जनता से मिली सूचना के आधार पर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने पीड़ित को बचा लिया। पीड़ित की पहचान कोल्हापुर के रहने वाले सूरज (34) के रूप में हुई है।

आरोप है कि नाबालिगों ने एक ट्रेन के अंदर सूरज की गर्दन पर चाकू रखकर वीडियो बनाई। चूंकि पीड़ित ने ट्रेन के अंदर विरोध किया था, इसलिए उसे रेलवे क्वार्टर के पास एक सुनसान इलाके में घसीटकर ले जाया गया और उस पर हमला किया गया।

घटना का विडियो वायरल हो गया है।

### मुंबई में अनियंत्रित बस ने कई को कुचला, चार की जान गई

Sanjay Hadkar

■ प्रिया पांडे/मनीष झा, मुंबई: मुंबई के भांडुप इलाके में एक अनियंत्रित बस ने पैदल चल रहे कई लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और दस से अधिक घायल हो गए। जान गंवाने वालों में तीन महिलाएं हैं। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि रिवर्स लेते हुए ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया। घटना एक रेलवे स्टेशन के नजदीक बेस्ट बस डिपो के करीब रात करीब 10 बजे हुई।

## 10वीं में दो बोर्ड, उच्च शिक्षा पर आयोग... 2026 में हैं कई चुनौतियां

### बड़े फैसलों पर निगाह, पुरानी चुनौतियां भी सामने

Bhupender.Sharma
@timesofindia.com

**नई दिल्ली :** पिछले कुछ सालों में देश ने शिक्षा जगत में कई नए प्रयोगों का दौर देखा है। इसमें कई विवाद भी हुए। इन बदलाव के बीच 2026 का साल देश में शिक्षा के मोर्चे पर अहम होगा। सरकार के कुछ बड़े फैसले अगले साल होने हैं तो कुछ पहले लिए जा चुके बड़े फैसलों का परिणाम अगले साल दिखेगा। शिक्षा क्षेत्र में इन बदलावों की प्रक्रिया के बीच राजनीति और विवाद भी देखने को मिल सकता है।

> शिक्षा के क्षेत्र में अगले साल होने वाले 5 बड़े बदलावों पर एक नजर, इनके मायने

**■ 10वीं में दो बार बोर्ड एग्जाम का प्रयोग सफल हो पाएगा?**

2026 में 10वीं में दो बार सीबीएसई एग्जाम पॉलिसी लागू होगी। पहला एग्जाम फरवरी के मध्य और दूसरा एग्जाम मई के मध्य में होगा। अगर एक एग्जाम में अच्छा नहीं कर पाए तो दूसरा मौका भी रहेगा। चूंकि दो बार बोर्ड एग्जाम होंगे तो ऐसे में समय पर रिजल्ट जारी करना ही होगा, पहले एग्जाम के रिजल्ट में देरी की कोई गुंजाइश नहीं होगी। इसके साथ ही बोर्ड को यह भी व्यवस्था करनी होगी कि मई एग्जाम के बाद अगर छात्र का रिजल्ट बेहतर होता है तो उसे उसी आधार पर 11वीं में लिए गए विषयों में बदलाव का मौका मिले। नये शैक्षणिक सत्र में तीसरी क्लास से ही AI की पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

AI image

**■ शिक्षा में राजनीतिक दखल**

हाल के सालों में विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति से लेकर पाठ्यपुस्तकों में बदलाव एक बड़ा राजनीतिक विवाद रहा है। विपक्ष इसे शिक्षा जगत में जबरन दक्षिणपंथी नैरेटिव थोपने का आरोप लगा रहा है। ऐसे में सेशन 2026-27 सेशन शुरू होने से पहले 9वीं से 12वीं तक की क्लासेज की नई किताबें आ जाएंगी। नई किताबें स्कूली शिक्षा के लिए बनाए गए नैशनल करिकुलम फ्रेमवर्क के आधार पर तैयार की गई हैं। किताबों में किए जा रहे बदलावों पर विवाद देखने को मिला है और अब जब सीनियर क्लासेज की नई किताबें आएंगी तो क्या उस पर भी विवाद होगा, इस पर नजर रहेगी।

**■ और कितने विदेशी यूनिवर्सिटीज के भारतीय कैंपस? कैसी क्वॉलिटी**

यूजीसी रेगुलेशन के मुताबिक अभी तक 19 विदेशी यूनिवर्सिटीज को भारत में कैंपस शुरू करने की इजाजत मिली है, जिसमें सबसे ज्यादा ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटीज के हैं। 2026 में इनमें से कई यूनिवर्सिटीज के कैंपस शुरू होंगे। अभी तक गुजरात में गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में ऑस्ट्रेलिया की दो यूनिवर्सिटी के भारतीय कैंपस की औपचारिक शुरुआत हो गई है। 2025 सत्र में साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी के गुरुग्राम में भी पढ़ाई शुरू हो गई है। इन यूनिवर्सिटीज के कैंपस शुरू होंगे तो देखना होगा कि भारतीय छात्रों का रुख क्या रहता है, क्या विदेश जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में कमी आएगी, यह भी एक बड़ा सवाल होगा?

AI image

**■ उच्च शिक्षा आयोग बिल पर कितना बवाल**

शीतकालीन सत्र में लोकसभा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक सिंगल पॉइंट रेगुलेटर बनाने से जुड़े बिल 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025' को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने को मंजूरी दे दी है। यह समिति बजट सत्र 2026 के पहले भाग के आखिरी दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इस बिल के आने के बाद विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, टीचर्स काउंसिल, टेक्निकल एजुकेशन काउंसिल खत्म होंगी और नई काउंसिल बनेंगी। उच्च संस्थानों की गवर्नेंस, मान्यता व ग्रांट के सिस्टम में जरूरी बदलाव होंगे। अगले साल सबसे अधिक चर्चा और फोकस इसी इर्द-गिर्द रहने की संभावना है।

**■ एनटीए में किए गए परीक्षा सुधार क्या कारगर साबित होंगे?**

इंजीनियरिंग, मेडिकल, यूनिवर्सिटी के बड़े एंट्रेंस टेस्ट कंडक्ट करने वाली नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। पेपर लीक के आरोप लगे, क्वेश्चन पेपर से लेकर आंसर- की में गलतियां हुईं, जिसके बाद परीक्षा सुधारों पर उच्च स्तरीय कमिटी बनी और परीक्षा सुधार लागू किए गए। अब 2026 बताएगा कि ये सुधार कारगर साबित होते हैं या नहीं?

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA12 User: ccl Time: 12-29-2025 22:49 Color:



मैं गौतम गंभीर को लेकर मीडिया में चल रही अटकलों के संबंध में एक चीज स्पष्ट करना चाहता हूं। BCCI सचिव ने भी साफ कर दिया है कि गंभीर को हटाने या भारत के लिए नया हेड कोच लाने की कोई योजना नहीं है। *-राजीव शुक्ला, उपाध्यक्ष, BCCI*

**7**

*सेंचुरी लगाई शुभमन गिल ने भारत के लिए साल 2025 में। वह तीनों फॉर्मेट को मिलाकर इस साल जो रूट (7 सेंचुरी) के साथ सर्वाधिक सेंचुरी बनाने वाले प्लेयर हैं*

## स्पोर्ट्स QUIZ

*इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।*

1. भारत और श्रीलंका के बीच महिला टी20I सीरीज में सर्वाधिक रन किस बैटर ने बनाए हैं?
A) स्मृति मंधाना B) जेमिमा रॉड्रिग्स C) शेफाली वर्मा D) चामरी अटापट्टू
2. शुभमान गिल ने साल 2025 में कितनी सेंचुरी लगाई है?
A) आठ B) दस C) पांच D) सात

**कल के जवाब**
1. B) 380 2. C) 1

**लकी WINNER**

1. शहनाज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
2. श्रीजा पहाड़े, लोअर परेल, मुंबई
3. रमा सेठी, वसंत कुंज, नई दिल्ली

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

## फटाफट खबरें

### नीरू ढांडा को गोल्ड

■ **नई दिल्ली:** एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नीरू ढांडा ने कर्णी सिंह रेंज में चल रही नैशनल शूटिंग चैंपियनशिप में विमिंस ट्रैप इवेंट का गोल्ड मेडल जीता। 25 साल की नीरू ने फाइनल में 41 हिट के साथ खिताब जीता। नीरू को दिल्ली की कीर्ति गुप्ता से कड़ी टक्कर मिली जिन्होंने 40 सटीक निशानों के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया।

### इंडिया ओपन 13 से

■ **नई दिल्ली:** BWF इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट 13 से 18 जनवरी तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट अब केडी जाधव हॉल के बजाय बड़े मंच पर होगा, जहां 8,000 से ज्यादा दर्शक बैठ सकेंगे। टिकट 400 रुपये से ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। इस प्रतियोगिता में पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, सात्विक-चिराग और एन से-यन जैसे सितारे खेलेंगे।

### बीम्स बनीं MI की कोच

■ **मुंबई:** डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस ने 2026 विमिंस प्रीमियर लीग से पहले ऑस्ट्रेलिया की पूर्व लेग स्पिनर क्रिस्टन बीम्स को स्पिन बॉलिंग कोच नियुक्त किया है। बीम्स 2017 वनडे वर्ल्ड कप में तीसरी सबसे सफल गेंदबाज रही थीं।

### जगरीत ने जीता खिताब

■ **नई दिल्ली:** दिल्ली के 13 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी जगरीत मिश्रा ने ग्रेटर नोएडा में आयोजित पहले शतरंज वेदा फिडे रैपिड रेटिंग टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। जगरीत ने 8.5 अंक जुटाए और 90 रेटिंग अंक हासिल किए।

भारतीय टेस्ट टीम के प्लेयर ध्रुव ने वनडे फॉर्मेट में भी दिखाई काबिलियत

# जुरेल चले, पंत का बल्ला नाकाम

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** आगामी टी20 वर्ल्ड कप की टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी में बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे, हालांकि उनकी अगुआई में दिल्ली की टीम ने सौराष्ट्र को तीन विकेट से हराकर जीत की हैट्रिक लगाई। वहीं दूसरी ओर भारतीय टेस्ट टीम विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने शतक जड़ा, जबकि टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल किए गए रिंकू सिंह ने भी आकर्षक पारी खेली।

**पूरा किया पहला शतक:** जुरेल ने राजकोट में हुए एलीट ग्रुप-बी के मुकाबले में उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए बड़ौदा के खिलाफ महज 101 बॉल पर 160 रनों की नाबाद पारी खेली जिसमें 15 फोर और 8 सिक्स शामिल थे। लिस्ट-ए क्रिकेट में जुरेल का यह पहला शतक है। यूपी के कप्तान रिंकू सिंह ने भी 63 रन की पारी खेली जिसमें तीन छक्के शामिल रहे। नंबर तीन पर उतरे जुरेल की जोरदार पारी की बदौलत यूपी ने निर्धारित 50 ओवरों में 369 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में बड़ौदा की टीम ओपनर शाश्वत रावत (60 रन) और कप्तान क्रुणाल पंड्या (82 रन, 77 बॉल, 10 फोर, 2 सिक्स) के प्रयासों के बावजूद 50 ओवरों में 315 रन ही बना सकी और यूपी ने 54 रनों से जीत दर्ज की।

ऋषभ पंत / ध्रुव जुरेल

**दिल्ली की जीत में चमके सैनी और प्रियांश:** अलूर में हुए ग्रुप-डी मैच में दिल्ली ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' नवदीप सैनी के ऑलराउंड खेल (34 रन*, 3/41 विकेट) से सौराष्ट्र को तीन विकेट से शिकस्त दी। सौराष्ट्र ने विश्वराज जाडेजा की सेंचुरी (115 रन, 104 बॉल, 13 फोर, 1 सिक्स) और रुचित अहीर की नाबाद 95 रनों की पारी से 50 ओवरों में 320/7 का स्कोर खड़ा किया। सैनी ने दस ओवर में 41 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में दिल्ली की टीम ने ओपनर प्रियांश आर्या (78 रन, 45 बॉल, 5 फोर, 6 सिक्स), तेजस्वी दहिया (53 रन), हर्ष त्यागी (49 रन) के अलावा अंत में सैनी की 29 बॉल में 34 रनों की नॉट आउट पारी के दम पर 48.5 ओवरों में सात विकेट पर 321 रन बनाकर जीत हासिल की। टीम के कप्तान पंत ने 26 गेंद पर 22 रन बनाए। उनकी इस छोटी पारी में दो छक्के आकर्षण का केंद्र रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26

**हरियाणा ने गुजरात को हराया:** बेंगलुरु में खेले गए मैच में हरियाणा (49.4 ओवरों में 299 रन) ने गुजरात (47.1 ओवरों में 273 रन) को 26 रनों से हराया। हरियाणा के लिए ओपनर मयंक शांडिल्य ने 105 गेंदों पर सर्वाधिक 86 रनों की पारी खेली, जबकि हिमांशु राणा ने भी अर्धशतक लगाया। गुजरात की टीम जयमीत पटेल और विशाल जैसवाल की फिफ्टी के बावजूद लक्ष्य से दूर रह गया।

**शार्दुल ने दिलाई मुंबई को जीत:** जयपुर में हुए मैच में कप्तान शार्दुल ठाकुर (4/13) की शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने ग्रुप-सी मैच में छत्तीसगढ़ को नौ विकेट से हराकर जीत की हैट्रिक पूरी की। टीम जीतकर पहले बॉलिंग करते हुए मुंबई छत्तीसगढ़ को 38.1 ओवरों में 142 रन पर आउट कर दिया। लेफ्ट आर्म स्पिनर शम्स मुलानी ने पांच विकेट झटके। अंगकृष रघुवंशी (68* रन) और सिद्धेश लाड (48* रन) की 102 रन की साझेदारी से मुंबई जीत गई।

### कोहली 6 जनवरी को फिर ऐक्शन में

**नई दिल्ली:** दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष रोहन जेटली ने सोमवार को बताया कि दिग्गज विराट कोहली 6 जनवरी को बेंगलुरु स्थित BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस सेंटर में रेलवे के खिलाफ दिल्ली का विजय हजारे ट्रॉफी मैच खेलेंगे। BCCI के केंद्रीय अनुबंध हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों के लिए विजय हजारे के कम से कम दो मैचों में भाग लेना अनिवार्य किया था। कोहली अगले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलेंगे।

# स्पोर्ट्स @2026

सबसे बड़ा चैलेंज

## ताज बचाने उतरेंगे गुकेश

भारतीय शतरंज के लिए साल 2025 एक ऐसा वर्ष रहा, जिसे ऐतिहासिक और चुनौतीपूर्ण दोनों कहा जा सकता है। एक ओर युवा सितारों ने विश्व स्तर पर भारत का दबदबा कायम रखा, वहीं मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन ग्रैंडमास्टर डी गुकेश के लिए यह साल बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। साल 2024 के अंत में सबसे कम उम्र में वर्ल्ड चैंपियन बनकर इतिहास रचने वाले गुकेश के लिए अगले साल अपना ताज बचाने की चुनौती होगी। गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में हमवतन प्रग्गनानंद से टाईब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा। सबसे बड़ा झटका तब लगा जब वह गोवा में आयोजित फिडे वर्ल्ड कप 2025 के तीसरे राउंड में ही हारकर बाहर हो गए।

**सबसे बड़ा सवाल ?**

2026 में सबसे बड़ा सवाल होगा कि क्या गुकेश अपना सिंहासन बचा पाएंगे? वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद से खराब फॉर्म के बावजूद गुकेश ने यहां-वहां अपनी प्रतिभा दिखाई। उन्होंने नॉर्वे चेस में वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल फॉर्मेट में पहली बार हराकर सनसनी फैला दी। इसके अलावा, यूरोपियन क्लब कप में व्यक्तिगत और टीम इवेंट में गोल्ड जीता। संभव है कि वह सही वक्त पर लय पकड़ लें और अगले दो साल तक अपना ताज बरकरार रखें।

इनमें से कोई हो सकता है

## चैलेंजर

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में शामिल आठ खिलाड़ियों के 2025 के प्रदर्शन को देखते हुए तीन खिलाड़ी जीत के प्रबल दावेदार होंगे। इनमें से कोई गुकेश को चैलेंज कर सकता है:

**1. आर प्रग्गनानंदा** *(भारत)*
उन्होंने फिडे सर्किट 2025 जीतकर कैंडिडेट्स के लिए क्वॉलिफाई किया है। उन्होंने गुकेश को टाटा स्टील चेस में हराया और कई एलीट टूर्नामेंट्स में टॉप पर रहे।

**2. फैबियानो कारुआना** *(अमेरिका)*
दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी कारुआना को 'कैलकुलेशन मशीन' माना जाता है। उन्होंने फिडे सर्किट 2024 के विजेता के रूप में क्वॉलिफाई किया है।

**3. हिकारू नाकामुरा** *(अमेरिका)*
हिकारू वर्ल्ड नंबर-2 हैं। उन्हें ब्लिट्ज फॉर्मेट में महारत हासिल है, लेकिन उन्होंने क्लासिकल चेस में भी अपनी रेटिंग 2800 के ऊपर बनाए रखी है।

**7** खिताब जीते मैग्नस कार्लसन ने 2025 में और वह साल के सबसे सफल चेस प्लेयर रहे। वह चेस के तीनों फॉर्मेट्स में 2800+ रेटिंग के साथ नंबर-1 पोजिशन पर कायम रहे

**91** चेस ग्रैंडमास्टर हो गए हैं भारत में। साल 2025 में एलआर श्रीहरि, हरिकृष्णन ए रा, दिव्या देशमुख, एस रोहित कृष्णा, एआर इलमपार्थी, वीएस राहुल ने यह खिताब हासिल किया

## दिव्या के लिए एक और बड़ा मौका

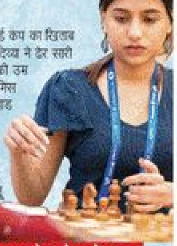

2025 में दिव्या देशमुख फिडे विमिंस वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय प्लेयर बनीं। दिव्या ने ढेर सारी उपलब्धियां हासिल की हैं। वह 18 साल की उम्र में वर्ल्ड जूनियर चैंपियन बनीं, एशियन विमिंस चैंपियनशिप में गोल्ड जीता, चेस ओलिंपियाड में भारतीय विमिंस टीम को 'टीम गोल्ड' दिलाने में अहम भूमिका निभाई और व्यक्तिगत स्वर्ण भी जीता। अगर वह कैंडिडेट्स टूर्नामेंट-2026 को जीत लेती हैं, तो उनके पास मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देने और खिताब जीतने का मौका होगा।

### साल 2026 में चेस: सबसे बड़े इवेंट्स

| टूर्नामेंट | तारीख | वेन्यू |
|---|---|---|
| टाटा स्टील चेस | 16 जनवरी-1 फरवरी | नीदरलैंड्स |
| फिडे कैंडिडेट्स | 28 मार्च-16 अप्रैल | साइप्रस |
| विमिंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट | 28 मार्च-16 अप्रैल | साइप्रस |
| चेस ओलिंपियाड | 15-28 सितंबर | उज्बेकिस्तान |
| वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप | नवंबर | अभी तय नहीं |

# MCG की 'असंतोषजनक' पिच को एक डिमेरिट अंक

■ **एजेंसियां, दुबई:** इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने मेलबर्न में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए चौथे एशेज टेस्ट की पिच को सोमवार को 'असंतोषजनक' करार दिया और एमसीजी पर एक डिमेरिट अंक भी लगा दिया। मैच रेफरी जैफ क्रो ने अपनी समीक्षा रिपोर्ट में कहा था कि पिच गेंदबाजों की जरूरत से ज्यादा मदद कर रही थी। चौथे टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरे। इंग्लैंड ने दो दिन के भीतर टेस्ट जीत लिया था।

ICC ने कहा, 'चौथे एशेज टेस्ट के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (MCG) की पिच असंतोषजनक थी जिसके लिए ICC पिच और आउटफील्ड मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत MCG पर 1 डिमेरिट अंक लगाया गया है।' छह डिमेरिट अंक होने पर किसी मैदान पर एक साल तक का प्रतिबंध लग सकता है। क्रो ने कहा, 'MCG की पिच बोलर की जरूरत से ज्यादा मदद कर रही थी। पहले दिन 20 और दूसरे दिन 16 विकेट इस पर गिरे और कोई बैटर फिफ्टी भी नहीं बना सका। यह पिच असंतोषजनक थी और MCG पर एक डिमेरिट अंक लगाया गया है।'

मैच रेफरी ने चौथे टेस्ट की पिच को 'असंतोषजनक' करार दिया

द एशेज

### चोटिल एटकिंसन सिडनी टेस्ट मैच से हुए बाहर

**सिडनी:** इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी चोटिल खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं और वह हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण सिडनी में होने वाले पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। एटकिंसन मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे। सोमवार को उनका स्कैन कराया गया जिससे बाएं पैर में चोट का पता चला इसके बाद उन्हें औपचारिक तौर पर बाहर कर दिया गया। इंग्लैंड के स्टार पेसर मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर पहले ही चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

# टी20 के मैच में पहली बार 8 विकेट

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** भूटान के स्पिनर सोनम येशे किसी भी तरह के टी20 मैच (घरेलू या अंतरराष्ट्रीय) में आठ विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बाएं हाथ के स्पिनर सोनम ने बीते 26 दिसंबर को भूटान के गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी में म्यांमार के खिलाफ तीसरे टी20I मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। इस 22 वर्षीय गेंदबाज ने सात रन देकर आठ विकेट लिए जिससे भूटान ने म्यांमार को 45 रन पर आउट कर दिया। इससे पहले भूटान ने नौ विकेट पर 127 रन बनाए थे। इससे पहले किसी भी गेंदबाज ने किसी भी तरह के टी20 मैच में आठ विकेट लेने का कारनामा नहीं किया था। सोनम से पहले टी20I क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रेकॉर्ड मलेशिया के तेज गेंदबाज स्याजरुल इद्रस के नाम था, जिन्होंने 2023 में चीन के खिलाफ आठ रन देकर सात विकेट लिए थे।

क्रिकेट कनेक्ट

भूटान के स्पिनर सोनम येशे

### ब्रेसवेल ने लिया संन्यास

**नई दिल्ली:** न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डग ब्रेसवेल ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। 35 साल के ब्रेसवेल ने अपने करियर के दौरान 2011 से 2023 तक 28 टेस्ट, 21 वनडे और 20 टी20I मैच खेले। ब्रेसवेल ने कुल 74 टेस्ट विकेट के साथ रिटायरमेंट लिया है। अपने तीसरे ही टेस्ट में उन्होंने (6/40) होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया को हराने में न्यूजीलैंड की मदद की थी, जिसमें उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

## अगस्टिना के गोल से जीते बंगाल टाइगर्स

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** बंगाल टाइगर्स ने विमिंस हॉकी इंडिया लीग के अपने पहले मैच में जीत से शुरुआत की। उन्होंने सोमवार को लीग के दूसरे मैच में सूरमा हॉकी क्लब को 1-0 के मामूली अंतर से हराया। मैच का एकमात्र गोल बंगाल टाइगर्स के लिए अगस्टिना गोरजेलानी ने दागा।

हॉकी इंडिया लीग

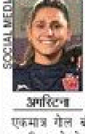

अगस्टिना

# रोनाल्डो का 'मिशन-1000'

आप जानते हैं मेरा लक्ष्य क्या है। मैं और अधिक ट्रॉफी जीतना चाहता हूं और उस संख्या तक पहुंचना चाहता हूं जिसे आप सभी जानते हैं। *- क्रिस्टियानो रोनाल्डो, प्लेयर, पुर्तगाल*

■ **एजेंसियां, दुबई:** दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर के अंत तक 1,000 गोल करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। पुर्तगाल के इस 40 साल के दिग्गज खिलाड़ी को पूरा विश्वास है कि वह अगर फिट रहे तो इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। उनके नाम शीर्ष स्तर के प्रोफेशनल फुटबॉल में 956 गोल हैं। रोनाल्डो को दुबई में आयोजित 'ग्लोब सॉकर अवार्ड्स' समारोह में मध्य पूर्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

**किस हाफ में किए कितने गोल**

| 356 | 442 | 7 |
|---|---|---|
| पहला हाफ | दूसरा हाफ | एक्स्ट्रा टाइम |

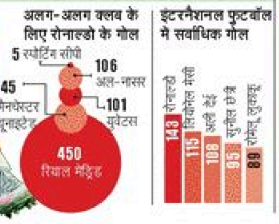



## कार्लसन ने अर्जुन से हार के बाद फिर खोया आपा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने मैग्नस कार्लसन को वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियनशिप के नौवें राउंड में मात देकर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। नौवें राउंड के अंत तक अर्जुन ने कुल 7.5 अंक जुटा लिए थे। वह उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। वहीं, वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को तीसरे राउंड में 12 साल के फिडे मास्टर सर्गेई स्लोकिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी से हार के बाद कार्लसन अपने गुस्से को काबू नहीं रख पाए और निराशा में टेबल पर मुक्का मारा। यह पहला मौका नहीं है जब कार्लसन अपनी निराशा को छुपाने में विफल रहे। इससे पहले उन्होंने रैपिड राउंड में भी एक हार के बाद कैमरा को को धक्का दिया था। अर्जुन की यह जीत और खास इसलिए भी रही क्योंकि यह काली मोहरों से खेलते हुए आई।

वर्ल्ड रैपिड ऐंड ब्लिट्ज चैंपियनशिप

अर्जुन एरिगैसी

## श्रीलंका पर क्लीन स्वीप करने उतरेगी टीम इंडिया

■ **एजेंसियां, तिरुवनंतपुरम:** भारतीय महिला क्रिकेट टीम मंगलवार को होने वाले पांचवें और अंतिम टी20I मुकाबले में श्रीलंका को हराकर पांच मैचों की सीरीज में 5-0 से क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगी। यह सीरीज भारत के लिए इंग्लैंड में अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की तैयारियों का अहम पड़ाव है। श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज के बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दौरे पर तीन-तीन टी20I मैच खेलेगी। स्मृति मंधाना की फॉर्म में वापसी भारत के लिए बड़ी राहत रही है। चौथे टी20I में मंधाना ने 80 रन बनाए थे, जबकि उनकी ओपनिंग पार्टनर 236 रन के साथ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली प्लेयर हैं।

भारत Vs श्रीलंका
टी20I सीरीज, पांचवां मैच

स्मृति (दाएं) और शेफाली वर्मा

## 12 राशियां और आपका दिन

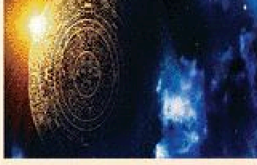

**ARIES** 21 Mar - 19 Apr
अब धीरे-धीरे आपका भाग्य साथ देगा और आपके सभी काम भी बनते जाएंगे। काफी समय के बाद आज आपको परेशानियों से कुछ राहत मिलेगी। आज सपरिवार दूर की यात्रा भी हो सकती है। छोटे-मोटे पार्ट टाइम कारोबार के लिए भी समय निकालना आसान रहेगा।

**TAURUS** 20 Apr - 19 May
आज आपके परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य के आयोजन की चर्चा चलेगी। अपने जीवन स्तर को सुधारने के लिए फिलहाल आपको स्थायी प्रयोग में आने वाली वस्तुओं की ही खरीदारी करनी चाहिए। सायंकाल के समय किसी खास मेहमान का आपके घर आगमन हो सकता है।

**GEMINI** 21 May - 21 Jun
आज आपका समय तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी अप्रत्याशित उन्नति को देखकर सभी हैरान होंगे। स्वयं आपकी नजर भी अपनी उपलब्धियों पर लग सकती है। प्रगति की इस गति को स्थायी रखना आपका प्रमुख कार्य होना चाहिए अन्यथा आगे चलकर प्रतिष्ठा को धक्का लग सकता है।

**CANCER** 22 Jun - 22 Jul
आज किसी परिजन का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। उसी की फिक्र में आपका आज का दिन व्यतीत होगा। किसी मित्र के लिए पैसे का इंतजाम करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपके कार्यकौशल की प्रशंसा होगी। आज घर पर किसी समारोह के लिए आपकी सलाह ली जाएगी। यदि सबकी सहमति हो, तो कहीं स्थान परिवर्तन का विचार बनाएं।

**LEO** 23 Jul - 22 Aug
आज आपको कारोबार की चिंता विशेष रूप से परेशान करेगी, क्योंकि पिछले काफी दिनों से व्यवसाय नियमित नहीं है। अधिकतर आपका पैसा नहीं छोड़ रही है। नौकरी, व्यवसाय आदि के क्षेत्र में यदि आप पूर्ण सुधार चाहते हैं तो आपको आलस्य व आराम को त्यागना पड़ेगा।

**VIRGO** 23 Aug - 22 Sep
आप दूसरों की सहायता के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, इसलिए आज भी किसी की मदद करने में आप अपना दिन बिताएंगे। किसी विशेष काम के लिए भागदौड़ आपको करनी पड़ेगी, जिसके नतीजे भी लाभदायक होंगे। फिलहाल तो आप आज अपने कार्य को उत्साहपूर्वक पूरा करें।

**LIBRA** 23 Sep - 22 Oct
आज आप अकारण ही चिंतित और परेशान रहेंगे। गुरु के कारण कुछ परेशानियां तो वास्तविक हैं ही, कुछ आप अपने स्वभाव के कारण स्वयं भी खड़ी कर लेते हैं। सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में विरोधियों की भीड़ आपके सामने खड़ी हो सकती है। आप अपने साहस और बुद्धिमानी से ही इन लोगों को पराजित कर सकते हैं।

**SCORPIO** 23 Oct - 21 Nov
आज अकस्मात मंगलमय समाचार मिलेगा। कार्य-व्यवसाय के क्षेत्र में आए तनाव अपने ऊपर हावी न होने दें। बनते-बिगड़ते परिवेश में नवीन योजना सफल होगी। पुराने झगड़े-झंझटों से छुटकारा मिलेगा। अधिकारी वर्ग में सामंजस्य बढ़ेगा। निराशाजनक विचारों को मन में न आने दें।

**SAGITTARIUS** 22 Nov - 21 Dec
आज आपको किसी नए संपर्क से लाभ मिलेगा। अतीत में किए गए पुण्यों का आज फायदा मिल सकता है। रुका हुआ धन कठिनाई से मिलेगा, रोजमर्रा के कामों में कोताही न करें। व्यावसायिक उन्नति से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रात्रि के समय मांगलिक आयोजनों में जाने का अवसर मिलेगा।

**CAPRICORN** 22 Dec - 19 Jan
आज सामाजिक, धार्मिक कार्यों में भाग लेते रहने के कारण आपका सम्मान बढ़ेगा। यह चाल भाग्य विकास में सहायक है। क्रय-विक्रय के व्यवसाय में लाभ होगा। शुभ समाचार भी दिनभर प्राप्त होते रहेंगे। व्यर्थ के झंझटों से बचे रहें। धार्मिक स्थलों की यात्रा की भूमिका आज बन सकती है।

**AQUARIUS** 20 Jan - 18 Feb
उच्चाधिकारियों की घनिष्ठता से लाभ उठाने का सुअवसर आज दिनभर बना रहेगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय के आरंभ का निर्णय भी आज हो सकता है। अध्यात्म और धर्म में रुचि बढ़ेगी। यात्रा, मनोरंजन का संयोग बन रहा है, समय के सदुपयोग से आपका भविष्य सुनहरा होगा।

**PISCES** 19 Feb - 20 Mar
आपकी राशि का स्वामी-देवगुरु बृहस्पति ज्ञान का भण्डार है। इसलिए उन्नति के क्षेत्र में कई मार्ग खोलेगा। अध्ययन व अध्यापन में रुचि बढ़ना स्वाभाविक है। संयम व सावधानी बरतें। आज के दिन विवादास्पद प्रकरण समाप्त होंगे। गुप्त शत्रु व ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। किसी को आज पैसे उधार न दें, वापिस नहीं मिलेगा।

### जन्मदिन की शुभकामनाएं

नया वर्ष रजत पाद से प्रवेश कर रहा है। जनवरी 2026 शेष में राजनीतिक क्षेत्र में लाभ मिल सकता है। फरवरी में वह चाल मध्यम है, गुप्त शत्रुओं के षड्यंत्र से बचें। मार्च, अप्रैल, नई पूर्णिमा शुभ रहेगा। व्यय से अधिक लाभ होगा। कुशल जातकों के भाग्य का उदय जून से जुलाई तक होगा। बुध के सहयोग से अधिकांश जातकों की बौद्धिक, धार्मिक और व्यावसायिक प्रयास सार्थक होंगे। अगस्त-सितंबर में कुछ अनावश्यक यात्राओं के कारण परेशानी रहेगी। बौद्धिक कार्यों से जुड़े महानुभाव इस वर्ष अक्टूबर में अपने काम काज का विस्तार करेंगे। जो जातक नौकरी पेशा हैं, उनका मनोवांछित जगह पर बदलाव नवंबर-दिसंबर तक मामूली प्रयासों से हो जाएगा। 1 जनवरी से लेकर 30 जनवरी 2027 तक सभी स्थितियां सामान्य रहेंगी। महिलाओं के लिए वर्ष अधिक लाभप्रद है। विद्यार्थियों को नियमित सहज परिश्रम से ही सफलता प्राप्त हो जाएगी। मंगल आपकी राशि के अनुकूल नहीं है अतः श्री सुंदरकांड पाठ एक नित्य रात्रि में 8 बजे के उपरांत शुद्ध घृत का दीपक जलाकर 40 दिन पर्यंत करें। शनिवार को सायंकाल पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

### कल का पंचांग
(बुधवार, 31 दिसंबर 2025)

राष्ट्रीय मिति पौष 10, शक संवत 1947, पौष, शुक्ल, एकादशी, बुधवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 17, रजब 10, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 31 दिसंबर 2025 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल मध्याह्न 12 बजे से 1 बजकर 30 मिनट तक। एकादशी तिथि क्षय। द्वादशी तिथि अर्धरात्रोत्तर 1 बजकर 48 मिनट तक उपरांत त्रयोदशी तिथि का आरंभ। कृत्तिका नक्षत्र अर्धरात्रोत्तर 1 बजकर 30 मिनट तक उपरांत रोहिणी नक्षत्र का आरंभ। साध्य योग रात्रि 9 बजकर 13 मिनट तक उपरांत शुभ योग का आरंभ। बव करण अपराह्न 3 बजकर 27 मिनट तक। चंद्रमा प्रातः 9 बजकर 23 मिनट तक मेष उपरांत अपनी उच्च राशि वृष पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार-पुत्रदा एकादशी, वैकुण्ठ एकादशी का क्षय।

### सुडोकू

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | | | | 9 | | | | 6 |
| | | 9 | 8 | | 4 | 2 | | |
| | | 4 | 6 | | 7 | 3 | | |
| | 7 | | 1 | | 6 | | 3 | |
| | | 3 | | | | 5 | | |
| | 9 | | 5 | | 3 | | 7 | |
| | | 5 | 2 | | 1 | 7 | | |
| | | 6 | 4 | | 8 | 9 | | |
| 3 | | | | 5 | | | | 1 |

### TELEVISION

big magic

| | |
|---|---|
| 09:00 बकसु हवाबू | 14:30 हम पांच |
| 10:00 बदलूध बुलबुक | 15:00 अजब देश की गजब कहानी |
| 11:00 सद के रक्षक | 16:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी |
| 11:30 अलादीन | 18:30 सद के रक्षक |
| 12:00 यशोमती अजेय कृष्णा | 21:00 चौरंग |
| 13:00 भ से भरे | |

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA13 User: rajesh.mishra Time: 12-29-2025 22:47 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA
masala mix
TUESDAY, DECEMBER 30, 2025 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT INDUSTRY PROMOTIONAL FEATURE

## दलपति विजय चेन्नै एयरपोर्ट पर भीड़ के बीच लड़खड़ाए, गार्ड्स ने संभाला

# 'फिल्में ऐसी करनी हैं कि लोग कहें, हुमा ये कर रही है'

निहारिका लाल

अच्छे कलाकार हमेशा किसी लेबल से ऊपर उठकर सोचते हैं और यही वजह है कि मैं सुरक्षित महसूस करती हूं। यह कहना है हुमा कुरैशी का। बीते दिनों वह दो बिल्कुल अलग तरह के वेब शोज में नजर आईं। एक तो महारानी में जिसमें उन्होंने बिहार की एक अनुभवी राजनेता का रोल अदा किया था। और दूसरा दिल्ली क्राइम के नए सीजन में एक बेबाक, सोच समझकर कदम बढ़ाने वाली बड़ी दीदी के रोल में। लेकिन एक शो में मुख्य नायका और फिर अगले ही शो में खलनायक का किरदार करने के पीछे क्या विचार था? इस पर हुमा कहती हैं, 'मैं पूरी तरह सुरक्षित महसूस करती हूं और उसी के चलते यह संभव हो पाया।' वह आगे कहती हैं, 'मैंने अक्सर देखा है कि कैसे हॉलिवुड ऐक्टर, जैसे 'इनैंगो अनचेन्ड' में लियोनार्डो डिकैप्रियो या 'मॉन्स्टर' में चार्लीज थेरॉन ने अपनी स्टार पावर का इस्तेमाल किया और कहानी के महत्व को और बढ़ा दिया। जबकि भारत में हम अभी फिल्मों में अपने किरदार को लेकर जुनूनी हैं कि मैं हीरो हूं, हीरोइन हूं या विलेन हूं? मगर सच्चाई यह है कि अच्छे ऐक्टर किसी लेबल में नहीं बंधे होते। मैं प्रोजेक्ट को अपनी मौजूदगी से कैसे खास बना रही हूं, इसे लेकर मेरी सोच बहुत साफ है।'

### 'पता है कि फिल्म में क्या योगदान दूंगी'

हुमा के मुताबिक, वह ऐसी कहानियों में काम करना चाहती हैं जिन्हें करने में जोखिम जैसा लगे। वह कहती हैं, 'मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स में काम करना चाहती हूं जिन्हें देखकर लोग कहें कि 'अरे, हुमा इसमें काम कर रही है?' तब मुझे पता चलता है कि वह रोल करने लायक है।' हुमा फिल्म में रोल को लेकर अपनी सोच के बारे में कहती हैं, 'मैं सच में ऐसी कहानियों को पसंद करती हूं जिनका लोगों पर असर हो। मैं अक्सर सोचती हूं कि कैसे हॉलिवुड के ऐक्टर्स, बिना कोई भाषण दिए अपने काम का इस्तेमाल पर्यावरण, नस्लवादी मामले और न्याय जैसे मुद्दों के लिए आवाज उठाने के लिए करती हैं। यह चीज असरदार होती है।'

# बेटे के लिए खुद ही विडियो रिकॉर्ड करने लगे शाहरुख

शाहरुख खान अपने छोटे बेटे अबराम के स्कूल एनुअल डे फंक्शन में पहुंचे थे जहां से अब विडियो सामने आया है। जहां बेटे को स्टेज पर देखकर आम पिता की तरह भावुक हुए शाहरुख खुद विडियो बनाने लगे।

विडियो में दिख रहा है कि अबराम स्टेज पर अपने दोस्तों के साथ परफॉर्म कर रहे हैं। इसके बाद कैमरा दर्शकों की ओर घूमता है, जहां पहली ही लाइन में बैठे शाहरुख खान बेटे की परफॉर्मेंस को मुस्कुराते हुए मोबाइल में रिकॉर्ड करते दिख रहे हैं। पत्नी गौरी और बेटी सुहाना भी इस मौके पर मौजूद थीं।

@socialmedia

अपने बेटे अबराम को परफॉर्म करता हुए देख शाहरुख बेहद खुश नजर आए और अपने मोबाइल से बेटे की परफॉर्मेंस का विडियो बनाने लगे

# किरण को सर्जरी के बाद अस्पताल से किया डिस्चार्ज

अपेंडिक्स की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुईं किरण राव को अब अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। किरण ने सोशल मीडिया पर हॉस्पिटल रूम से अपनी कुछ तस्वीरें और विडियोज शेयर किए और साथ में यह जानकारी दी। किरण ने अपनी रिकवरी के अनुभव को भी बेहद सहज अंदाज में बताया। किरण ने एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह सोफे पर बैठकर खाना खाते हुए दिखाई दीं। किरण ने कहा, 'सर्जरी के दौरान एलर्जिक रिएक्शन की वजह से उनके होंठ सूज गए थे, लेकिन अब सब सामान्य है।' इस मुश्किल वक्त में साथ देने के लिए उन्होंने आमिर खान को शुक्रिया कहा।

@raodyness

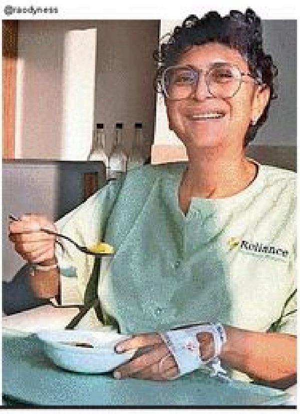

THE ECONOMIC TIMES

## फटाफट खबरें

### पीएम मोदी आज करेंगे 'बजट मंथन'

पीटीआई, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को देश के बड़े अर्थशास्त्रियों और अलग-अलग क्षेत्रों के जानकारों के साथ बैठक करेंगे। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस बैठक का मकसद आने वाले बजट के लिए उनके सुझाव और राय लेना है। उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को साल 2026-27 का केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक अनिश्चितता जैसी बड़ी चुनौतियां सामने हैं।

### 'रिलायंस-BP दे 2.5 लाख करोड़'

पीटीआई, नई दिल्ली: केंद्र सरकार और रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) के बीच चल रहा गैस विवाद अब और गहरा गया है। सरकार ने रिलायंस और उसकी पार्टनर कंपनी BP से हर्जाने के तौर पर 30 अरब डॉलर (करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा की मांग की है। सरकार का आरोप है कि इन कंपनियों ने केजी-डी6 (KG-D6) गैस फील्ड में जरूरत से ज्यादा बड़ा ढांचा खड़ा किया और इसके बावजूद गैस उत्पादन के लक्ष्य तय किए गए थे, उन्हें पूरा करने में नाकाम रहीं।

### केनरा बैंक लाया Canara ai1Pe

वि, नई दिल्ली : केनरा बैंक ने डिजिटल पेमेंट की दुनिया में अपना नया ऐप 'Canara ai1Pe' लॉन्च कर दिया है। इस ऐप का मकसद ग्राहकों को UPI के जरिए पेमेंट करने का सबसे तेज, सुरक्षित और आसान सुविधा देना है। किसी भी बैंक के ग्राहक इसमें अपना खाता जोड़ सकते हैं और तुरंत पैसे भेजने, बिल जमा करने जैसी तमाम डिजिटल सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं। साथ ही, यह ऐप आपके महीने भर के खर्चों का पूरा हिसाब-किताब भी रखता है। बार-बार ऐप खोलने की जरूरत नहीं। आप अपने फोन की होम स्क्रीन से ही तुरंत क्यूआर कोड स्कैन करके पेमेंट कर सकते हैं।

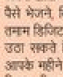

# औद्योगिक उत्पादन 2 साल में सबसे तेज़

## नवंबर में IIP ग्रोथ 6.7%, GST कटौती का असर

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार नवंबर के दौरान पिछले दो वर्षों में सबसे ज्यादा रही। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (IIP) ग्रोथ सालभर पहले के नवंबर में 5% के मुकाबले इसबार 6.7% रही। GST घटाए जाने के बाद चीजों की बढ़ी डिमांड पूरी करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग में आई तेजी और मॉनसून सीजन के बाद खनन गतिविधि बढ़ने का इसमें बड़ा योगदान रहा।

मंत्रालय ने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 8% ग्रोथ के दम पर नवंबर में IIP 6.7% बढ़ा। इसमें बेसिक मेटल्स, फैब्रिकेटेड मेटल्स, फार्मास्युटिकल्स और गाड़ियों की मैन्युफैक्चरिंग बढ़ने का योगदान रहा। वहीं, मॉनसून सीजन के बाद 5.4% ग्रोथ के साथ माइनिंग सेक्टर में रिबाउंड आया।'

IIP ग्रोथ का पिछला ऊंचा स्तर नवंबर 2023 का है, जब 11.9% बढ़त दर्ज की गई थी। इस वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर तक IIP ग्रोथ 3.3% है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 4.1% थी।

AI Image

### क्या कहते हैं आंकड़े?

- 8%: मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ग्रोथ
- 5.4%: माइनिंग सेक्टर ग्रोथ।
- -1.5%: बिजली उत्पादन घटा।
- 7.3%: इस वित्त वर्ष के लिए अनुमानित जीडीपी ग्रोथ।

इक्रा रेटिंग्स के रिसर्च हेड राजीव शरण ने कहा, 'नवंबर में अच्छी IIP ग्रोथ से कैपिटल गुड्स और कंस्यूमर ड्यूरेबल्स में दमदार डिमांड का पता चल रहा है। तीसरी तिमाही में मजबूत GDP ग्रोथ के बाद इन आंकड़ों से इकॉनमी इस वित्त वर्ष में 7.3% GDP ग्रोथ हासिल करने की राह पर है।' वहीं, PHDCCI के CEO डॉ रंजीत मेहता ने कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग और माइनिंग में अच्छी बढ़त से इंडस्ट्रियल मोमेंटम मजबूत होने का पता चल रहा है। इससे मीडियम टर्म में ओवरऑल इकनॉमिक परफॉर्मेंस को सपोर्ट मिलेगा।'

माइनिंग और मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन में अच्छी बढ़त से उलट नवंबर में बिजली उत्पादन 1.5% घट गया, जो सालभर पहले इसी महीने में 4.4% बढ़ा था। कैपिटल गुड्स प्रोडक्शन सालभर पहले के 8.9% के मुकाबले 10% बढ़ा। वहीं, कंस्यूमर ड्यूरेबल्स का प्रोडक्शन सालभर पहले के 14.1% की तुलना में 10.3% बढ़ा। कंस्यूमर नॉन-ड्यूरेबल्स में 0.6% के मुकाबले 7.3% ग्रोथ रही।

# नए साल में निफ्टी रचेगा नया इतिहास?

## FIIs पर भारी देसी निवेशक, एक्सपर्ट बोले- बेहतर करेगा शेयर बाजार

Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

नई दिल्ली : इस साल विदेशी निवेशकों ने अमेरिकी टैरिफ, रुपये में कमजोरी और भारतीय शेयर बाजार के ऊंचे वैल्यूएशन के बीच रेकॉर्ड एक लाख 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की, लेकिन रिटेल निवेशकों के SIP और डोमेस्टिक इंस्टिट्यूशनल इनवेस्टर्स के साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विशुद्ध लिवाली के दम पर बाजार लगातार दसवें साल बढ़त के साथ नए साल में कदम रखने जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले साल निफ्टी 31000 के पार जा सकता है।

### कहां होगा निफ्टी?

इस साल 29 दिसंबर तक सेंसेक्स में 7.9% और निफ्टी 50 में 9.3% की बढ़त रही है। इस दौरान 1 दिसंबर को सेंसेक्स ने 86159 और निफ्टी ने 26326 अंकों का ऑल टाइम हाई भी बनाया। LGT वेल्थ इंडिया के CIO चक्री लोकप्रिय ने कहा, 'इनकम टैक्स, GST और इंटरेस्ट रेट में कमी के बीच कंपनियों की प्रॉफिट ग्रोथ कमजोर रहने और रुपये में गिरावट के चलते 2025 में मिलाजुला माहौल रहा। लार्ज कैप्स 9% और मिड कैप्स 4% ऊपर रहे, वहीं स्मॉल कैप्स में 9% गिरावट रही। ऑटो, बैंक और मेटल्स अच्छे रहे। IT स्टॉक्स का प्रदर्शन कमजोर रहा।'

AI Image

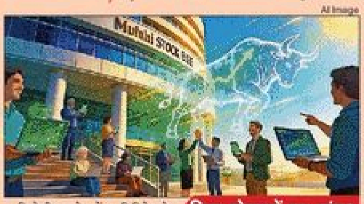

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'प्राइवेट कैपेक्स में रिकवरी, कम महंगाई, संभावित रेट कट, अर्निंग साइकल में सुधार और ग्लोबल रिस्क घटने के चलते दिसंबर 2026 तक निफ्टी 29150 तक जा सकता है। यह करीब 12% की बढ़त होगी। सब कुछ अच्छा रहा तो यह 31130 भी छू सकता है।' वहीं, चक्री लोकप्रिय ने कहा, '2026 के लिए निफ्टी का हमारा टारगेट 28000-29000 का है।'

चॉइस ब्रोकिंग के VP (टेक्निकल रिसर्च एंड एनालिसिस) कुणाल वी परार ने कहा, 'निफ्टी के चढ़ने का ट्रेंड बने रहने की उम्मीद है। टेक्निकल लिहाज से मीडियम टर्म में निफ्टी 27275-28075 जोन में जा सकता है। नीचे की ओर 25400 पर अहम और मजबूत सपोर्ट है, जहां लॉन्ग टर्म इनवेस्टर्स को खरीदारी के वैल्यू बेस्ड मौके मिल सकते हैं।'

### किन सेक्टरों पर दांव?

नायर ने कहा, 'दमदार डोमेस्टिक डिमांड, पॉलिसी सपोर्ट और मार्जिन रिकवरी के चलते बैंकिंग, NBFC, कंस्यूमर डिस्क्रिशनरी, FMCG, इंफ्रा और हेल्थकेयर में लार्ज कैप्स के बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। ग्रोथ के अवसरों के लिए मिड-कैप्स पर दांव लगाया जा सकता है।'

चक्री ने कहा, 'मैक्रो एनवायरमेंट में सुधार और इंडिया-यूएस टैरिफ डील की उम्मीद को देखते हुए साल 2026 बेहतर रहेगा। मेटल्स, एनर्जी, कंजम्पशन और IT का प्रदर्शन भी अच्छा रहने की संभावना है।'

कुणाल वी परार ने कहा, 'ग्लोबल IT खर्च बढ़ने और मार्जिन सुधरने से लार्ज कैप IT स्टॉक्स बेहतर प्रदर्शन करेंगे। दमदार डोमेस्टिक डिमांड, रूरल कंजम्पशन में रिकवरी, EV का चलन बढ़ने और इनपुट कॉस्ट स्टेबल रहने से ऑटो स्टॉक्स का प्रदर्शन अच्छा होगा। स्वदेशी पर सरकार के फोकस और रक्षा पर ज्यादा खर्च के चलते डिफेंस सेक्टर का आकर्षण बढ़ेगा।'

### निफ्टी का प्रदर्शन

| साल | सेंसेक्स | निफ्टी |
|---|---|---|
| 2021 | 22% | 24.1% |
| 2022 | 4.4% | 4.3% |
| 2023 | 18.7% | 20% |
| 2024 | 8.2% | 8.8% |
| 2025 | 7.9% | 9.3% |

### क्या खरीदें?

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के नायर ने कहा, 'ICICI बैंक, फेडरल बैंक, मारुति, M&M, HUL, एवेन्यू सुपरमार्ट, अपोलो हॉस्पिटल्स, L&T, केनफिन होम्स, क्रॉम्पटन ग्रीव्ज और वा टेक वबाग हमारे टॉप पिक्स हैं। AI से जुड़ी डील एक्टिविटी बढ़ने पर चुनिंदा IT स्टॉक्स में बढ़त दिख सकती है।' कुणाल वी परार ने कहा, 'TCS, HCL टेक्नॉलजीज, LTI माइंडट्री, टाटा मोटर्स, M&M, TVS मोटर, हीरो मोटोकॉर्प, HAL, BEL और BDL साल 2026 के लिए हमारे टॉप पिक्स हैं।'

# दिल्ली में चांदी 2.4 लाख के पार, गिरा शेयर बाज़ार

AI Image

पीटीआई, नई दिल्ली: दिल्ली के जूलर्स बाजार में चांदी की कीमतों ने सोमवार को लगातार पांचवें दिन नया रेकॉर्ड बनाया। ऑल इंडिया जूलर्स असोसिएशन के मुताबिक, व्यापारियों की भारी खरीदारी की वजह से चांदी की कीमत 3,650 रुपये की उछाल के साथ 2,40,000 रुपये (2.4 लाख) प्रति किलो पर पहुंच गई। शुक्रवार को चांदी 2,36,350 रुपये पर बंद हुई थी। वहीं, दूसरी ओर सोने की कीमतों में थोड़ी गिरावट देखी गई। 99.9% शुद्धता वाला सोना 500 रुपये गिरकर 1,41,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। वहीं, वायदा बाजार में चांदी की कीमतें 7,124 रुपये (2.97%) गिरकर 2.32 लाख रुपये प्रति किलो पर आ गईं। सुबह के कारोबार में चांदी ने 2,54,174 रुपये प्रति किलो का अब तक का सबसे ऊंचा स्तर छुआ था। सोने की कीमत 1,497 रुपये (1.07%) गिरकर 1,38,376 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई।

वहीं, शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला सोमवार को जारी रहा। सेंसेक्स 346 अंक टूटकर 84,695.54 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 100 अंक गिरकर 26,000 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 25,942.10 पर बंद हुआ। आईटी (IT), पावर और तेल-गैस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाया। अदाणी पोर्ट्स को 2.22% नुकसान हुआ।

# ह्यूंदै-ICC डील में दिखी भारत की सॉफ्ट पावर

Khalid.Amin@timesofindia.com

नई दिल्ली : ऑटो कंपनियों और स्पोर्ट्स का रिश्ता नया नहीं है, लेकिन बीते कुछ सालों में इसका फोकस साफ तौर पर बदला है। एक समय था जब भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स स्पॉन्सरशिप में सिर्फ बड़ी ऑडियंस वाला बाजार माना जाता था। अब यही बाजार कंपनियों की कॉरपोरेट और ब्रैंड स्ट्रैटेजी की दिशा तय कर रहा है। टाटा ग्रुप का IPL से लंबा जुड़ाव, किआ का फुटबॉल पर फोकस और जापानी ऑटो कंपनियों का ओलिंपिक से पुराना रिश्ता। इन सभी में भारत की भूमिका अब सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बनती दिख रही है।

इस बदलाव की सबसे साफ तस्वीर क्रिकेट में नजर आती है। इंडस्ट्री अनुमानों के मुताबिक, ICC इवेंट्स से होने वाली कुल ब्रॉडकास्ट और स्पॉन्सरशिप कमाई का 70% से ज्यादा हिस्सा भारत और भारतीय दर्शकों से आता है। यही वजह है कि क्रिकेट अब सिर्फ खेल नहीं, बल्कि भारत की सॉफ्ट पावर का मजबूत आर्थिक जरिया बन चुका है।

ICC सीईओ संजोग गुप्ता, ह्यूंदै के एमडी-सीईओ तरुण गर्ग और ICC चेयरमैन जय शाह

इसी बैकग्राउंड में ह्यूंदै मोटर कंपनी और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) के बीच हुई हालिया ग्लोबल पार्टनरशिप को देखा जा रहा है। 2026 से 2027 के बीच पुरुष और महिला वर्ग के छह बड़े ICC टूर्नामेंट्स के लिए प्रीमियर पार्टनर बनना, उस बदलाव की ओर इशारा करता है, जिसमें भारत अब मल्टीनेशनल कंपनियों की ग्लोबल ब्रैंड सोच का अहम केंद्र बनता जा रहा है।

दिलचस्प यह है कि ह्यूंदै के सबसे बड़े बाजारों में अमेरिका और दक्षिण कोरिया शामिल हैं, जहां क्रिकेट की मौजूदगी सीमित है। इसके बावजूद ICC जैसे क्रिकेट-केंद्रित प्लैटफॉर्म पर निवेश यह दिखाता है कि ह्यूंदै जैसी ग्लोबल कंपनियों के लिए भारतीय बाजार का महत्व कितना बढ़ चुका है।

ICC चेयरमैन जय शाह के मुताबिक, बड़े टूर्नामेंट्स के दौरान स्टेडियम के साथ-साथ डिजिटल प्लैटफॉर्म्स पर भी फैन एंगेजमेंट बहुत ऊंचे स्तर पर रहता है। यही एंगेजमेंट आज स्पॉन्सरशिप इकॉनमी की सबसे बड़ी ताकत बन चुका है। ऑटो कंपनियां अब केवल लोगो लगाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे दर्शकों के व्यवहार, डेटा और लंबे समय की ब्रैंड पहचान में निवेश कर रही हैं।

ह्यूंदै मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ तरुण गर्ग का कहना है कि यह साझेदारी भारत के प्रति कंपनी की लंबी प्रतिबद्धता और इसके ग्लोबल ऑपरेशंस में भारत की बढ़ती भूमिका को दिखाती है। कंपनी इस जुड़ाव को डिजिटल, एक्सपीरियंस मार्केटिंग और डीलर नेटवर्क के जरिए एक इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन मॉडल के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है।

बिजनेस एनालिस्ट्स मानते हैं कि भारत की सॉफ्ट पावर अब केवल संस्कृति तक सीमित नहीं रही। क्रिकेट, मजबूत डिजिटल ढांचा और युवा उपभोक्ता वर्ग ने मिलकर भारत को ऐसा बाजार बना दिया है, जहां से ग्लोबल स्पोर्ट्स और ब्रैंड इकॉनमी, दोनों की दिशा तय हो रही है। ह्यूंदै-ICC करार इसी बड़े इंडस्ट्री ट्रेंड की एक मिसाल है।

# गलत मार्केटिंग और मिस-सेलिंग पर RBI सख्त

NBT रिपोर्ट, मुंबई : रिजर्व बैंक ने बैंकों और फाइनैंस कंपनियों की मनमानी पर नकेल कसने की तैयारी कर ली है। अब ग्राहकों को गुमराह करके कोई भी स्कीम बेचना आसान नहीं होगा। इसके लिए आरबीआई विज्ञापन से लेकर बिक्री तक के लिए नए नियम जारी करेगा। सोमवार को जारी अपनी सालाना रिपोर्ट में आरबीआई ने कहा कि अगर कंपनियां ग्राहकों को गुमराह करके कोई सामान बेचती हैं, तो इसका बुरा असर न सिर्फ ग्राहकों पर, बल्कि पूरे आर्थिक सिस्टम पर पड़ता है। रिकवरी एजेंट की मनमानी और उनके बर्ताव को लेकर भी आरबीआई पुराने नियमों को बदलने की तैयारी में है। डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने के लिए आरबीआई गृह मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है।

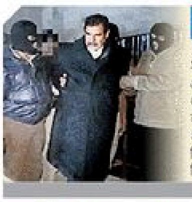

## NBT AI टाइम मशीन
### आज ही दी गई थी सद्दाम हुसैन को फांसी

आज ही 2006 में इराक के पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को फांसी दी गई थी। उन्हें 1982 के दुजैल नरसंहार में दोषी पाया गया था। यह इतिहास की सबसे चर्चित फांसियों में से है। राजनीतिक अहमियत, अमेरिका और अन्य देशों की भूमिका, फांसी का समय और तरीका, और ट्रायल की निष्पक्षता पर सवाल इसकी वजहें हैं। मानवाधिकार संगठनों ने विरोध किया। कुछ इसे न्याय मानते हैं, तो कुछ बदले की कार्रवाई कहते हैं।

NBT
Front Page-2
नवभारत टाइम्स। नई दिल्ली | मंगलवार, 30 दिसंबर 2025

### सजा नहीं सुधार की होगी अहमियत

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में मौत की सजा धीरे-धीरे खत्म होती जाएगी। मानवाधिकार सोच कहती है कि जीवन सबसे बड़ा अधिकार है। आधुनिक तकनीक जैसे DNA टेस्ट और AI से गलत सजा का खतरा कम होगा। इसलिए लोग फांसी की जगह सुधार और उम्रकैद को बेहतर मानेंगे। कई देश पहले ही मौत की सजा हटा चुके हैं। अगर कहीं यह रही भी, तो बहुत ही कम मामलों में ही इसे चुना जाएगा। 100 साल बाद फांसी शायद इतिहास बन जाएगी।

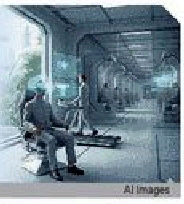

AI Images

## SPEED News

### चिनाब नदी पर भारत की जलविद्युत

परियोजना पर पाकिस्तानी सांसद शेरी रहमान ने कहा कि पानी को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना संबंधो मे तनाव और बढ़ाएगा।

### तेलंगाना की दो महिलाओ की US

मे एक सड़क दुर्घटना मे मौत हो गई। कैलिफॉर्निया के बिशप शहर मे एक कार दुर्घटना मे मेघना रानी और के. भावना की मौत हो गई।

### चीन ने ताइवान के अलगाववादी बलों

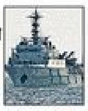

के खिलाफ कार्रवाई के रूप मे जलडमरूमध्य के मध्य क्षेत्रो मे सैन्य अभ्यास शुरू किया। चीन ताइवान पर अपना दावा करता है।

### प्रशांत महासागर को मेक्सिको की खाड़ी से

जोड़ने वाली रेल लाइन पर रविवार को ट्रेन के पटरी से उतर जाने से 13 लोगो की मौत हो गई। 98 घायल है।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

# मंदिरों में उमड़ी भीड़, 5 जनवरी तक वृंदावन न आने की अपील

**वृंदावन में** भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। होटल और गेस्ट हाउस पहले ही फुल हो चुके हैं।

### सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

■ **टीम NBT : 2025 को** गुडबाय कहने और 2026 के स्वागत के लिए बड़ी तादाद में श्रद्धालु देश के कई धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे हैं। वृंदावन में भी भारी भीड़ उमड़ रही है। होटल-गेस्ट हाउस पहले ही फुल हो चुके हैं। ठाकुर श्रीबांके बिहारी मंदिर मैनेजमेंट ने 29 दिसंबर से 5 जनवरी तक श्रद्धालुओं से वृंदावन न आने की अपील की है।

किसी भी पर्व या त्योहार पर या न्यू ईयर के दौरान कान्हा की नगरी वृंदावन में लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने पर व्यवस्थाएं की जाती हैं। ट्रैफिक व्यवस्था के लिए नो एंट्री सिस्टम लागू कर बाहरी गाड़ियों के वृंदावन में आने पर पर बैन लगा दिया जाता है। मगर, हर साल की तुलना में इस बार श्रद्धालुओं की भीड़ अपने ही पिछले रेकॉर्ड तोड़ रही है। 25 दिसंबर से ही श्रद्धालुओं के यहां आने का सिलसिला शुरू हो गया है। बांके बिहारी मंदिर तक पहुंचने के लिए दो-दो किमी तक लाइन लग रही।

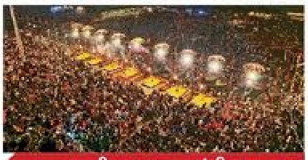

### वाराणसी: 2 Km लंबी लाइन

बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन की ललक से नए साल से पहले ही काशी में भीड़ चरम पर है। धाम के चार गेटों से भक्तों को प्रवेश दिए जाने और स्पर्श दर्शन पर रोक के बावजूद 2 किलोमीटर लंबी कतारें लगी तो खत्म नहीं हुईं। सोमवार की शाम तक तीन लाख से ज्याद श्रद्धालु दरबार में हाजिरी लगा चुके थे।

### अयोध्या पहुंच रहे 70-80 हजार भक्त

सोमवार को राम मंदिर में दर्शन के लिए भारी भीड़ उमड़ी। रोजाना 70-80 हजार के करीब श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी है। मंदिर में सुगम और वीवीआईपी दर्शन पास के सभी स्लॉट पहली जनवरी तक के बुक हैं। इन लाइन पास की बुकिंग 12 जनवरी तक फुल हो चुकी है।

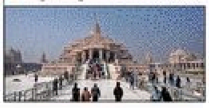

देहरादून में जान गंवाने वाले एंजेल की रिपोर्ट में सिर-पीठ में गंभीर में चोट की बात

# पिता का छलका दर्द, 'मामूली बात कह पुलिस ने नहीं की FIR'

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

**देहरादून में** त्रिपुरा के स्टूडेंट एंजेल चकमा की मौत पर उनके पिता तरुण प्रसाद चकमा ने कई सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि देहरादून के अस्पताल का स्टाफ लापरवाही में शामिल हो। ऑपरेशन के समय स्टाफ ने कहा था कि सर्जरी सफल रही, लेकिन बाद में इलाज ठीक से नहीं किया गया।

एंजेल के पिता ने कहा, 'पूर्वोत्तर से बच्चे पढ़ाई या काम के लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु जैसे शहरों में जाते हैं। उनके साथ इस तरह का व्यवहार नहीं होना चाहिए। हम भी सभी भारतीय हैं। मैं नहीं चाहता कि जो मेरे बच्चे के साथ हुआ वह किसी और के साथ हो। मुझे रात में छोटे बेटे का फोन आया, जिसमें उसने हमले की जानकारी दी। मैं तुरंत छुट्टी लेकर देहरादून पहुंचा। उसकी पीठ में दो बार चाकू मारा गया था, जिससे उसका बायां हाथ और पैर काम नहीं कर रहे थे। उसके सिर से बहुत खून बह रहा था।' उन्होंने कहा कि बेटे FIR कराना चाहता था, लेकिन यह कहकर मना कर दिया गया कि मामला छोटा है। जब वह खुद पहुंचे, तब FIR दर्ज की गई।

एंजेल की मेडिकल रिपोर्ट में सिर, पीठ, रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क में गंभीर चोटें लगने की पुष्टि हुई है। शरीर के दाहिने हिस्से में लकवा भी मार गया था। घटना से जुड़े तीन CCTV भी फुटेज सामने आए हैं। फुटेज में कुछ युवक वहां पहुंचते दिख रहे हैं और दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो जाती है। इसमें मारपीट का दृश्य कैद है। मौके पर भीड़ थी, लेकिन बीच-बचाव नहीं किया गया।

**एंजेल चकमा के लिए** इंसाफ की मांग के लिए त्रिपुरा में रविवार शाम लोगों ने एक कैंडल मार्च निकाला।

### उठाए सवाल

देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयानक अपराध है। नफरत रातोंरात पैदा नहीं होती। *-राहुल गांधी, विपक्ष के नेता, लोकसभा*

नस्लवाद एक बहुत बड़ी बीमारी है और हमारे देश में इसके लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। ऐसी कोई भी घटना बहुत ही शर्मनाक है। *-किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री*

### 'माउंट एवरेस्ट फतह करना चाहते थे एंजेल'

एंजेल के करीबी दोस्त अंकुर अग्रवाल ने उनके आखिरी दिनों, गंभीर चोटों, अंतिम बातचीत और अधूरे सपनों को याद करते हुए दर्दनाक बातें बताईं। एंजेल को सिर में असहनीय दर्द था। उसे ट्रैकिंग का बेहद शौक था और वह एवरेस्ट फतह करने का सपना देखता था। ट्रैकिंग के जूते ऑर्डर किए थे। साथ ट्रैकिंग पर जाने की बात कही थी।

### स्टूडेंट्स ने कहा, पूरे देश की है लड़ाई

Katyayani.Upreti
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** देहरादून में त्रिपुरा निवासी स्टूडेंट की हत्या के बाद नॉर्थ-ईस्ट इंडिया के लोग नाराज, उदास और हताश हैं। देशभर में कई नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट्स असोसिएशन खड़े हुए हैं।

नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट्स सोसायटी दिल्ली यूनिवर्सिटी ने इस मामले को लेकर तमाम स्टूडेंट्स से एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील की है। नॉर्थ-ईस्ट स्टूडेंट्स फोरम, जेएनयू की ओर से भी कहा गया है कि यह मामला अलग नहीं, लंबे समय से चल रही नस्लीय हिंसा का हिस्सा है। फोरम के कन्वीनर जॉर्ज चकमा ने कहा है कि नीडो तानिया से लेकर एंजेल चकमा, अब इस लिस्ट में और नाम नहीं जुड़ने चाहिए। मणिपुर की स्टूडेंट रिकेन कहती हैं, नॉर्थ-ईस्ट के लोगों को क्यों भारत का नहीं समझा रहा? कैसे कोई उनसे आईडी कार्ड दिखाने को कह सकता है जैसे कि एंजेल को कहा गया। ये दिखाता है कि मानसिकता क्या है? डीयू के नॉर्थ कैंपस की स्टूडेंट जेनी कहती हैं, नॉर्थ-ईस्ट के लोगों को टारगेट करना एक बीमारी है, एक वायरस की तरह वो उनके दिमाग को खत्म कर रही है।

जेएनयू स्टूडेंट लाइमा कहती है, मेरी पीठ पीछे भी दो बार कुछ लोगों ने मुझे 'चिंकी' बोला। एक ने 'नेपाली' भी बोला है। ये मजे लेने का उनका टाइमपास है। हमें टारगेट करना, यही दिखाता है कि वे कितने पीछे जी रहे हैं।

# दुश्मन पर नज़र रखने, अटैक की क्षमता बढ़ाने की है तैयारी

### 79 हज़ार करोड़ के खरीदे जाएंगे हथियार

पिनाका सिस्टम के लिए ज्यादा रेंज वाले रॉकेट की खरीद को मंजूरी।

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** लंबी दूरी से ही दुश्मन पर नजर रखने से लेकर अटैक की क्षमता बढ़ाने की तैयारी है। रक्षा अधिग्रहण समिति (DAC) ने आर्मी, नेवी, एयरफोर्स के लिए कई उपकरण और हथियारों की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी। इन प्रस्तावों की कुल लागत करीब 79 हजार करोड़ रुपये है।

#### आर्मी के लिए क्या किया मंजूर

**लॉइटर म्युनिशन और सिस्टम:** DAC ने इंडियन आर्मी के लिए लॉइटर म्युनिशन और सिस्टम की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी है। हाई वेल्यू टारगेट पर सटीक हमला करने के लिए लॉइटर म्युनिशन अहम है। जैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को सटीक निशाना बनाया गया था और कोलेटरल डैमेज के बिना ही सटीक स्ट्राइक की थी, इसी तरह की स्ट्राइक के लिए लॉइटर म्युनिशन की जरूरत है।

**पिनाका के लिए लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट:** पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम के लिए ज्यादा रेंज वाले गाइडेड रॉकेट की खरीद की जरूरत को भी मंजूरी दी गई है। अभी इसकी क्षमता 75 किलोमीटर तक है। लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट मिलेंगे, जिससे मारक क्षमता 120 किलोमीटर तक हो जाएगी।

**इंटिग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम (IDDIS) मार्क-II :** आर्मी के पास अभी IDDIS मार्क-1 है। अब मार्क-2 की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी गई है। ये काउंटर ड्रोन क्षमता को मजबूत करेगा। इसमें हाई पावर लेजर वेपन सिस्टम होता है। दुश्मन के जैमर इसे जाम नहीं कर पाएंगे और ये हर तरह के ड्रोन की पहचान कर बता सकेगा कि ये दोस्त है या दुश्मन।

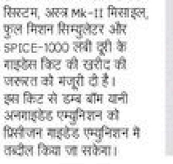

**लो लेवल हल्के रेडार:** आर्मी के लिए लो-लेवल हल्के रेडार की खरीद की जरूरत को भी मंजूरी मिली। यूएवी और ड्रोन को डिटेक्ट करने के लिए खास तौर पर बने हैं।

#### नेवी होगी और मज़बूत

नेवी के लिए बोलार्ड पुल (BP) टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो मैनपैक और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज (HALE) रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (RPAS) को लीज पर लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज वाले RPAS से हिंद महासागर क्षेत्र में लगातार खुफिया जानकारी और समुद्री क्षेत्र की प्रभावी निगरानी मजबूत होगी।

#### एयरफोर्स को ये मिलेगा

एयरफोर्स के लिए ऑटोमैटिक टेक-ऑफ और लैंडिंग रिकॉर्डिंग सिस्टम, अस्त्र Mk-II मिसाइल, फुल मिशन सिम्युलेटर और SPICE-1000 लंबी दूरी के गाइडेंस किट की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी है। इस किट से डम्ब बॉम यानी अनगाइडेड एम्युनिशन को प्रिसिजन गाइडेड एम्युनिशन में तब्दील किया जा सकेगा।

### अब फोटो छपवाने का मौका भी

## खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. अरावली पर्वतमाला इनमें से किस राज्य से होकर नहीं गुजरती?
A. राजस्थान B. गुजरात C. बिहार

2. INSV कौडिन्य ने किस देश की यात्रा शुरू की?
A. ओमान B. कुवैत C. फ्रांस

3. रक्षा अधिग्रहण समिति ने तीनों सेनाओं के लिए कितने के हथियारों की खरीद को मंजूरी दी है?
A. 79 हजार करोड़ B. 59 लाख करोड़ C. 77 हजार करोड़

4. नवंबर में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन-IIP दो साल में सबसे ज्यादा है, यह कितना है?
A. 5% B. 6.7% C. 6.4%

5. क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम प्रोफेशनल फुटबॉल में अब तक कितने गोल दर्ज हैं?
A. 870 B. 1000 C. 956

**कल के जवाब**

A1 C. बालेन शाह A2 B. INS कारवार A3 B. स्मृति मंधाना A4 A. चीन A5 C. मनोज अग्रवाल

**लकी विनर्स**

1. विकास मलिक, नई दिल्ली
2. शीतल रोजवाल, नई दिल्ली
3. गौरव मिश्रा, नोएडा

**ऐसे भेजें अपने जवाब**

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

### कौडिन्य की पहली समुद्री यात्रा शुरू

PTI

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** इंडियन नेवी के पारंपरिक स्टिच्ड शिप (सिला हुआ जहाज) INSV कौडिन्य ने गुजरात के पोरबंदर से ओमान के मस्कट के लिए पहली विदेश यात्रा शुरू की। इसका मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से समझने, जीवित रखने और उसे दुनिया को दिखाना है। जहाज को औपचारिक रूप से नेवी के वेस्टर्न नेवल कमांड वाइस एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

### पूतिन के घर हमले का रूस का दावा

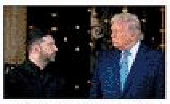

फ्लोरिडा में मिले जेलेंस्की-ट्रंप।

■ **पीटीआई, मॉस्को:** रूस ने सोमवार को दावा किया कि यूक्रेन के 91 लंबी दूरी के ड्रोन ने मॉस्को के उत्तर में स्थित नोवगोरोद क्षेत्र में राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के घर पर हमला करने की कोशिश की। टेलीविजन पर दिए गए बयान में विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात हुए ड्रोन हमले से किसी को नुकसान नहीं हुआ। सभी ड्रोन मार गिराए गए।

# पाकिस्तान के बयान पर भारत ने किया पलटवार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**भारत सरकार** ने पाकिस्तान की ओर से दिए गए उस बयान पर पलटवार कर जवाब दिया है, जिसमें भारत सरकार पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया गया है।

> **विदेश मंत्रालय ने कहा, पाक का रेकॉर्ड खुद खराब**

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर कहा कि हम ऐसे देश की ओर से ऐसी टिप्पणी को खारिज करते हैं, जिसका इस संबंध में खुद का बेहद खराब रेकॉर्ड है। जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के भीतर विभिन्न धर्मों के अल्पसंख्यकों पर संस्थानिक तौर पर सुनियोजित, भयावह शोषण और उत्पीड़न एक प्रमाणित तथ्य है। ऐसे में दूसरों पर कितनी भी उंगली उठा ली जाए, लेकिन इस सच को छुपाया नहीं जा सकता।

इससे पहले पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने सोमवार को भारत के खिलाफ जहर उगलने वाला एक बयान जारी किया था। पाकिस्तान की ओर से जारी इस प्रेस नोट में भारत में मुसलमानों के खिलाफ राज्य प्रायोजित हिंसा का आरोप लगाया गया था। इसमें आरोप लगाया कि क्रिसमस के दौरान भी हुड़दंग की घटनाएं देखने को मिली थीं।

**उम्मीद का साल** साल के आखिर तक कई ऐसे सवाल और घटनाक्रम ऐसे रहे जिनका जवाब भारत को पूरी तरह नहीं मिल पाया।

# नए साल में कूटनीतिक मोर्चे पर 5 चुनौतियां

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** 2025 कूटनीतिक मोर्चे पर भारत के लिए पिछले कई वर्षों में सबसे चुनौतीपूर्ण रहा। साल के आखिर तक कई सवाल और घटनाक्रम ऐसे रहे जिनका जवाब नहीं मिल पाया।

**1 ब्रिक्स का साल, बड़ा संदेश:** 2026 में भारत में BRICS देशों का सम्मेलन है। भारत में अब तक हुए तमाम कूटनीतिक इवेंट में यह एक सबसे बड़े आयोजन में एक होगा। भारत सरकार इसे G20 की तर्ज पर ही भव्य और व्यापक बनाने की कोशिश में है जिसके ग्लोबल समुदाय को एक संदेश दे सके।

FILE

**2 पड़ोसियों के साथ रिश्ते को बेहतर करने की चुनौती:** बांग्लादेश और नेपाल, आने वाले साल की शुरुआत में इन दोनों ही पड़ोसी देशों के चुनाव भारत के लिए भी खासे अहम हैं। भारत चाहेगा कि पड़ोस में सत्ता हस्तांतरण शांतिपूर्ण हो। इसके अलावा दूसरे पड़ोसी देशों के साथ संबंध भी अगले साल भारत के लिए अहम होगा।

#### नैरेटिव वॉर की चुनौती

**3** बदले ग्लोबल ऑर्डर में नैरेटिव वॉर की अहमियत को भारत ने समझा। कूटनीतिक मोर्चे पर यह नई चुनौती सामने आई है। 2026 में भारत की चुनौती होगी कि इस नई चुनौती का सामना करे और नैरेटिव वॉर में भी बढ़त ले। जानकारों के अनुसार अब यह आधुनिक कूटनीति का अहम हिस्सा बन गया है।

**4 ग्लोबल संतुलन का साल:** पश्चिम एशिया हो या फिर यूक्रेन युद्ध, भारत ने मौजूदा साल में भी लगातार डिप्लोमेसी और डायलॉग के साथ संघर्ष के समाधान की बात की है। भारत ने मौजूदा साल में पूतिन की भारत यात्रा के दौरान रूस के साथ ऐतिहासिक रिश्तों को दोहराया है तो ईयू और यूरोप के देशों के साथ आर्थिक और व्यापारिक रिश्तों में नया आयाम तलाशने की कोशिशें की हैं।

**5 भारत-अमेरिका संबंध क्या पटरी पर लौटेंगे?:** मौजूदा साल में भारत-यूएस संबंधों ने शायद अपने इतिहास का सबसे अनिश्चित दौर और बुरा दौर देखा। आने वाले साल में भारत को ट्रेड डील की माथापच्ची और राष्ट्रपति ट्रंप के अनिश्चित बयानों के लिए तैयार रहना होगा। क्वॉड सम्मेलन भी टलता गया। वीजा के मसले पर मुश्किलें हैं।

MARUTI SUZUKI ARENA
VICTORIS
VICTORIS
VICTORIS
GOT IT ALL
SCAN AND CONNECT TO
A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT
WWW.MARUTISUZUKI.COM
CONTACT US AT 1800-102-1800
Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Features may vary by model/conditions.
VICTORIS

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 12-30-2025 00:13 Color:

नई दिल्ली > मंगलवार, 30 दिसंबर 2025 > पौष 9, शक संवत 1947, पौष शुक्ल दशमी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 79, संख्या 310 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

*वार्षिक खरीद पर ही लागू

# NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

‘फिल्में ऐसी करनी हैं कि लोग कहें, हुमा ये कर रही है’ p13

विजय हजारे ट्रॉफी में जुरेल का तूफानी शतक p12

ट्रंप-ज़ेलेस्की फ्लॉरिडा में मिले, कहा- 'पीस डील' 95% तैयार पेज 14

पुणे नगर पालिका चुनाव के लिए अजीत और शरद पवार में गठबंधन पेज 8

पूरे भारत में सभी बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करेंगे : शाह पेज 8

## 2026 नई उम्मीद

आज जानिए 2025 में दिल्ली को मिले उन शानदार तोहफों के बारे में जिन्होंने शहर की लाइफस्टाइल बदल दी। पटरियों पर दौड़ती हाई-स्पीड 'नमो भारत' से लेकर आसमान की सैर कराते 'हॉट एयर बलून' तक, और 5 रुपये वाली 'अटल कैंटीन' की थाली से लेकर आयुष्मान भारत की सुरक्षा तक।

देखें पेज 7

# इंसाफ के लिए रोके फैसले, अब सुप्रीम कोर्ट तलाश रहा सवालों के जवाब

# उन्नाव रेप में दोषी सेंगर रहेगा कैद, बेल पर ब्रेक

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व BJP विधायक कुलदीप सेंगर की जमानत पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। कोर्ट ने साफ कहा कि सेंगर को हाई कोर्ट के 23 दिसंबर 2025 के आदेश के आधार पर जेल से रिहा नहीं किया जाएगा। कई अहम कानूनी सवाल उठे हैं जिन पर विचार आवश्यक है।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने CBI की अर्जी पर सेंगर को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। कहा, आमतौर पर जब कोई दोषी या विचाराधीन कैदी रिहा होता है, तो उसे सुने बिना ऐसे आदेशों पर रोक नहीं लगाते। यह केस अलग है, क्योंकि सेंगर पर एक अन्य मामले में भी दोषसिद्ध है और जेल में है।

**CBI ने दी है चुनौती, अब 4 हफ्ते बाद सुनवाई होगी**

सेंगर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे और एन. हरिहरन ने हाई कोर्ट के आदेश को सही ठहराया और कहा कि POCSO की धारा 2(2) का हवाला नहीं दिया गया है और IPC में लोक सेवक की जो परिभाषा है, उसी के आधार पर सजा दी गई थी। CBI की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में दलील दी कि घटना के समय लड़की 15 साल 10 महीने की थी। ऐसे में यह पेनेट्रेटिव सेक्सुअल ऐक्ट अपने आप में एक स्वतंत्र अपराध है। POCSO ऐक्ट की धारा 42A स्पष्ट करती है कि अगर किसी अन्य कानून से टकराव हो तो POCSO को प्राथमिकता मिलेगी, लेकिन हाई कोर्ट ने इस पहलू पर विचार नहीं किया। पेज 8

File

सेंगर को हाई कोर्ट से मिली थी ज़मानत

> इस मामले में फैसला देने वाले हाई कोर्ट के जस्टिस अत्यंत योग्य हैं, लेकिन गलती किसी से भी हो सकती है, इसलिए मामले में कानूनी प्रश्नों पर दोबारा विचार जरूरी है। -चीफ जस्टिस

- कोर्ट बोला- पीड़िता को अलग से विशेष अनुमति याचिका दायर करने का वैधानिक अधिकार है कोर्ट से अनुमति लेना जरूरी नहीं।
- सजा सस्पेंड करने वाले HC के जजों के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं, इसपर SC ने कहा, कुछ लोग सियासी लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

### लड़ती रहूंगी, फांसी दिलाऊंगी: सर्वाइवर

सुप्रीम कोर्ट के स्टे ऑर्डर पर रेप सर्वाइवर ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मुझे सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। मैं इस लड़ाई को लगातार लड़ती रहूंगी और उसे फांसी दिलाकर रहूंगी। तभी परिवार को सच्चा न्याय मिलेगा। उन सभी की आभारी हूं जो मेरे साथ खड़े रहे और न्याय दिलाने में मदद की। मेरे पिता की आत्मा को तभी शांति मिलेगी, जब सेंगर को फांसी होगी।' उनकी मां ने कहा, 'हम सुप्रीम कोर्ट का शुक्रिया अदा करते हैं। जिन लोगों ने मेरे पति का मर्डर किया, उन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए।'

### कॉन्स्टेबल तो लोक सेवक है, मगर विधायक क्यों नहीं, SC सुनेगा मुद्दा

सबसे अहम बहस "लोक सेवक" की परिभाषा पर हुई। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति पीड़ित पर प्रभुत्वशाली स्थिति में है, तो अपराध "गंभीर" माना जाएगा। मान लें अगर ड्यूटी पर तैनात कॉन्स्टेबल या सेना अधिकारी ऐसा कृत्य करे, तो वह गंभीर अपराध होगा। CJI ने सांसदों और विधायकों को लोक सेवक की परिभाषा से बाहर रखने पर चिंता जताई। कहा, अगर इस व्याख्या को स्वीकार कर लें, तो एक कॉन्स्टेबल या पटवारी लोक सेवक होगा, लेकिन विधायक या सांसद नहीं, और उसे छूट मिल जाएगी। अब इस मामले में आगे की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में होगी, जहां तय होगा कि POCSO के तहत 'लोक सेवक' की परिभाषा क्या होगी और सजा सस्पेंड के मानदंड क्या होने चाहिए।

**POCSO के तहत 'लोक सेवक' की परिभाषा क्या होगी?**

# अरावली पर अपने ही फैसले को रोका

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: अरावली रेंज की 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली पहाड़ न मानने के अपने ही आदेश पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया था। जिसको लेकर पर्यावरणविदों और आम लोगों ने चिंता जताते हुए सवाल उठाए थे। मामले में खुद संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने कहा कि किसी भी कार्यान्वयन से पहले एक निष्पक्ष, स्वतंत्र और विशेषज्ञ राय पर विचार किया जाना आवश्यक है, ताकि स्पष्ट और निर्णायक मार्गदर्शन मिल सके।

**कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा**

चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने इस मुद्दे की व्यापक जांच के लिए एक्सपर्ट्स की एक हाई लेवल कमिटी बनाने का प्रस्ताव रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट और कोर्ट की टिप्पणियों की गलत व्याख्या की जा रही है। रिपोर्ट या कोर्ट के निर्देशों को लागू करने से पहले और अधिक स्पष्टता की जरूरत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जांचना जरूरी है कि अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा से कहीं कोई संरचनात्मक विरोधाभास तो पैदा नहीं हो गया है? और क्या इससे उलटे रूप में गैर अरावली क्षेत्रों का दायरा बढ़ गया है, जिससे अनियंत्रित खनन को बढ़ावा मिल सकता है? कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांग है। अगली सुनवाई को 21 जनवरी को होगी।

Anindya Chattopadhyay

### 100 मीटर से कम ऊंची पहाड़ियों पर पहले दी थी खनन को मंजूरी

> लगता है कि जन-असंतोष और आलोचना कोर्ट से जारी कुछ शब्दों और निर्देशों में अस्पष्टता होने से हुई। इसलिए अभी जांच और स्पष्टता की जरूरत है। -सुप्रीम कोर्ट

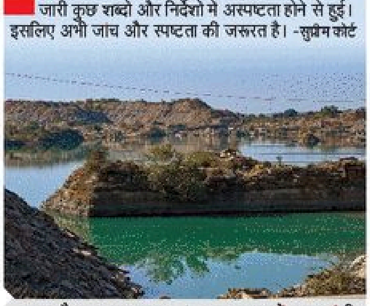

### क्या है पूरा मामला और आशंका?

दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में अरावली पहाड़ियों की अलग परिभाषाएं मुद्दा बना, जिससे नियामकीय खामियां और अवैध खनन के मामले सामने आए। भूजल स्तर बनाए रखने, मरुस्थलीकरण रोकने में अरावली अहम है। आशंका जताई गई थी कि परिभाषा को कमजोर किए जाने से उन क्षेत्रों में खनन और निर्माण गतिविधियों को वैधता मिल सकती है।

### इन सवालों पर मांगी एक्सपर्ट की राय

- क्या पहाड़ियों के बीच 500 मीटर के अंतराल वाले क्षेत्रों में नियंत्रित खनन की अनुमति दी जाएगी?
- क्या 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची पहाड़ियां, भले बीच की दूरी निर्धारित 500 मी. से अधिक हो, पारिस्थितिक संरचना बनाती हैं?
- क्या राजस्थान की 12,081 पहाड़ियों में से सिर्फ 1,048 ही 100 मीटर की ऊंचाई की सीमा को पूरा करती हैं। पेज 11

## फटाफट खबरें

### एंजेल की हत्या नस्लीय नहीं: पुलिस

उत्तराखंड में हुई त्रिपुरा के छात्र एंजेल की हत्या में पुलिस ने कहा कि यह नस्लीय टिप्पणी से जुड़ा मसला नहीं है। एक आरोपी के नेपाल भागने की आशंका जताई गई है। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एंजेल के पिता से सोमवार को कहा कि दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। पेज 14

### 79 हजार करोड़ के रक्षा सौदों को मंजूरी

रक्षा अधिग्रहण समिति (DAC) ने आर्मी, नेवी, एयरफोर्स के लिए कई उपकरण और हथियारों की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी। इन प्रस्तावों की कुल लागत करीब 79 हजार करोड़ रुपये है। सौदों में लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट, हल्के रेडार शामिल हैं। पेज 14

### मारपीट का आरोपी पायलट अरेस्ट

दिल्ली के IGI एयरपोर्ट पर एक यात्री के साथ मारपीट के आरोपी पायलट कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल को एयरपोर्ट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जमानती धारा होने के कारण पूछताछ के बाद पायलट को थाने से ही जमानत दे दी गई।

### दुनिया जानती है पाक की हकीकत: भारत

भारत ने पाकिस्तान के दिए गए उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें भारत सरकार पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का आरोप लगाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि दुनिया जानती है कि अल्पसंख्यकों के शोषण में पाक का क्या रेकॉर्ड है। पेज 14

## हैपी मॉर्निंग

टीचर: पक्षियों की नजर तेज होती है या मनुष्यों की?
टिंकू: पक्षियों की...
टीचर: वो कैसे?
टिंकू: क्योंकि उन्हें मैंने कभी चश्मा लगाए हुए नहीं देखा।

## अर्थसार

| | |
|---|---|
| सेंसेक्स | 84,695.54 (-345.91) |
| निफ्टी | 25,942.10 (-100.20) |
| रुपया/US डॉलर | 89.98 (+0.12) |
| रुपया/यूरो | 105.95 (+0.20) |

## सर्राफा

| | |
|---|---|
| सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम | |
| दिल्ली | ₹1,41,900 (-500) |
| चांदी .999 टंच प्रति किलो | |
| दिल्ली | ₹2,40,000 (+3,650) |

## मौसम

अधिकतम तापमान 20.3°

8.3° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त 5:35 मंगलवार | सूर्योदय 7:14 बुधवार

सुबह कोहरा छा सकता है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा।

**5 जनवरी तक वृंदावन न आने की अपील**

# मथुरा, काशी, अयोध्या में नए साल से पहले भीड़

■ NBT न्यूज, मथुरा/वाराणसी

**नए साल** से पहले देश के बड़े धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मथुरा, काशी (वाराणसी) और अयोध्या जैसे प्रमुख तीर्थ शहरों में होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाएं पूरी तरह भर चुकी हैं। वृंदावन के ठाकुर श्रीबांके बिहारी मंदिर प्रबंधन ने भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं से 29 दिसंबर से 5 जनवरी तक वृंदावन न आने की अपील की है।

वाराणसी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए भी जबरदस्त भीड़ है। मंदिर में 4 गेट से प्रवेश मिल रहा है, इसके बावजूद श्रद्धालुओं की लाइन करीब 2 किलोमीटर तक पहुंच गई है। शहर की संकरी गलियां भी भक्तों से भरी हुई हैं। मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र के अनुसार, रोजाना औसतन 4 लाख से ज्यादा भक्त काशी पहुंच रहे हैं। 15 जनवरी तक शहर के सभी होटल, लॉज फुल हैं। पेज 14

**अयोध्या** में रामलला के दर्शन के लिए रोज 80 हजार लोग पहुंच रहे।

### 12 जनवरी तक अयोध्या में इन-लाइन पास खत्म

अयोध्या में भी रामलला मंदिर में रोजाना 80 हजार से अधिक लोग दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सुगम और VVIP दर्शन पास के सभी स्लॉट 1 जनवरी तक पहले ही भर चुके हैं, जबकि इन-लाइन दर्शन पास की बुकिंग 12 जनवरी तक पूरी हो गई है। एक घंटे में श्रद्धालुओं को दर्शन लाभ मिल रहा है।

### रील बना रहा छात्र रेस्टोरेंट की शेड से गिरा, मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मॉडल टाउन के गुजरांवाला इलाके में रविवार को एक रेस्टोरेंट की प्लास्टिक शेड से गिरकर 16 साल के छात्र कवीन कुमार की मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, हादसे के वक्त वह अपने दोस्तों के साथ रील बना रहा था। नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि रविवार को छात्र के गिरने की सूचना मिली थी। जांच में पता चला कि दुकानों के बीच गैलरी को ढकने के लिए बीच में प्लास्टिक शेड लगाए गए हैं। इसी शेड पर छात्र अपने दोस्तों के साथ चढ़कर रील बना रहा था, लेकिन शेड वजन ज्यादा होने से टूट गई। वहीं, छात्र के पिता पूरे मामले को संदिग्ध बताया। उन्होंने कहा कि मेरा बेटा 100 फुट ऊंचाई से गिरा था। वहां तक वह कैसे पहुंचा, इस बारे में कोई नहीं बता रहा है। उन्होंने धक्का देकर हत्या की आशंका जताई है। पेज 9

कवीन कुमार

# कोहरे ने डाला डेरा, 128 उड़ानें करनी पड़ीं रद्द, 200 में हुई देरी

PTI

**घने कोहरे की** वजह से दिल्ली में सोमवार को कई इलाकों में विजिबिलिटी कम होकर 50 मीटर ही रह गई थी।

- आज सुबह भी घना कोहरा रह सकता है। मौसम विभाग ने 'येलो अलर्ट' जारी किया है।
- दिल्ली एयरपोर्ट पर 128 उड़ानें रद्द की गईं। 8 का रूट बदल दिया गया और लगभग 200 उड़ानों में देरी हुई।
- प्रदूषण का स्तर सोमवार को फिर गंभीर स्तर पर पहुंच गया। कई जगहों पर यह इमरजेंसी स्तर पर भी रहा।

**टाटानगर से चली थी**

### आंध्र प्रदेश में ट्रेन के AC कोच में आग, एक की मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: टाटानगर से एर्नाकुलम जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के दो AC कोच में आग लग गई। आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम से 66 किलोमीटर दूर यलमंचिली के पास यह हादसा हुआ। आग B1 कोच में लगी, फिर M2 कोच में फैल गई। यात्रियों ने इमरजेंसी चेन खींची और बाहर भागे। पुलिस ने बताया कि रात 12:45 पर आग की सूचना मिली थी। दोनों कोच से 143 यात्रियों को बचाया गया। घटना में एक यात्री की मौत हो गई। आग डिब्बे के बिजली पैनल वाले हिस्से से नहीं लगी। यह कपड़ा रखने वाले एरिया से शुरू हुई। मामले की जांच की जा रही है।

## NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर 2025

# NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर चुनें

इस साल देश की प्रगति में पार्टनर बनी ये सबसे प्रमुख हस्तियां NBT टीम ने काफी विचार-विमर्श के बाद चुनी हैं। देश के पैरा एथलीटों के योगदान को देखते हुए ऑप्शन B में हमने शीतल देवी और सुमित अंतिल को रखा है। आपके हिसाब से इनमें से NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर कौन है, वोट करके हमें बताएं।

### कैसे करें वोट

जो NBT प्रगतिशील इंडियन ऑफ द ईयर लगता है, उसका ऑप्शन

**9220747220**

पर वट्सऐप करें। मसलन, अगर आपकी चॉइस हरमनप्रीत है तो मेसेज में A लिखकर भेज दें।

**A** हरमनप्रीत कौर (महिला क्रिकेट टीम की कप्तान)

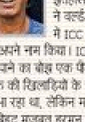

2 नवंबर की रात हरमनप्रीत कौर की अगुआई में भारत की 16 महिलाओं ने इतिहास रचा। टीम ने वर्ल्ड कप के रूप में ICC का पहला खिताब अपने नाम किया। ICC खिताब न जीत पाने का बोझ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक की खिलाड़ियों के कंधों पर चलता आ रहा था, लेकिन मानसिक रूप से बेहद मजबूत हरमन की टीम ने सेमिफाइनल में 7 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास के पन्नों पर अपना नाम सुनहरे अक्षरों में लिखवाया।

**B** देश के पैराएथलीट (शीतल देवी-सुमित अंतिल)

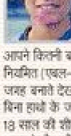

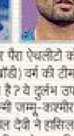

आपने कितनी बार पैरा ऐथलीटों को नियमित (एबल-बॉडी) वर्ग की टीम में जगह बनाते देखा है? ये दुर्लभ उपलब्धि बिना हाथों के जन्मीं जम्मू-कश्मीर की 18 साल की शीतल देवी ने हासिल की। भारत के पैरा जैवलिन थ्रोअर सुमित अंतिल ने वर्ल्ड पैरा ऐथलेटिक्स में चैंपियनशिप रेकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता था।

**C** दिव्या देशमुख (ग्रैंडमास्टर)

चेस में भारत के बढ़ते रुतबे को उस वक्त नई ऊंचाइयां मिलीं, जब 2025 में 19 साल की दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया में आयोजित FIDE विमिंस वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ निडर अंदाज में खेलते हुए दिव्या ने प्रतिष्ठित ग्रैंडमास्टर (GM) खिताब भी हासिल किया और 2026 विमिंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पक्की कर खुद को वर्ल्ड चेस में एक बड़ी ताकत के रूप में स्थापित किया। यह खिताब पाने वाली वह पहली भारतीय महिला हैं।

**D** कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दुनिया के सामने रखने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह इस ऑपरेशन का चेहरा बन गईं। वडोदरा की कर्नल सोफिया आर्मी की सिगनल कोर में हैं। विंग कमांडर व्योमिका सिंह एयरफोर्स में हेलिकॉप्टर पायलट हैं। उन्हें मास्टर ग्रीन रेटिंग मिली है।

**E** शुभांशु शुक्ला (ग्रुप कैप्टन, एयरफोर्स)

एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन (ISS) जाने वाले पहले भारतीय और अंतरिक्ष पर जाने वाले दूसरे भारतीय बने। 1984 में राकेश शर्मा के उड़ान भरने के बाद यह यात्रा हुई। एक्सियॉम-4 मिशन के तहत शुभांशु ने ISS में 7 टेस्ट किए थे। शुभांशु शुक्ला और उनकी टीम ने मिलकर 60 से ज्यादा प्रयोग किए थे, जिनमें मानव स्वास्थ्य, अंतरिक्ष कृषि और अंतरिक्ष सूट के मटीरियल से जुड़े परीक्षण शामिल थे। वह 16 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे थे।

## काम की खबरें

### 'दिल्ली शब्दोत्सव'

सांस्कृतिक और साहित्यिक महोत्सव 2 जनवरी से मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में। पेज 4

### टिकट बुक न कर सकेंगे

29 दिसंबर से बिना आधार लिंक वाले IRCTC यूजर्स सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक टिकट बुक नहीं कर पाएंगे। पेज 11

### लाल किला बंद

गणतंत्र दिवस की वजह से 20 से 31 जनवरी तक लाल किले में लोगों की एंट्री बंद रहेगी।

### स्कूलों में विंटर वैकेशन

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 1 से 15 जनवरी 2026 तक सर्दियों की छुट्टियां होंगी।

# दिल्ली में बनेगा यूनिटी मॉल, मिलेगा हर राज्य का सामान

Brijesh.Singh@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: देशभर के मशहूर उत्पादों, स्वदेशी हस्तशिल्प, हथकरघा से बने सामान अब राजधानी दिल्ली में एक ही जगह पर उपलब्ध होंगे। केंद्र सरकार ने पीएम यूनिटी मॉल योजना के तहत दिल्ली में यूनिटी मॉल की स्थापना के लिए 200 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। यह मॉल एक जिला एक उत्पाद (ODOP) योजना पर आधारित होगा, जिसमें देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खास उत्पाद एक ही छत के नीचे प्रदर्शित किए जाएंगे। मॉल को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जाएगा। इसको लेकर पिछले दिनों सीएम रेखा गुप्ता की केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक बैठक भी हो चुकी है।

दिल्ली सरकार ने यूनिटी मॉल के लिए अब सेंट्रल दिल्ली में एक जगह की तलाश भी शुरू कर दी है। यूनिटी मॉल को दिल्ली हाट की तर्ज पर विकसित करने की योजना है। इसका उद्देश्य देश की स्वदेशी हस्तशिल्प, हथकरघा और GI (भौगोलिक संकेतक) उत्पादों को बढ़ावा देना है। यूनिटी मॉल में उत्तर प्रदेश की बनारसी साड़ियां, तमिलनाडु की कांचीपुरम साड़ियां, पूर्वोत्तर भारत के बांस शिल्प, कश्मीर के हस्तशिल्प, राजस्थान की ब्लू पॉटरी और केरल के मसाले जैसे प्रसिद्ध उत्पादों को प्रदर्शित और बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह परियोजना पर्यटन को प्रोत्साहित करने और स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में अहम भूमिका निभाएगी। केंद्र सरकार की ODOP योजना के तहत अब तक देश के 760 से अधिक जिलों से 1200 से ज्यादा उत्पादों की पहचान की जा चुकी है। इन्हीं उत्पादों के प्रचार, बिक्री और वैश्विक पहचान के लिए मॉल को एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

### एक जिला एक उत्पाद योजना पर होगा आधारित

**36** स्टोर पीएम यूनिटी मॉल में खोले जाएंगे, 30 साल के समझौते के साथ PPP मॉडल पर विकसित किया जाएगा

**1000** -5000 लोगों को रोजगार मिलेगा

### पीएम यूनिटी मॉल का उद्देश्य

- मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देकर ग्लोबल पहचान बनाना
- यूनिटी बढ़ाने के साथ पर्यटन और संस्कृति का केंद्र बनेगा पीएम यूनिटी मॉल
- रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, ग्रामीण कारीगरों और हस्तशिल्प को बढ़ावा मिलेगा
- हस्तशिल्प, हथकरघा और कृषि आधारित उत्पादों का प्रचार के साथ फंडिंग भी मिलेगी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट के तहत खास उत्पादों का प्रचार करना

## AIIMS डायरेक्टर की चेतावनी

# एंटीबायोटिक बिना ज़रूरत खतरनाक

**बड़ा खतरा:** बिना जरूरत एंटीबायोटिक दवाएं लेने से शरीर में दवाओं के प्रति प्रतिरोध पैदा होना और जान को जोखिम।

**फायदा:** वायरल इन्फेक्शन, सर्दी या जुकाम जैसी बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का कोई भी लाभ न होना।

**पूरा कोर्स:** डॉक्टर ने जितने दिनों के लिए दवा लिखी है, उसे बिना भूले और बिना छोड़े पूरा करने की अनिवार्यता।

**सावधानी:** भविष्य के गंभीर मरीजों के लिए 'रिजर्व' (बचाकर रखी गई) दवाओं को सुरक्षित रखने की बड़ी चुनौती।

**वैज्ञानिक तरीका:** एम्स की तरह केवल लैब रिपोर्ट और जांच के आधार पर ही सही एंटीबायोटिक चुनने का सख्त नियम।

## वायरल इन्फेक्शन में एंटीबायोटिक का कोई फायदा नहीं

Rahul.Anand@timesofindia.com

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' प्रोग्राम में एंटीबायोटिक दवाओं के निर्ममतापूर्वक इस्तेमाल पर जोर दिए जाने के बाद एम्स के डायरेक्टर डॉक्टर एम श्रीनिवास ने भी गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि बिना जरूरत एंटीबायोटिक लेना न सिर्फ बेकार है, बल्कि भविष्य में मरीजों की जान के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

डॉक्टर एम श्रीनिवास ने कहा कि वायरल या अपर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन में एंटीबायोटिक का कोई फायदा नहीं होता। ऐसे इंफेक्शन अपने आप ठीक हो जाते हैं। इन हालात में एंटीबायोटिक देने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा होता है। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ एक मरीज तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसका असर पूरे समाज पर पड़ता है। एम्स डायरेक्टर ने बताया कि जब एंटीबायोटिक बिना जरूरत ली जाती है तो दवाओं के प्रति रेसिस्टेंस पैदा हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि जब गंभीर मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, तब वही दवाएं काम नहीं करतीं। आईसीयू और बड़े अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली रिजर्व और हाई एंड एंटीबायोटिक भी धीरे धीरे बेअसर हो जाती हैं। इसके बाद मरीजों के इलाज के लिए विकल्प खत्म होने लगते हैं। उन्होंने कहा कि एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस आज एक बड़ी चुनौती बन चुकी है।

एम्स के डायरेक्टर ने कहा, ऐसे इन्फेक्शन अपने आप ठीक हो जाते हैं

### डॉक्टर तय करेंगे दवा और समय

डॉक्टर एम श्रीनिवास ने कहा कि इन्फेक्शन होने पर डॉक्टर के पास जाना ही सही तरीका है। जांच के बाद डॉक्टर तय करते हैं कि इन्फेक्शन बैक्टीरियल है या नहीं। जरूरत होने पर ही सही एंटीबायोटिक दी जाती है। उन्होंने यह भी साफ किया कि दवा उतने ही दिन ली जाए, जितने दिन के लिए डॉक्टर ने लिखी हो। अपने आप दवा बढ़ाना या बिना सलाह दवा जारी रखना गलत है।

### अंदाजे से नहीं दे सकते एंटीबायोटिक

डायरेक्टर ने बताया कि एम्स में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस से निपटने के लिए सख्त सिस्टम है। यहां एंटीबायोग्राम और माइक्रोबायोलॉजी रिपोर्ट के आधार पर इलाज किया जाता है। उन्होंने कहा कि अंदाजे से एंटीबायोटिक नहीं दी जा सकती। जरूरत नहीं है तो उसका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिजर्व एंटीबायोटिक आखिरी विकल्प होती है और इन्हें तभी यूज किया जाना चाहिए, जब बाकी दवाएं असर न करें। यही तरीका आने वाली पीढ़ियों के लिए असरदार दवाएं बचा सकता है।

### इन्फेक्शन को लेकर डॉक्टर ने दी चेतावनी

## सबसे ज्यादा और खतरनाक इन्फेक्शन ICU में होते हैं

■ नई दिल्ली: एम्स ट्रॉमा सेंटर की माइक्रोबायोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ पूर्वा माथुर ने एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (AMR) और अस्पतालों में फैलने वाले इन्फेक्शन को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सबसे ज्यादा और खतरनाक इन्फेक्शन ICU में होते हैं। ICU एक तरह से इन्फेक्शन का हॉटस्पॉट है। यहां इन्फेक्शन कंट्रोल करना सबसे बड़ी चुनौती है।

डॉ पूर्वा ने बताया कि इन्फेक्शन दो तरह के होते हैं, एक कम्युनिटी में फैलने वाले और दूसरे अस्पतालों से जुड़े। कम्युनिटी इन्फेक्शन में साफ-सफाई और समय पर जांच की अहम भूमिका होती है ताकि सही बीमारी की पहचान हो सके और एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल न हो। वहीं अस्पतालों में होने वाले इन्फेक्शन ज्यादा खतरनाक होते हैं क्योंकि ICU में मरीज गंभीर हालत में होते हैं, वेंटिलेटर पर रहते हैं और उन्हें हाई डोज एंटीबायोटिक दी जाती है।

उन्होंने कहा कि जब तक इन्फेक्शन कंट्रोल नहीं किया जाएगा, तब तक एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस को रोक पाना संभव नहीं है। अमेरिका जैसे देशों ने 30 से 40 साल पहले ही इन्फेक्शन कंट्रोल करने पर काम शुरू कर दिया था, जबकि भारत इसमें पीछे रहा है। हालांकि अब हालात बदल रहे हैं और केंद्र सरकार इस दिशा में नैशनल प्रोग्राम लाने की तैयारी कर रही है।

डॉ पूर्वा माथुर ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने नैशनल ऐक्शन प्लान ऑन एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस जारी किया है। इस योजना के 6 पिलर्स में से तीसरा पिलर इन्फेक्शन कंट्रोल से जुड़ा है। इसके तहत एम्स, नई दिल्ली को सहयोगी इंस्टिट्यूट बनाया गया है। यह देश के लिए इन्फेक्शन कंट्रोल कार्यक्रम तैयार करने में मंत्रालय की मदद करेगा।

**30-40** साल पीछे इन्फेक्शन रोकने में देश, नैशनल प्रोग्राम से मिलेगी सफलता: डॉक्टर पूर्वा

### प्रोजेक्ट साइट पर ही बनानी होगी क्वॉलिटी कंट्रोल लैब

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में भविष्य में जितनी भी योजनाओं का प्लान बनाया जा रहा है, उसमें लगने वाले मटीरियल की क्वॉलिटी और समय-सीमा की मॉनिटरिंग के लिए प्रोजेक्ट साइट पर ही क्वॉलिटी कंट्रोल लैब बनाई जाएगी। यह बदलाव सेंट्रल विजिलेंस कमिशन (सीवीसी) के निर्देशों के बाद किया जा रहा है। टेंडर आमंत्रित करने से पहले प्रोजेक्ट साइट पर ही ट्रैफिक वॉल्यूम और प्रोजेक्ट के लिए उपलब्ध जमीन के बारे में बताना भी अनिवार्य होगा।

**क्वॉलिटी और समय-सीमा की मॉनिटरिंग के लिए पहल**

PWD अधिकारियों के अनुसार कई ऐसे प्रोजेक्ट्स हैं, जो जमीन की कमी और ट्रैफिक संबंधित समस्याओं के चलते कई महीनों तक अटके रहे। नंदनगरी, पंजाबी बाग और आश्रम फ्लाईओवर ऐसी परियोजनाओं के ताजा उदाहरण हैं।

## MCD को मिलेगी 500 करोड़ की अतिरिक्त वित्तीय सहायता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली सरकार के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को वॉर्ड 107 में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था को बेहतर करने के लिए दिल्ली सरकार ने 175 करोड़ रुपये का अनुदान MCD को दिया है। 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान देने की प्रक्रिया भी चल रही है, ताकि आधुनिक मशीनें से दिल्ली में और बेहतर सफाई हो सके। मंत्री ने वॉर्ड में स्थित एक प्राइवेट स्कूल के सामने से ढलाव घर को स्थानांतरित करने का निर्देश भी मौके पर मौजूद MCD अधिकारियों को दिया। सूद ने वॉर्ड 107 में एक प्राइवेट स्कूल और पीएम सोसायटी के आसपास सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दोनों स्थानों पर ढलाव घर है, जहां कूड़े का ढेर है। ढलाव घरों पर रखे कूड़े को ढकने के लिए ब्यू-कटर लगाया जाए।

**आधुनिक मशीनें खरीदने के लिए सरकार देगी मदद**

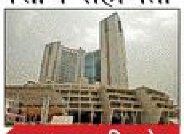

### बजट प्रस्ताव किए पेश

नई दिल्ली: एमसीडी ने फाइनेंशियल ईयर 2025-26 के संशोधित बजट अनुमान और 2026-27 के बजट अनुमानों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी प्रक्रिया के तहत सोमवार को सिटी-सदर पहाड़गंज, केशव, सेंट्रल, केशवपुरम, सिविल लाइंस, रोहिणी, करोल बाग, साउथ, नजफगढ़, शाहदरा नॉर्थ, शाहदरा साउथ जोन और नरेला जोन में बजट प्रस्ताव पेश किया। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि सभी जोन से मिले सुझावों को शामिल करते हुए एक जनहितकारी और व्यावहारिक बजट तैयार किया जाएगा।

## AAP ने टोल प्लाजा पर किया प्रदर्शन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी (AAP) ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच सोमवार को एमसीडी के टोल प्लाजा को बंद करने की मांग को लेकर गाजीपुर टोल प्लाजा पर प्रदर्शन किया। वहीं, मेयर राजा इकबाल सिंह ने AAP द्वारा सुप्रीम कोर्ट के टोल प्लाजा से संबंधित दिशा-निर्देशों को लेकर की जा रही गलत और भ्रामक बयानबाजी निंदा की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी को टोल प्लाजा बंद करने के लिए कोई प्रत्यक्ष निर्देश नहीं दिए थे।

## IIT दिल्ली में 1275 जॉब ऑफर्स, PPO में 33% तक हुआ इजाफा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) दिल्ली में अकैडमिक सेशन 2025-26 के प्लेसमेंट सीजन में स्टूडेंट्स को नौकरी के 1275 ऑफर मिल चुके हैं। आईआईटी दिल्ली में 1 दिसंबर से प्लेसमेंट ड्राइव शुरू हुई थी और प्लेसमेंट के पहले फेज की शुरुआत अच्छी हुई है। इस बार इंस्टिट्यूट को प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) ज्यादा 300 मिले हैं, पिछले सेशन के मुकाबले ऑफर की संख्या 33% बढ़ी है।

आईआईटी दिल्ली में दो फेज में प्लेसमेंट ड्राइव रखी जाती है - पहली 1 दिसंबर से दिसंबर आखिर तक, दूसरा जनवरी पहले हफ्ते से लेकर मई तक। इस प्लेसमेंट सीजन का पहला फेज पूरा हो चुका है और स्टूडेंट्स को कंपनियों ने 1275 नौकरियों की पेशकश की है। अब तक 1140 स्टूडेंट्स की प्लेसमेंट हो चुकी है। कई स्टूडेंट्स को एक से ज्यादा जॉब ऑफर मिले हैं। पिछली प्लेसमेंट ड्राइव 2024-25 के पहले फेज में 1200 ऑफर स्टूडेंट्स को मिले थे।

इसके अलावा, प्री प्लेसमेंट ऑफर की संख्या इस बार 300 है, जो कि पिछले साल से 33% ऊपर है। प्री प्लेसमेंट ऑफर वो हैं, जब स्टूडेंट को इंटर्नशिप के दौरान ही नौकरी पक्की कर दी जाए। वहीं, इस साल अब तक जिन कंपनियों ने दो डिजिट यानी 10 या इससे ज्यादा स्टूडेंट्स को ऑफर दिए हैं, उनमें एक्सेंचर स्ट्रैटजी एंड कंसल्टिंग, अमेजन, अमेरिकन एक्सप्रेस, बजाज ऑटो टेक्नोलॉजी लिमिटेड, बार्कलेज, डॉयचे इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, इटरनल लिमिटेड, ईएक्सएल सर्विसेज, ईवाई जीडीएस, ईवाई पार्थेनन, ग्लीन सर्च टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, गूगल, गोल्डमैन सैक्स, ग्रैविटॉन रिसर्च कैपिटल, जेपी मॉर्गन, मीशो, माइक्रोसॉफ्ट, नावी, नाइन एजुकेशन, ओरेकल, पेयू पेमेंट्स, क्वालकॉम, श्लम्बर्जे, स्क्वायर पॉइंट कैपिटल, स्टारलाइट यूप, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और वेल्स फार्गो इंटरनैशनल सॉल्यूशंस लिमिटेड शामिल हैं।

प्लेसमेंट अच्छी हुई है, हालांकि इंटरनैशनल ऑफर पिछले साल के फेज 1 के मुकाबले कम हुए हैं। इस बार अब तक 35 से ज्यादा इंटरनैशनल ऑफर स्टूडेंट्स को मिले हैं। जापान, नीदरलैंड्स, सिंगापुर, दुबई, यूके समेत दुनिया के अलग-अलग इलाकों से यह ऑफर आईआईटी दिल्ली के स्टूडेंट्स तक पहुंचे हैं। पिछले साल पहले फेज में 50 से ज्यादा इंटरनैशनल ऑफर मिले थे।

IIT दिल्ली के ऑफिस ऑफ करियर सर्विसेज (OCS) के प्रोफेसर-इन-चार्ज प्रो. नरेश वी. दातला ने कहा कि इस वर्ष प्लेसमेंट सेशन काफी अच्छा रहा। हमारे स्टूडेंट्स ने बेहतर प्रदर्शन किया है, जो कि अच्छी पढ़ाई, बदलते हालात के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता और इंडस्ट्री की जरूरतों के लिए उनकी तैयारी को दिखाता है। OCS के को-प्रोफेसर-इन-चार्ज प्रोफेसर सुरेश नीलकांतन कहते हैं, ओसीएस लगातार अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियों और तरह-तरह की जॉब प्रोफाइल्स के साथ सपोर्ट बढ़ा रहा है। हमें उम्मीद है कि प्लेसमेंट के दूसरे फेज में और भी कंपनियां आएंगी।

**पहले फेज में 35 से ज्यादा इंटरनैशनल ऑफर**

## क्या सच में गाड़ी के अंदर हैं कैंसर वाले केमिकल्स? जल्द होगा खुलासा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सफर को आसान बनाने के लिए जिस गाड़ी में आप ट्रैवल कर रहे हैं, कहीं उस गाड़ी के अंदर मौजूद केमिकल आपकी सांसों के साथ अंदर जाकर आपको कैंसर की बीमारी तो नहीं दे रहे। यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि क्योंकि NGT ने एक सुनवाई के दौरान गाड़ियों के अंदर फ्लेम रिटार्डेंट्स केमिकल्स के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर को लेकर एक रिसर्च करने को कहा है। रिसर्च की जिम्मेदारी भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) को दी गई है।

यह मामला 8 मई 2024 को एक स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किया गया था। इससे पूर्व इस मामले में NGT ने ICMR को 18 महीने का समय दिया था। इसमें फ्लेम रिटार्डेंट्स केमिकल्स के ड्राइवरों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर की स्टडी का आदेश दिया गया था। इस संबंध में ICMR ने 22 दिसंबर को एक एफिडेविट दाखिल कर बताया की स्टडी का काम 24 सितंबर से शुरू हो चुका है। ICMR ने बताया कि इस अवधि में परियोजना स्टाफ की नियुक्ति, जरूरी सामग्री और इनके प्रमाणित संदर्भ सामग्री की खरीदारी, अहमदाबाद और गांधीनगर (गर्म और शुष्क क्षेत्र) में फील्ड विजिट और अन्य जरूरी उपकरणों की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। NGT ने ICMR के इस एफिडेविट को रिकॉर्ड पर लिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल 2026 को होनी है।

## ...तो हटा दिए जाएंगे SHO और सब डिविज़न से ACP

Shanker.Singh@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: पुलिस कमिश्नर (CP) सतीश गोलचा ने एक थाने में SHO और सब डिविजन में ACP के कार्यकाल को दो साल फिक्स करने का ऑर्डर जारी कर दिया है। इसके बावजूद कुछ विशेष परिस्थितियों में इन्हें बीच में ही हटाने का भी प्रावधान रखा गया है। इसी तरह सब डिविजन के सिलेक्ट पैनल लिस्ट में उन IPS और सीधे भर्ती हुए दानिप्स अफसरों को भी रखा जाएगा, जो ACP के तौर पर तैनात होंगे। ACP का कार्यकाल छोटा होने के मद्देनजर एक सब-डिविजन में दो साल, कुल चार साल का कार्यकाल और एक साल के कूलिंग पीरियड के नियम के दायरे में IPS-दानिप्स अफसर नहीं आएंगे।

CP गोलचा ने पिछले दिनों जारी अपने स्टैंडिंग ऑर्डर में कहा है कि ट्रांसफर और पोस्टिंग की पॉलिसी का मूल सिद्धांत 'उपयुक्त काम के लिए काबिल व्यक्ति' को चुनना है, ताकि मैनपावर रिसोर्स का ठीक इस्तेमाल हो सके। यह सुनिश्चित करने की कोशिश रहती है कि सभी अफसरों और कर्मचारियों को जुर्म की रोकथाम और पता लगाने, लॉ एंड ऑर्डर बनाए रखने, पब्लिक को संभालने-निपटने और ट्रैफिक मैनेजमेंट के अलावा पुलिस कामकाज के अन्य अहम पहलुओं में फील्ड अनुभव मिले। पुलिस अफसरों के मुताबिक, ट्रांसफर-पोस्टिंग की गाइडलाइंस में इन बातों का ख्याल रखा गया है। यह पॉलिसी काफी अच्छी है।

स्टैंडिंग ऑर्डर के मुताबिक, पुलिस स्टेशन के SHO और सब-डिविजन के ACP के लिए बनी स्क्रीनिंग कमिटियों का काम काबिल अफसर का चुनाव करना है। इनकी सिफारिश CP की अगुआई वाली सेंट्रल पुलिस एस्टैब्लिशमेंट बोर्ड (PEB) के सामने रखी जाएगी, जो फाइनल मुहर लगाएगी। स्टैंडिंग ऑर्डर में यह भी साफ लिखा गया है कि PEB प्रशासनिक जरूरतों के मद्देनजर किसी भी ACP को सब-डिविजन में और किसी भी इंस्पेक्टर को थाने में SHO पद पर सीधे भी तैनात कर सकता है। यानी इसके लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमिटियों के इंटरव्यू लेने और सिफारिश की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

AI Image

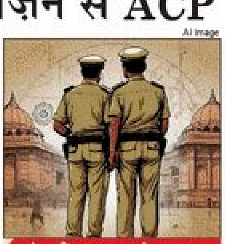

### ये नहीं बन सकते SHO

- पांच साल के दौरान ACR में प्रतिकूल टिप्पणी होने पर।
- बीते पांच साल के दौरान कोई बड़ी सजा दिए जाने पर।
- एक साल के भीतर 'सेन्सर' की कोई सजा मिलने पर।

### 15 दिन में भरे जाएंगे पोस्ट

- ACP के लुक-आफ्टर चार्ज की जिम्मेदारी सौंपने के लिए इसके लिए सीनियर इंस्पेक्टरों की लिस्ट बनेगी। हेडक्वॉर्टर लेवल पर स्क्रीनिंग के बाद यह सूची तैयार होगी।
- जिलों में खाली ऑपरेशंस समेत अन्य यूनिट में ऐसे इंस्पेक्टर तैनात होंगे, जिन्होंने वहां कभी काम नहीं किया है। भले ही वह SHO का कार्यकाल पूरा कर चुके हों।
- जिन जगहों पर इंस्पेक्टर के पद खाली हैं, उन्हें भरने के लिए सीनियर सब-इंस्पेक्टर्स की लिस्ट बनेगी और उनकी स्क्रीनिंग होगी। दूसरे रैंक के लिए भी ऐसा ही होगा।

ऑयल इंडिया
OIL INDIA
कॉर्पोरेट कार्यालय: प्लॉट नं. 19, सेक्टर 16ए, नोएडा–201301, उत्तर प्रदेश
सीआईएन: L11101AS1959GOI001148, वेबसाइट: www.oil-india.com
अधिसूचना संख्या HRAQ/REC-WP-E/25-4590
ऑयल इंडिया लिमिटेड में कार्मिकों की भर्ती के लिए विज्ञापन संख्या OIL/ADMN/13A/25-26/240 दिनांक 08.08.2025 और शुद्धिपत्र अधिसूचना संख्या OIL/ADMN/13A/25-26/243 दिनांक 21.08.2025 के तहत कंप्यूटर–आधारित परीक्षा (सीबीटी) के स्कोर ओआईएल की वेबसाइट पर उपलब्ध है। सीबीटी स्कोर देखने के लिए कृपया ऑयल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.oil-india.com पर जाएं और OIL for All > Career at OIL > Results अनुभाग में जाएं। स्कोर आपको 'Computer-Based Test (CBT) Scores for Workperson Recruitment against Advertisement No. OIL/ADMN/13A/25-26/240 dated 08/08/2025 तथा Corrigendum Notification No. OIL/ADMN/13A/25&26/243 dated 21/08/2025' शीर्षक के तहत मिलेंगे।

Govt. of Bihar
Department of Agriculture
Bihar Horticulture Development Society
2nd Floor, KrishiBhawan, Mithapur, Patna-800001,
Phone Fax: 0612-2521776, e-mail: dir-bhds-bih@nic.in, Website:horticulture.bihar.gov.in
NOTICE INVITING E-TENDER
Through e-procurement mode only over (https://eproc2.bihar.gov.in)

Very Short e-Tender for empanelment for Supply and Installation of Protected Structures and Hi-tech Horticulture related materials for 2025-26 to 2027-28 in the State of Bihar.

Bihar Horticulture Development Society (BHDS) invites online bids from reputed and experienced organizations for empanelment for supply and installation of the Poly House, Shade Net and Mulch Film from reputed Manufacturers/Authorized Dealers/ Firms/ Agencies/Govt. /Companies. The interested specialized organizations/firms/companies, which are involved and having experience of Supply and Installation of Protected Structures and Hi-tech Horticulture related materialsmay apply. Empanelled firms will be eligible for supply and installation of the different components mentioned above in the state.

The filled e-tender for technical & financial bid should be uploaded on the website: eproc2.bihar.gov.in by the bidder. EMD and tender feemust be sent through online mode (NEFT/RTGS).

| SN | Particulars | Details |
|---|---|---|
| 1. | Start Date & Time for Downloading of Tender document | 05.01.2026 (11:00 Hrs.) |
| 2. | Date &Time, Place for attending pre-bid meeting. The mode of meeting will be hybrid (physical and virtual) | 07.01.2026 (12:00 Hrs), 2nd Floor, KrishiBhawan, Mithapur, Bihar – 800001, Directorate of Horticulture, Department of Agriculture. Link for virtual pre-bid meeting will be published on BHDS website http://horticulture.bihar.gov.in |
| 3. | Last Date & Time for Downloading of Tender document | 12.01.2026 (12:00 Hrs.) |
| 4. | Last Date & Time for submission/uploading of offer/Bid | 12.01.2026(15:00 Hrs.) |
| 5. | Date and time oftechnical bidopening | 12.01.2026(15:30 Hrs.) |
| 6. | Date and time of financial bid opening | To be intimated to technically successful bidder(s) only |
| 7. | Nodal officer/Contact person for queries | Deo Narayan Mahto, Deputy Director Horticulture (Mob No.-9431818930) |
| 8. | Mode of Selection | Least Cost Based Selection – LCBS(L1) |
| 9. | It is mandatory to submit the EMD through online mode (NEFT/RTGS) | |

Mission Director, Bihar Horticulture Development Society, Patna reserves the right to revise/change/cancel the Tender without assigning any reasons thereof.
Mission Director
PR. No. 020685 (Agriculture) 2025-26 State Horticulture Mission, Bihar, Patna
For further details please visit : www.state.bihar.gov.in/prdbihar
गर्भावस्था की पहली तिमाही में माँ की एच.आई.वी. और सिफलिस की जाँच जरूर करायें।

नौएडा
नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर–6, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, (उ.प्र.)
वेबसाइट : www.noidaauthorityonline.in
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
अर्ह निविदाकारों से निम्न जॉब हेतु ई–निविदायें आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई–निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जाएगा। निविदा संबन्ध में समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की अधिकारिक वेबसाईट www.noidaauthorityonline.in एवं https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन एवं अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईट देखते रहें।
ए) क्रेस–टेण्डर कार्य:–

| क्र. सं. | जॉब संख्या | कार्य का नाम | निविदा की धनराशि (रु. लाख में) |
|---|---|---|---|
| 1 | 38/उ.म.प्र./वरि.प्र.(व.स.–3)/2025–26 | ग्रामों का विकास कार्य (ग्राम बरौला में एस०डी० विद्या पब्लिक स्कूल से चौपाल एवं गली नं०–3, 8, 12, 14, 24, हनुमान विहार, गली नं०–3 एवं विभिन्न गलियों में सी०सी० रोड एवं नालियों का निर्माण कार्य), नौएडा। | 254.93 |
| 2 | 39/उ.म.प्र./वरि.प्र.(व.स.–3)/2025–26 | नालियों का अनुरक्षण (सैक्टर–50, कॉमर्शियल प्लॉट सं०–1 से 5, एस०बी०आई० बैंक एवं एफ ब्लॉक में नालियों की मरम्मत एवं सोसाईटी के चारों तरफ टाईल लगाने का कार्य), नौएडा। | 452.84 |
| 3 | 40/उ.म.प्र./वरि.प्र.(व.स.–3)/2025–26 | सड़कों का सुदृढ़ीकरण (सैक्टर–44 के ब्लॉक एफ एवं जी की आन्तरिक सड़कों पर रिसरफेसिंग का कार्य), नौएडा। | 314.53 |
| 4 | 25/उ.म.प्र./वरि.प्र.(व.स.–4)/ई0नि0/2025–26 | ग्राम विकास एवं अनुरक्षण कार्य (ग्राम बहलोलपुर में मुख्य नाले की मरम्मत और नाले की दीवार उठाना एवं नाले पर प्रीकास्ट स्लैब रखने का कार्य), नौएडा। | 149.25 |

उपरोक्त निविदा को दिनांक 13.01.2026 सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई–निविदाओं की प्री–क्वालिफिकेशन दिनांक 14.01.2026 को 11.00 बजे खोली जायेगी।
उप महाप्रबन्धक (सिविल), नौएडा
स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

# Shri Devendra Kumar Jain

(02.03.1929 – 29.12.2025)

## In loving memory of a life well lived

At 96, he leaves behind not just years, but a legacy — of wisdom, warmth and an unwavering love for family. A man who was truly an institution in himself, he lived with dignity, generosity and an infectious warmth that touched everyone around him.

Rooted in Jain values, he was always guided by the philosophy of *"ahimsa parmo dharma"*

## We revere and remember our dearest "Babuji"

Pavan and Nayantara Jain
Siddharth and Ishita Jain
Shreyasi and Punit Goenka
Anandini, Vivardhan, Udayan, Araadhya, Varenyaa and Nairiti

Vivek and Nandita Jain
Devansh and Avarna Jain
Devika and Ambuj Chaturvedi
Shivranjini, Jayaditya, Aryavardhan and Aavya

Manju and Arun Jain
Gaurav and Aparajita Jain
Sonali Jain

Lata and Madhusudan Rungta
Pranav and Devika Rungta

Kapoor Chand Jain
Subodh Kumar and Shrija Jain

**Entire Siddho Mal Parivar**

INOX Group | INOXGFL GROUP BEYOND INFINITY

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA4 User: cci Time: 12-29-2025 23:11 Color:



# 2025 साल का सबसे बड़ा पोल

# दिल्ली वालों के बीच NCR का सबसे पसंदीदा शहर कौन सा रहा इस साल?

NBT फिर लेकर आया है आपके लिए मौका, जहां आप 2025 के उन मुद्दों पर देंगे अपनी राय, जिन्होंने सुर्खियों से लेकर जिंदगी तक असर डाला। तो बनिए इस पोल का हिस्सा और दीजिए आज के सवाल का अपना बेबाक जवाब:

## A गुरुग्राम

2025 में दिल्ली वालों के लिए गुरुग्राम सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि वीकेंड एस्केप बन गया। साइबर हब की रौनक, हाई-एंड पब्स, रूफटॉप पार्टीज और देर रात तक चलती नाइट लाइफ ने इसे यूथ का फेवरेट बना दिया। कॉरपोरेट कल्चर और ग्लैमर का ऐसा मेल, जहां काम के बाद एंटरटेनमेंट अपने आप मिल जाता है। यही गुरुग्राम की सबसे बड़ी ताकत रही।

## B नोएडा

नोएडा 2025 में प्लान्ड लाइफस्टाइल का चेहरा बनकर उभरा। चौड़ी सड़कें, सिग्नल-फ्री कॉरिडोर, बड़े मॉल और तेजी से उभरती फिल्म सिटी ने इसे दिल्ली वालों के लिए परफेक्ट विकल्प बनाया। यहां वीकेंड शॉपिंग, मल्टीप्लेक्स और फैमिली आउटिंग, एक पैकेज में मिलते हैं। कम भीड़ और बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर इसकी पहचान बने रहे।

## C फरीदाबाद

फरीदाबाद की खासियत 2025 में भी उसकी देसी वाइब रही। सूरजकुंड मेले ने एक बार फिर दिल्ली वालों को कला, संस्कृति और हस्तशिल्प से जोड़ा। भीड़-भाड़ से दूर, सुकून भरे माहौल और लोकल स्वाद ने इसे खास बनाया। जो लोग ग्लैमर से ज्यादा अपनापन और सांस्कृतिक अनुभव चाहते हैं, उनके लिए फरीदाबाद पहली पसंद बना।

गाजियाबाद 2025 में कनेक्टिविटी का पावरहाउस साबित हुआ। दिल्ली से सीधी मेट्रो, एक्सप्रेसवे और बेहतर रोड नेटवर्क ने इसे रोजमर्रा की लाइफ के लिए आसान बनाया। इंदिरापुरम और कौशाम्बी के मार्केट्स ने शॉपिंग और स्ट्रीट फूड का मजा बढ़ाया। कम खर्च में ज्यादा सुविधा, यो वजह रही जिससे गाजियाबाद दिल्ली वालों का भरोसेमंद विकल्प बना।

## D गाजियाबाद

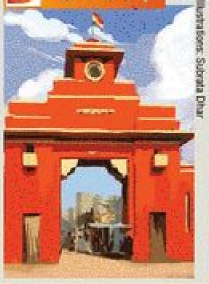

Illustrations: Subrata Dhar

**कल पूछे गए सवाल पर आपका फैसला**

## इस साल सरोजिनी के कपड़े पहन दिल्ली ने किया डिस्को

शॉपिंग के शौकीनों ने फैसला सुना दिया है, इस बार 'दिल्लीवालों के पसंदीदा मार्केट' के पोल में सरोजिनी नगर मार्केट का चला सिक्का, तो CP कम ही लोगों को भाया:

A 45% दिल्लीवालों ने माना कि सस्ते में ट्रेंडी सामान के लिए सरोजिनी नगर से बढ़कर कुछ नहीं।

D 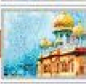 40% लोग शादी की शॉपिंग और टेस्टी फूड के लिए महाहूर चांदनी चौक की चकाचौंध में खो गए।

B 13% लोगों का गारमेंट्स, सजावटी सामान की वैरायटी के कारण शॉपिंग का अड्डा बना लाजपत नगर।

C 2% लोगों की पसंद है कनॉट प्लेस बना, बड़े-बड़े ब्रैंड का रुतबा, पार्टी-हैंगआउट के लिए कैफे के बावजूद यह पिछड़ा। लगता है दिल्लीवाले यहां शॉपिंग से ज्यादा वाइब एंजॉय करने आते हैं।

**हमें अपने जवाब भेजें ...**

इस वट्सऐप नंबर पर, जवाब में लिखें A, B, C या D

9220747220

# प्रदूषण घटाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट करें मुफ्त : कांग्रेस

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

प्रदूषण के हल के लिए कांग्रेस के लोक संसद में दिया सुझाव

**प्रदूषण से** जूझ रहे दिल्ली वालों के लिए कांग्रेस ने लोक संसद का आयोजन का हल निकालने की कोशिश की है। प्रदेश कांग्रेस द्वारा दिल्ली की जहरीली हवा पर आयोजित इस लोक संसद में डॉक्टर, प्रोफेसर, आरडब्ल्यूए, स्टूडेंट्स, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता जुटे और समाधान पर चर्चा की। लोक संसद में सार्वजनिक परिवहन को फ्री करने का सुझाव दिया गया।

सोमवार को कांग्रेस द्वारा आयोजित इस लोक संसद का आयोजन जनपथ स्थित वेस्टर्न कोर्ट में किया गया, जिसे एडवोकेट सुनील कुमार ने कोऑर्डिनेट किया। इस दौरान देवेंद्र यादव ने लोक संसद को संबोधित करते हुए कहा कि हमने प्रदूषण पर दिल्ली में एक सर्वदलीय बैठक की भी मांग की है ताकि विपक्ष भी दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने के तरीके और समाधान के सुझाव प्रस्तुत कर सके, लेकिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हमारी मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया। देवेंद्र यादव, पर्यावरणविद् विमलेन्दु झा और डॉक्टर जितेन्द्र नागर ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

# 100+ स्पीकर, 40+ बुक लॉन्च, 3 दिन चलेगा दिल्ली शब्दोत्सव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

PTI

- 6 कल्चरल प्रोग्राम भी होंगे, 40+ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स इस उत्सव में शामिल होंगे
- मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में फेस्टिवल सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा
- कई तरह के फूड का जायका भी मिलेगा यहां

सीएम रेखा गुप्ता ने 'दिल्ली शब्दोत्सव' का पोस्टर किया लॉन्च, आयोजन पर चर्चा भी

**नए साल** के साथ दिल्ली सरकार अपना सांस्कृतिक और साहित्यिक महोत्सव 'दिल्ली शब्दोत्सव 2026' शुरू कर रहा है। 2 जनवरी को इस फेस्टिवल का आगाज होगा और तीन दिन तक इस महोत्सव में कई साहित्यिक चर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वैचारिक संवाद का आनंद दिल्लीवाले ले सकेंगे। मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में फेस्टिवल सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। दिल्ली के कला-संस्कृति-भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली सरकार पहली बार इस स्तर पर साहित्य, संस्कृति और विचार को एक साझा मंच पर लाकर एक व्यापक और समावेशी आयोजन कर रही है। 'दिल्ली शब्दोत्सव 2026' केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, साहित्यिक और वैचारिक चेतना का उत्सव है। इस तीन दिन के महोत्सव में देशभर से 100 से अधिक प्रतिष्ठित वक्ता भाग लेंगे। 40 से अधिक पुस्तकों का विमोचन होगा, छह सांस्कृतिक कार्यक्रम और दो कवि सम्मेलन रखे जाएंगे। दिल्ली-एनसीआर की 40 से ज्यादा यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स इस उत्सव में शामिल होंगे।

**साहित्यिक और सांस्कृतिक महोत्सव 2 जनवरी से**

महोत्सव का उद्घाटन समारोह 2 जनवरी को 2 बजे से 3:30 बजे तक होगा, जिसमें उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद होंगे।

कपिल मिश्रा ने बताया कि आयोजन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा भी पहुंचेंगे। देश के प्रमुख विचारक, लेखक और वक्ता उपस्थित रहेंगे, जिनमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, सुनील आंबेकर, मनमोहन वैद्य, डॉ. सच्चिदानंद जोशी, सेवानिवृत्त एयर चीफ मार्शल राकेश भदौरिया, मुकुल कानेटकर, चंद्रप्रकाश द्विवेदी, सांसद सुधांशु त्रिवेदी, माधवी लता, विक्रमजीत बनर्जी, विष्णु शंकर जैन शामिल हैं। तीनों दिन संगीत की शामें सजेंगी, हर्षदीप कौर, हंसराज रघुवंशी और प्रहलाद सिंह टिपानिया मंच पर होंगे। भरतनाट्यम, कथक, भजन संध्या, कवि सम्मेलन, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग दर्शन जैसे कार्यक्रम भी होंगे। फेस्ट में विचारों के साथ-साथ दिल्ली के व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा।

## Gen Z डायलॉग, तो डीयू स्टूडेंट्स बनेंगे ऐंबैसडर

फेस्ट में Gen Z डायलॉग पर पूरा एक सेशन है। साथ ही, इस फेस्ट की मूल संकल्पना यह है कि दिल्ली अगर कोई घूमने आ रहा है तो उसके लिए 'दिल्ली शब्दोत्सव' दिल्ली के कैलेंडर में होना चाहिए। अगले साल से इस महोत्सव की जानकारी 5-6 महीने पहले ही दे दी जाएगी। फेस्ट में माइक-अप सेशन होगा, सेल्फी कॉर्नर होगा। महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए दिल्ली यूनिवर्सिटी के कई कॉलेजों में 'डीयू ऐंबैसडर कार्यक्रम' शुरू किया गया है। इसमें चुने गए स्टूडेंट्स स्टूडेंट ऐंबैसडर के रूप में काम करते हुए अपने-अपने कैंपस में 'दिल्ली शब्दोत्सव' की जानकारी स्टूडेंट्स तक पहुंचाएंगे ताकि वे महोत्सव में शामिल हों। महोत्सव में एंट्री फ्री होगी। आम जनता 'दिल्ली शब्दोत्सव' की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन भी करवा सकती है। सोशल मीडिया में इसे लेकर कैंपेन भी चलाया जा रहा है। यह उत्सव दिल्ली की कला-संस्कृति-भाषा विभाग और सुरुचि प्रकाशन मिलकर रखेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में विधायक राजकुमार भाटिया ने बताया कि यह केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है, बल्कि जन-संवाद और जन-भागीदारी का उत्सव है। सुरुचि प्रकाशन के राजीव तुली ने कहा कि यह उत्सव भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और वैचारिक विरासत को समझने का एक विराट मंच सिद्ध होगा।

# नए साल में गरीबों को मिलेगी अपने फ्लैट्स की चाबी: CM

AI Image

**6,476** फ्लैट्स फिलहाल खाली हैं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**CM बोलीं, सावदा घेवरा की EWS कॉलोनियों में अधूरी सुविधाओं को पूरा करने के लिए रोडमैप तैयार**

**दिल्ली की** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुताबिक नए साल में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) के लोगों को फ्लैट्स देने का काम शुरू हो जाएगा। सीएम ने कहा कि दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) ने सावदा घेवरा की EWS कॉलोनियों में अधूरे फ्लैट्स को पूरा करने का रोडमैप तैयार कर लिया है। इनका काम पूरा करके अगले साल से गरीब परिवारों को फ्लैट्स देना शुरू किया जाएगा।

सीएम ने बताया कि सावदा घेवरा EWS कॉलोनी लगभग 37.31 एकड़ इलाके में बनी है। यहां साल 2012 से 2020 के बीच 7,620 रिहायशी यूनिट्स को बनाया गया था। इनमें से 6,476 फ्लैट्स फिलहाल खाली हैं। पिछली सरकारों के दौरान बसावट न होने से कई फ्लैट्स की हालत जर्जर है। सरकार ने 2,500 खाली फ्लैट्स की मरम्मत के लिए 27.50 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं ताकि इन्हें रहने लायक बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि हमारी सोच सिर्फ पक्के मकान देने तक सीमित नहीं है बल्कि EWS कॉलोनियों में एजुकेशन, हेल्थ और पानी के साथ बुनियादी सुविधाएं देना भी है।

सरकार के मुताबिक कॉलोनी में 39 रिहायशी पार्क बनाए गए हैं। इनका कुल एरिया 22 हजार वर्ग मीटर से ज्यादा है। पानी पहुंचाने के लिए 2 अंडर वॉटर टैंक, बूस्टर स्टेशन और ओवरहेड वॉटर टैंक है।

सावदा घेवरा में 2 प्राइमरी स्कूल बनाने का प्रस्ताव भी है। इनमें से एक का काम पूरा हो चुका है। एक डिस्पेंसरी/अस्पताल भी बनना है। कामकाज को बढ़ावा देने के लिए लोकल शॉपिंग सेंटर, मिल्क बूथ, थ्री-वीलर और टैक्सी स्टैंड बनाए जा रहे हैं। कनेक्टिविटी के लिए 1.5 किलोमीटर के दायरे में बस स्टॉप, स्कूल और आंगनवाड़ी सेंटर मौजूद हैं। 3 किलोमीटर के भीतर मेट्रो स्टेशन, पुलिस चौकी और थाना उपलब्ध है।


**TIMES TRIBUTE**

PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

To book your ad logon to ads.timesofindia.com or Call: 18001200474 (Toll Free)

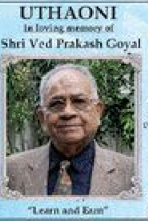

UTHAONI

In loving memory of

Shri Ved Prakash Goyal

"Learn and Earn"

At our residence

"KASTURI"

45/2, Mall Road, Civil Lines

Delhi-110054

Grieving Family

Usha Goyal (Wife)

Son- Rohit Goyal & Daughter-in-law Kavita Goyal

Son-Rahul Goyal & Daughter-in-law Radhika Goyal

Daughter- Rohini Bhargava & Son-in-law Sumit Bhargava

Grandchildren

Arjun, Nakul, Rachit & Vidhi

Date:- Tuesday, 30th December 2025

Time :- 3 PM To 4 PM

Contact: Rahul -9899111822

Nakul: 9650808490

करने में सावधान होने में प्रसन्न रहना चाहिए।

SHRI JAGDISH CHANDRA GUPTA

30/12/1935-25/12/2019

Founder Chairman

Wonder Polymers (P) Ltd. (Est 1986)

A Visionary, A Pioneer, An Entrepreneur, A Humanitarian and a Leader of Outstanding Quality

We Live His Ethics, Principles, Pointings, Guidance to Create Most Economical, Effective + Efficient Bonding Solutions.

JEHHA

www.wppl.in

TIMES TRIBUTES

RATE CARD

| Publications | Rates per sq. cms |
|---|---|
| TOID Capital + NBT (Delhi+NCR) | 1295 |
| TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR) | 1360 |
| THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR) | 780 |
| THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run## | 900 |
| NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR) | 595 |
| THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR) | 715 |
| SANDHYA TIMES (Delhi) | 100 |

Rates effective 5th June 2019

► *Placement on specified obit pages only. ► This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ► ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ► TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call

Vinod: 9958992088

Pankaj : 8130604727


# रोड पर जल्द लगेंगे स्ट्रे हेल्पलाइन नंबर के बोर्ड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली की सड़कों पर हर आवारा पशुओं की शिकायत के लिए जो हेल्पलाइन साइन बोर्ड लगाने की योजना पीडब्ल्यूडी ने बनाई थी, उसे अब फाइनल रूप दिया गया है। सड़कों पर हर 500 मीटर की दूरी पर स्ट्रे हेल्पलाइन नंबर साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। बोर्ड पर हेल्पलाइन नंबर 155305 लिखा होगा। इस हेल्पलाइन नंबर पर आवारा पशुओं से संबंधित शिकायतों के अलावा सड़कों से जुड़ी समस्याओं और हादसों की शिकायत भी कर सकेंगे।

# सर्कुलर पर 'आप' ने घेरा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कुत्तों के मामले में दिल्ली शिक्षा निदेशालय के सर्कुलर को आम आदमी पार्टी (AAP) के नेताओं ने फरमान बताया है। 'आप' सरकार से मांग की है कि आदेश तुरंत वापस लिया जाए। संजय सिंह ने कहा कि जिन टीचर्स को बच्चे पढ़ाने थे, अब उनसे आवारा कुत्तों की गिनती कराई जाएगी। संजीव झा ने कहा कि दिल्ली सरकार का यह आदेश बताता है कि एक आईआईटी पास मुख्यमंत्री और बाकी मुख्यमंत्री में क्या फर्क होता है।


"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.

Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

| Publications | Total Outlay |
|---|---|
| The Times of India Delhi/NCR | 5,600 |
| TOI+NBT (Delhi/NCR) | 8,600 |
| TOI+ET (Delhi/NCR) | 6,600 |

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES

For any information call

Vinod : 9958992088

Pankaj : 8130604727


# 'टीचर्स की एक्स्ट्रा ड्यूटी नहीं लगाई, स्ट्रीट डॉग्स की एंट्री रोकने के लिए दिए थे निर्देश'

## कुत्तों की गिनती टीचर्स से करवाने की खबरें शिक्षा निदेशालय ने की खारिज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**आवारा कुत्तों** की गिनती टीचर्स से करवाने को लेकर फैल रही खबरों को दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने खारिज किया है। सोमवार को शिक्षा निदेशालय ने साफ किया है कि स्कूल के टीचर्स की किसी प्रकार की अतिरिक्त ड्यूटी लगाने का कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। हालांकि, निदेशालय ने जानकारी दी है कि 7 नवंबर 2025 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में स्कूलों को कुछ निर्देश जरूर दिए गए हैं। बाउंड्री वॉल, गेट, फेंसिंग को मजबूत करने, हर संस्थान में निगरानी के लिए नोडल अधिकारी तैनात करने के लिए कहा गया है। स्कूलों को कहा गया कि वे स्टूडेंट्स और स्टाफ के लिए जागरूकता कार्यक्रम रखें। अगर किसी को कोई पशु काटता है तो प्राथमिक उपचार दिया जाए और तुरंत रिपोर्टिंग की जाए।

शिक्षा निदेशालय ने कहा कि यह सभी कदम आवारा कुत्तों के प्रवेश की रोकथाम और सुरक्षा उपायों को लागू करने से जुड़े हैं, न कि टीचर्स को अतिरिक्त और व्यक्तिगत जिम्मेदारी सौंपने को लेकर। शिक्षा विभाग का कहना है कि 12 नवंबर 2025 को दिल्ली सरकार के शहरी विकास विभाग की अध्यक्षता में हुई बैठक के आधार पर आवारा कुत्तों के स्कूलों और खेल परिसरों में प्रवेश को रोकने से जुड़े निर्देश जारी किए गए थे। इसके बाद निदेशालय ने स्कूलों के नाम 20 नवंबर को सर्कुलर जारी किया। 24 नवंबर 2025 और 10 दिसंबर 2025 को दिल्ली नगर निगम, एनडीएमसी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) और डीडीए समेत संबंधित स्थानीय निकायों को भी पत्र भेजे गए थे। दूसरी ओर, सीबीएसई ने भी सभी स्कूलों को कहा है कि वे स्कूल परिसर में कुत्तों की एंट्री रोकने के लिए अलर्ट रहें और निगरानी के लिए नोडल अधिकारी बनाएं।

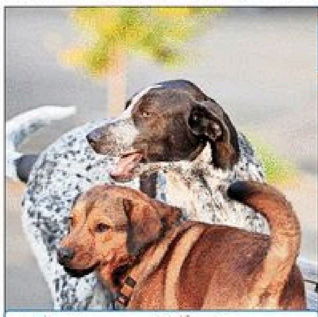

### क्यों दिए गए निर्देश?

कुत्तों के बच्चों को काटने का मामला जब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो अदालत के आदेश पर दिल्ली सरकार भी अलर्ट मोड पर आई। शहरी विकास विभाग, दिल्ली सरकार की अध्यक्षता में 12 नवंबर 2025 को हुई बैठक के बाद शिक्षा निदेशालय को निर्देशों को सख्ती से लागू करने के आदेश दिए गए थे, ताकि कुत्ते बच्चों या स्टाफ को नुकसान न पहुंचाएं। 20 नवंबर को दिल्ली निदेशालय की ओर से सभी सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त, प्राइवेट स्कूलों, कार्यालय प्रभारियों और स्टेडियम प्रभारियों को अपने परिसरों में आवारा कुत्तों के प्रवेश को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने को कहा गया। सुरक्षा गार्ड और चौकीदारों को निर्देश दिए गए कि वे आवारा कुत्तों को परिसर में प्रवेश न करने दें। हर स्कूल, कार्यालय और स्टेडियम में नोडल अधिकारी की नियुक्ति अनिवार्य की गई, जिसका नाम, कॉन्टैक्ट नंबर और संबंधित स्थानीय निकाय की जानकारी ई-मेल से साझा करने के निर्देश दिए गए हैं। नोडल अधिकारी को जिम्मा दिया गया कि वो नियमित रूप से परिसर का निरीक्षण करेंगे ताकि आवारा कुत्तों के ठहराव की पहचान की जा सके। ऐसी किसी भी स्थिति में संबंधित स्थानीय निकाय को तुरंत सूचना देकर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

## स्कूलों में नहीं दिखेंगे कुत्ते! नोडल अफसर संभालेंगे मोर्चा

**NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली में आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे और डॉग बाइट की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली नगर निगम (MCD) के शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों का पालन करते हुए विभाग ने स्कूलों में 'नोडल ऑफिसर' नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसकी शुरुआत केशवपुरम जोन से हुई है, जहां सभी 97 स्कूलों के लिए नोडल अधिकारियों की सूची जारी कर दी गई है। इन अधिकारियों की मुख्य जिम्मेदारी बच्चों को आवारा कुत्तों के खतरे से बचाना और स्कूल परिसर को सुरक्षित रखना होगा। सबसे अहम निर्देश 'डॉग फीडिंग' को लेकर है; स्कूल के अंदर किसी भी स्थिति में कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके साथ ही, ये अधिकारी बच्चों के बीच जागरूकता अभियान चलाएंगे कि आवारा कुत्तों के सामने आने पर वे किस तरह अपनी सुरक्षा करें।

**सुप्रीम कोर्ट के आदेश और MCD की सुस्ती:** सुप्रीम कोर्ट ने MCD को दिल्ली की कॉलोनियों से लगभग 5,000 खतरनाक और आक्रामक कुत्तों को हटाकर 'डॉग सेंटर' में रखने का आदेश दिया था। जमीनी हकीकत यह है कि MCD अब तक इन डॉग सेंटर्स का निर्माण ही नहीं कर पाई है। सुप्रीम कोर्ट ने निगम के सभी संबंधित विभागों में नोडल ऑफिसर नियुक्त करने के निर्देश दिए थे। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षा विभाग के अलावा MCD के अन्य महत्वपूर्ण विभागों में अभी तक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू भी नहीं हो पाई है।

## चेयरमैन की सफाई: 'गलियों में नहीं, परिसर के अंदर होगा काम'

एजुकेशन कमिटी के चेयरमैन योगेश वर्मा ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों के बीच इस जिम्मेदारी को लेकर कुछ भ्रम की स्थिति थी। उन्होंने कहा कि नोडल ऑफिसर्स को स्कूल के बाहर या गलियों में जाकर कुत्तों की गिनती नहीं करनी है। उनका कार्यक्षेत्र पूरी तरह से स्कूल की बाउंड्री के अंदर ही रहेगा। यदि कोई कुत्ता स्कूल कैंपस में पाया जाता है, तो उसे सुरक्षित बाहर निकालना और परिसर को सुरक्षित रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही दिल्ली के शेष 11 जोनों के स्कूलों के लिए भी नोडल अधिकारियों की सूची जारी कर दी जाएगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 30-12-2025 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 12-29-2025 22:58 Color:



# आज और कल रहेगा कोहरे का कोहराम

## ऑरेंज अलर्ट

**50** मीटर विजिबिलिटी रही सोमवार सुबह पालम इलाके में

**3:00** घंटे के लिए मौसम विभाग ने कल जारी किया था रेड अलर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**राजधानी दिल्ली** में कोहरे का असर अब तेज हो गया है। आज और कल कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ाएगा। मौसम विभाग (IMD) ने मंगलवार के लिए ऑरेंज और बुधवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके बाद एक जनवरी को हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। ऐसे में नए साल पर ही कोहरे और स्मॉग से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। रविवार रात से ही कोहरा घना होने लगा था। सोमवार सुबह 8 बजे तक पालम और सफदरजंग इलाके में विजिबिलिटी घटकर सिर्फ 50 मीटर रह गई। साढ़े 8 बजे के बाद हालात में थोड़ा ही सुधार हुआ। इसे लेकर मौसम विभाग ने 3 घंटे के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया।

**रविवार रात से ही कोहरे ने किया परेशान**

सोमवार को न्यूनतम तापमान रविवार की तुलना में करीब दो डिग्री बढ़कर 8.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.5 डिग्री ज्यादा है। अधिकतम तापमान सामान्य के करीब 20.3 डिग्री दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 72 से 100 फीसदी के बीच रहा। पालम में अधिकतम तापमान 18 डिग्री, राजघाट में 16.8, मयूर विहार में 16.7, गुरुग्राम और गाजियाबाद में 16.6 डिग्री दर्ज किया गया। विभाग के अनुसार मंगलवार को हल्के बादल छाए रहेंगे। ज्यादातर इलाकों में कोहरा रहेगा जबकि कुछ जगहों पर घना से बेहद घना कोहरा छाया रह सकता है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। 31 दिसंबर को भी हालात ऐसे ही रहेंगे।

1 जनवरी को हल्के बादल रहेंगे और कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। इसके बाद 2 से 4 जनवरी के बीच मौसम साफ रहने और हल्का कोहरा रहने की संभावना है। स्काईमेट के अनुसार हवाओं की धीमी रफ्तार, ज्यादा नमी और कम तापमान से दिल्ली-एनसीआर में घना कोहरा बना हुआ है।

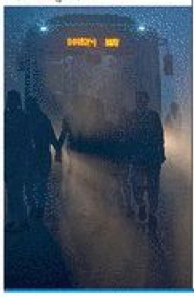

# घने कोहरे ने कराया इंतज़ार, 128 उड़ानें रद्द

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**हफ्ते के** पहले ही दिन घने कोहरे ने लोगों को परेशान किया। दिल्ली एयरपोर्ट से 128 उड़ानें रद्द हुईं। इनमें 64 डिपार्चर और 64 अराइवल थे। करीब 200 उड़ानें लेट हुईं, तो 8 फ्लाइट को डाइवर्ट करना पड़ा। ज्यादातर उड़ानें तड़के और सुबह कैंसल हुईं। सोमवार को बहुत कम विजिबिलिटी थी, पालम में यह सिर्फ 50 मीटर थी। दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि कोहरे की वजह से सुबह लो विजिबिलिटी प्रोसिजर (LVP) अपनाए गए, CAT 3 कंडीशन पर उड़ानें संचालित की गईं। जिन उड़ानों के लिए CAT 3 कंडीशन नहीं थी, उन पर खासतौर पर असर पड़ा और कई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हालांकि, दोपहर बाद स्थिति कुछ सुधरी मगर फिर भी लैंडिंग और टेकऑफ में देरी हुई।

फ्लाइट पर कोहरे के असर की वजह से यात्री काफी परेशान रहे। कई यात्रियों की शिकायत रही कि एयरलाइंस से उन्हें साफ जानकारी नहीं मिल पा रही है। कुछ यात्रियों ने कहा है कि फ्लाइट कैंसल या री-शेड्यूल होने से उन्हें एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, इंडिगो, एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस का कहना है कि यात्रियों को मैसेज भेजे जा रहे हैं। वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने कहा कि जिन उड़ानों में CAT-3 तकनीक नहीं है, उनके देर से चलने या रद्द होने की संभावना ज्यादा है। ग्राउंड टीम फंसे हुए यात्रियों को जरूरी सुविधा भी दे रही है। यात्रियों से दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने एडवाइजरी जारी कर कहा कि वो एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी एयरलाइंस से फ्लाइट की स्थिति जरूर पता कर लें। सोमवार को एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए सुबह से ही कई अलर्ट जारी किए। एयर इंडिया, इंडिगो समेत कुछ एयरलाइंस ने भी यात्रियों को अलर्ट कर कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और लंबे इंतजार से बचने के लिए उड़ानें रद्द की गई हैं, यात्री एयरपोर्ट निकलने से पहले अपनी फ्लाइट जरूर जांच लें। इंडिगो एयरलाइन ने कहा है कि विजिबिलिटी काफी ऊपर-नीचे हो रही है, जिस वजह से कई फ्लाइट्स का शेड्यूल बदला गया है, इसलिए ऑपरेशंस बहुत धीमा हो गया है।

Photos: PTI

## साल का दूसरा स्मॉग ऐपिसोड शुरू, पल्यूशन करेगा परेशान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में कोहरे और स्मॉग के साथ इस साल का दूसरा स्मॉग एपिसोड शुरू हो गया है। एक्सपर्ट के मुताबिक कम से कम दो दिन हालात ऐसे ही बने रह सकते हैं। हवा में नमी ज्यादा है और हवाएं काफी धीमी चल रही हैं। ऐसे में जमीनी स्तर पर थोड़ा सा पल्यूशन भी हालात को कई गुना खराब कर सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि न्यू ईयर पर पिछले अनुभव बताते हैं कि शहर के कई इलाकों में ट्रैफिक जाम बढ़ता है। इससे गाड़ियों से निकलने वाला धुआं पल्यूशन को और खतरनाक बना सकता है। इसलिए जश्न वाले इलाकों में ट्रैफिक कंट्रोल की व्यवस्था जरूरी है।

**इन हालात में थोड़ा पल्यूशन भी पहुंचा सकता है ज्यादा नुकसान**

सीएसई की एक्सपर्ट अनुमिता रॉय चौधरी ने कहा कि मौजूदा अनुमान साफ इशारा कर रहे हैं कि दिल्ली में दूसरा स्मॉग एपिसोड शुरू हो चुका है। दो दिन लोगों को स्मॉग और पल्यूशन झेलना पड़ेगा। ऐसे में सभी को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि ठंड बढ़ने के साथ ही अलाव जलाने का सिलसिला भी तेज हो जाता है। इससे पल्यूशन और बढ़ सकता है। इसके अलावा दिल्ली में बाहर से आने वाला पल्यूशन भी बड़ी वजह बना हुआ है। झज्जर, सोनीपत, रोहतक और भिवानी जैसे इलाकों से करीब 32 फीसदी पल्यूशन दिल्ली पहुंच रहा है। ऐसे में आसपास के जिलों में भी सख्ती जरूरी है।

## कोहरे से एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनें लेट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कड़ाके की ठंड और कोहरे की चादर ने ट्रेनों की चाल को बिगाड़ दिया है। दर्जनों सुपरफास्ट, राजधानी, मेल-एक्सप्रेस सहित कई पैसेंजर ट्रेनें कई घंटों की देरी से चल रही हैं। नई दिल्ली, गाजियाबाद, पलवल और आगरा रूट पर यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली कैंट और आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर आने वाली दर्जनों ट्रेनें रोजाना घंटों की देरी से आ रही हैं। गाड़ी संख्या 15273 सत्याग्रह एक्सप्रेस करीब ढाई घंटे की देरी से आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंची। वहीं, 12229 लखनऊ से नई दिल्ली आने वाली ट्रेन भी लेट रही। इसके अलावा गाड़ी संख्या 74004 डीएमयू और गाड़ी संख्या 54414 (पैसेंजर ट्रेन) भी लेट रही। डेली पैसेंजर असोसिएशन के महासचिव बालकृष्ण अमरसरिया बताते हैं कि सर्दियों में दिल्ली एनसीआर के एक्सप्रेस और लोकल ट्रेनें लेट रहती हैं।

**निर्धारित समय से कई घंटे देरी से चल रही हैं ट्रेनें**

BBA AT AMITY
2026 ADMISSIONS OPEN
Students have secured placements in leading organisations like:
EY
Deloitte.
Nestlé
Students selected for higher studies in top global universities like:
Columbia University
NYU
Strong Peer Quality
88% is the average aggregate Class XII% of students selected
Get real-world exposure
from faculty who have developed 5,000+ case studies bought by 3,000+ institutions like Stanford, Harvard, Yale, Columbia...
Earn Global Exposure
through the optional 5-Week Study Abroad Program in London, New York, Singapore or Dubai
Start your own venture at the Incubator
that has helped BBA students launch 30+ startups
Grow your family business
through dedicated workshops on integration, modernisation and scaling family business
OTHER PROGRAMMES OFFERED:
• BBA with spls. in: Business Intelligence & Data Analytics / Digital Marketing / Intl. Business with Artificial Intelligence / Intl. Business / Artificial Intelligence / Banking, Financial Services and Insurance / Tourism Management / Family Business & Entrepreneurship / Financial Services & Markets / Real Estate & Urban Infrastructure/Business Development / Marketing & Sales / Healthcare Management
• BBA (3 Continent): Study in India at Amity & one semester in UK, USA & Canada
• BBA (International): Earn two degrees, one foreign and one Indian, by starting your studies at Amity in India and completing at a Partner University abroad
Amity University, Sector - 125, Noida
Apply at www.amity.edu | Tel: 0120-2445252
Gurugram: www.amity.edu/gurugram | T: 7303-399-399
Greater Noida: www.amity.edu/gn | T: 1800-103-3320
AMITY UNIVERSITY

# सरिता विहार मेट्रो डिपो का एक्सटेंशन, मेट्रो फेज़-4 की ट्रेनों को मिलेगा ठिकाना

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**दिल्ली मेट्रो** रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) के फेज-4 विस्तार के तहत सरिता विहार मेट्रो डिपो का एक्सटेंशन पर काम शुरू कर दिया है। इस डिपो में मेट्रो फेज 4 में बन रहे गोल्डन लाइन (तुगलकाबाद से एयरोसिटी) कॉरिडोर और साकेत जी ब्लॉक से लाजपत नगर कॉरिडोर पर चलने वाली ट्रेनों को भी इसी डिपो में खड़ा किया जाएगा। अब इस डिपो में स्टेबलिंग लाइन बनाकर इसकी कैपिसिटी बढ़ाई जा रही है। इसपर ट्रेनों को पार्क किया जाएगा।

इस समय सरिता विहार डिपो का यूज वायलेट लाइन (कश्मीरी गेट से राजा नाहर सिंह) पर चलने वाली ट्रेनों के रखरखाव के लिए किया जा रहा है। लेकिन अब फेज-4 परियोजना के तहत इसे अपग्रेड कर नई लाइनों की जरूरतों के हिसाब से बढ़ाया किया जा रहा है। आमतौर पर नया मेट्रो डिपो बनाने के लिए एक्स्ट्रा जमीन की जरूरत होती है लेकिन इस बार DMRC ने एक अलग रणनीति अपनाई है। फेज-4 में नई जमीन लेने के बजाय मौजूदा डिपो का विस्तार किया जा रहा है।

**अभी तक यहां वायलेट लाइन पर चलने वाली ट्रेनों का रखरखाव होता है**

सरिता विहार मेट्रो डिपो के एक्सटेंशन के तहत 14 स्टेबलिंग लाइन्स, 4 इंस्पेक्शन बे लाइन्स और 2 आधुनिक वर्कशॉप डिवेलप किए जा रहे हैं। इसके अलावा कई अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाएं भी शामिल होंगी। इससे ट्रेनों के रखरखाव और संचालन में अधिक मजबूती आएगी। मेट्रो फेज-4 के 3 प्राइमरी कॉरिडोर के लिए कुल 52 नई ट्रेन यानि 312 कोच खरीदे गए हैं। इन ट्रेनों को चलाने और रखरखाव में सरिता विहार डिपो की अहम भूमिका होगी।

www.zalimlotion.in
जालिम लोशन
ZALIM LOTION
दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी
मेडिकल से आज ही खरीदें E-mail for Dealership at zalimlotion1929@gmail.com

# आठ साल बाद दिसंबर में इतनी खराब हवा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**यूं तो** साल का सबसे प्रदूषित महिना नवंबर होता है, लेकिन इस बार दिसंबर के प्रदूषण ने लोगों को अधिक परेशान किया। दिसंबर आठ साल के बाद इतना अधिक प्रदूषित रहा है। इससे पहले 2018 का दिसंबर इससे अधिक प्रदूषित था।

एक्सपर्ट के अनुसार प्रदूषण जनवरी के पहले पंद्रह दिन में भी बना रहता है। जनवरी के शुरुआती पंद्रह दिन दूसरी सबसे अधिक प्रदूषित अवधि होती है। इस बार नवंबर बीते दो साल में सबसे कम प्रदूषित रहा था। इसकी वजह तेज हवाएं रहीं, लेकिन दिसंबर में मौसम ने साथ नहीं दिया। ऐसे में दिसंबर में प्रदूषण काफी अधिक परेशान कर रहा है। 2025 में एक से 29 दिसंबर का औसत एक्यूआई 349 रहा। इससे पहले दिसंबर का औसत एक्यूआई 2018 में 360 और 2016 में 365 था। 2024 में दिसंबर का औसत एक्यूआई पहली बार 300 से नीचे 294.2 था। 2015 में दिसंबर का औसत एक्यूआई 300.7 रहा था।

**1 से 29 दिसंबर तक 349 रहा इस महीने का औसत AQI**

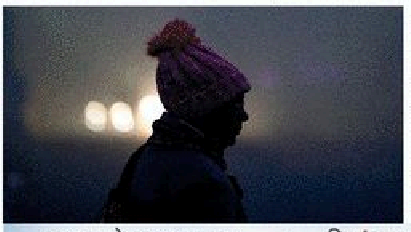

**गंभीर दिनों की संख्या अब तक 5**

इस महीने में अब तक गंभीर दिनों की संख्या पांच रही है। 2024 में इस स्तर के 6 दिन थे। 2023 में 3, 2022 में 1, 2021 में 7, 2020 में 4, 2019 और 2018 में 8-8, 2017 में एक, 2016 में 6 और 2015 में शून्य थे।

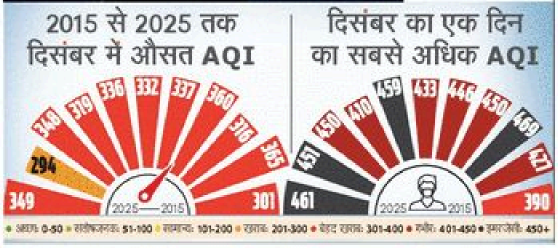


## प्रदूषण गंभीर, अभी नहीं है स्मॉग से राहत की संभावना

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: प्रदूषण का स्तर सोमवार को एक बार फिर बढ़कर गंभीर स्तर पर पहुंच गया। कई जगहों पर प्रदूषण इमरजेंसी स्तर पर भी रहा। अगले दो दिन राजधानी में प्रदूषण लोगों को परेशान कर सकता है। हालांकि पूर्वानुमान के मुताबिक इसका स्तर बेहद खराब रहेगा। पूर्वानुमान सोमवार को गलत साबित हुआ। सोमवार को प्रदूषण का स्तर बेहद खराब स्तर पर रहने की संभावना व्यक्त की गई थी। स्मॉग की एक मोटी परत दिल्ली एनसीआर में दिन भर छाई रही।

सुबह सात बजे राजधानी का AQI 402 था। यह 10 बजे कम होकर 398 हो गया। इसके बाद यह एक बजे तक 398 पर ही रहा। चार बजे इसका स्तर बढ़कर 401 हो गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का AQI 401 रहा। फरीदाबाद का 253, गाजियाबाद का 393, ग्रेटर नोएडा का 356, गुरुग्राम का 318 और नोएडा का AQI 410 रहा। देश में सबसे प्रदूषित नोएडा और फिर दिल्ली रहा।

**जश्न की तैयारी** नए साल के स्वागत के लिए तैयार दिल्ली, बाजारों में दिख रही अभी से रौनक और पब-रेस्टोरेंट में लाइव म्यूजिक का तड़का

# होटल 70% बुक, पल्यूशन के कारण 'आउटस्टेशन सेलिब्रेशन' का क्रेज

Abhishek.Gautam1@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : नए साल के स्वागत के लिए राजधानी दिल्ली पूरी तरह से तैयार है। नए साल में अब महज दो दिन शेष हैं और शहर के लोगों, खासकर युवाओं में जश्न को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। जहां एक ओर युवा दोस्तों के साथ सेलिब्रेशन के नए-नए प्लान बना रहे हैं, वहीं शहर के होटल, रेस्टोरेंट, पब और बार भी 31 दिसंबर की रात को यादगार बनाने के लिए म्यूजिक, कलरफुल लाइट्स और लजीज व्यंजनों की तैयारी में जुटे हैं।

**एडवांस बुकिंग और बदलता ट्रेंड:** फेडरेशन ऑफ होटल एंड रेस्टोरेंट असोसिएशंस ऑफ इंडिया (FHRAI) के जनरल सेक्रेटरी गिरीश ओबरॉय के अनुसार, दिल्ली के बड़े होटलों में करीब 70 प्रतिशत बुकिंग हो चुकी है। मेहमानों के लिए लाइव सिंगिंग और विशेष डिशेज की व्यवस्था की जा रही है। कई होटल अपने पुराने ग्राहकों को लुभाने के लिए विशेष डिस्काउंट भी दे रहे हैं।

हालांकि, इस बार जश्न के ट्रेंड में थोड़ा बदलाव भी नजर आ रहा है। ग्रेटर कैलाश के क्लब मालिक आशीष गोयल का कहना है कि इस साल एडवांस बुकिंग में पिछली बार के मुकाबले कमी देखी गई है। इसका मुख्य कारण दिल्ली का बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि बड़ी संख्या में लोग दिल्ली के बजाय शहर से बाहर (आउटस्टेशन) जाकर जश्न मनाने की योजना बना रहे हैं।

नैशनल रेस्टोरेंट असोसिएशन ऑफ इंडिया (दिल्ली चैप्टर) के हेड संदीप आनंद गोयल ने बताया कि रेस्टोरेंट में तैयारियों के साथ-साथ सुरक्षा मानकों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संबंधित विभाग इसकी निरंतर जांच कर रहे हैं।

AI Image

## बाजार को हैं नए साल से बड़ी उम्मीदें

व्यापारी संगठन 'कैट' (CAIT) के दिल्ली अध्यक्ष विपिन आहूजा ने उम्मीद जताई है कि 31 दिसंबर की रात दिल्ली के व्यापार को बड़ी रफ्तार मिलेगी। पब और क्लबों में नए मेन्यू तैयार किए जा रहे हैं। बदलती लाइफस्टाइल के कारण युवाओं में इस बार सेलिब्रेशन को लेकर पहले से कहीं अधिक क्रेज देखने को मिल रहा है, जिससे बाजार को करोड़ों के टर्नओवर की उम्मीद है।

DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES
MINISTRY OF FINANCE
GOVERNMENT OF INDIA
IFFCO-TOKIO
Campaign for efficient and quick settlement of unclaimed assets namely, bank deposits, mutual funds, life and general insurance policies, pension accounts and shares and dividend in the financial sector
October - December 2025
"आपकी पूंजी, आपका अधिकार"
Your Money, Your Right
Awareness Access and Action
SEBI
irdai
pfrda
IEPF
STATE LEVEL BANKERS' COMMITTEE – DELHI
IFFCO-Tokio General Insurance Company Limited
IRDAI Regd. No.: 106 | CIN: U74899DL2000PLC107621
IFFCO TOWER-II, PLOT NO. 3, SECTOR-29, GURUGRAM (HARYANA)- 122001, Toll Free no.: 1800 103 5499
For more details on risk factors, terms and conditions please read sales brochure carefully before concluding a sale. Insurance is the subject matter of solicitation. Terms and conditions apply.

# महाकुंभ, इंडोनेशिया में मंदिर, राम मंदिर में धर्म ध्वजा समारोह... का साक्षी रहा 2025

**साल 2025 अब समाप्त होने को है और 2026 शुरू होने वाला है। बीत रहे साल 2025 में कई ऐसी धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियां हुईं, जिसके लिए यह इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया और हमेशा याद किया जाता रहेगा। इस साल न केवल भारत में, बल्कि उससे परे भी धर्म का पताका फहरा, जिसका असर समाज के सांस्कृतिक, सामाजिक और मानसिक परिप्रेक्ष्य पर गहरा पड़ा है।**

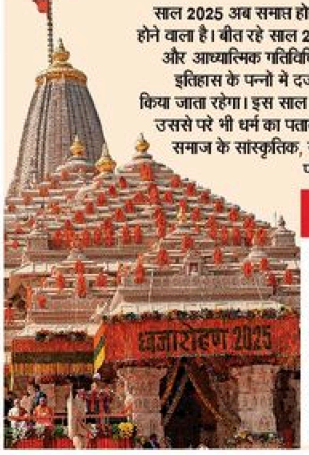

### राम मंदिर में हुआ ध्वजारोहण समारोह

25 नवंबर 2025 को अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में 'ध्वजारोहण समारोह' आयोजित हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर के सर्वोच्च शिखर पर धर्म ध्वजा फहराई। इसी के साथ राम मंदिर के निर्माण पूर्ण होने की घोषणा की गई। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए भावनात्मक क्षण भी रहा।

### विश्व रामायण कॉन्फ्रेंस

2-4 जनवरी को जबलपुर में आयोजित विश्व रामायण कॉन्फ्रेंस राम के आदर्शों और रामायण के संदेश को वैश्विक स्तर पर साझा करने का मंच बनी। यह इस कॉन्फ्रेंस का चौथा संस्करण था, जिसमें दुनियाभर के लोग शामिल हुए। सरकार ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भगवान श्रीराम के वनवास के दौरान मध्य प्रदेश से गुजरे पथों को चिह्नित करने में मदद मिलेगी, जिससे इन स्थानों का सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विकास संभव होगा और पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

### इस्कॉन मंदिर, नवी मुंबई

15 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया। इसे एशिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्कॉन मंदिर बताया जा रहा है। यहां मंदिर के साथ वैदिक और सांस्कृतिक शिक्षा केंद्र भी है।

### जकार्ता मुरुगन मंदिर

2 फरवरी, 2025 को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में भगवान मुरुगन मंदिर (श्री सनातन धर्म आलयम) के महाकुंभाभिषेकम समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समारोह में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने इसे आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया।

### पुरी में जब ध्वज को पक्षी ले उड़ा

14 अप्रैल को पुरी के जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर फहराई गई धर्म ध्वजा को अचानक एक पक्षी उड़ा ले गया, जिसका विडियो वायरल हुआ। लोगों और ज्योतिषियों ने इसे अपशकुन माना और यह घटना काफी चर्चा में रही। यह भी कहा गया कि साल 2020 में आकाशीय बिजली से ध्वज में आग लग गई थी, जिसके बाद कोरोना महामारी तबाही लाई।

### काशी : मंदिर के शिखर पर उल्लू

17-19 अप्रैल को वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर के स्वर्ण शिखर पर तीन दिनों तक सफेद उल्लू देखा गया। मंदिर ट्रस्ट के CEO ने भी इसकी तस्वीरें साझा कीं। हिन्दू मान्यताओं में उल्लू को शुभ और मां लक्ष्मी का वाहन माना जाता है। ऐसे में इस घटना को भक्तों ने सकारात्मक संकेत के रूप में लिया। बड़ी संख्या में लोगों ने भगवान विश्वनाथ के मंदिर के शिखर पर उल्लू के दर्शन किए।

### प्रयागराज में महाकुंभ आयोजन

2025 की शुरुआत में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयागराज में महाकुंभ मेला हुआ, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन कहा गया। यह आयोजन ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, 12 वर्षों के चक्र के बाद पूर्ण कुंभ था, जो 144 वर्षों में विशेष रूप से दुर्लभ संयोजन के कारण महाकुंभ कहा गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया, जो न केवल आस्था का प्रतीक रहा बल्कि धार्मिक पर्यटन के रूप में आर्थिक और सांस्कृतिक रूप से भी महत्वपूर्ण रहा।

### पवित्र शहर की घोषणा

24 नवंबर को सिख धर्म के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर पंजाब सरकार ने आधिकारिक तौर पर अमृतसर, श्री आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो को पवित्र शहर घोषित किया। इन जगहों पर नशे और तंबाकू उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू किया गया, जिसका उद्देश्य धार्मिक मर्यादा बनाए रखना है।

---

सत्संग

डॉ. सुरक्षित गोस्वामी
योग गुरु

## भोजन के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाता है 'भोजन मंत्र'

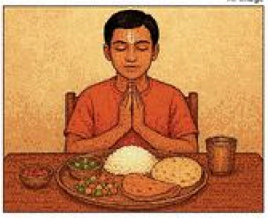

AI Image

*ब्रह्मार्पणं ब्रह्महविर्ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।*
*ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं ब्रह्मकर्म समाधिना॥*
*ॐ सह नाववतु। सह नौ भुनक्तु। सह वीर्यं करवावहै।*
*तेजस्विनावधीतमस्तु। मा विद्विषावहै॥*
*ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः॥*

भोजन से पहले मंत्र बोलने की परंपरा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे जीवन को संतुलित और जागरूक बनाने की भावना छिपी है। भारतीय परंपरा में भोजन को जीवन-ऊर्जा का आधार माना है। इसी कारण भोजन मंत्र की परंपरा विकसित हुई। मंत्र बोलने से शरीर, मन और भाव एक ही लय में आ जाते हैं। यह एक कृतज्ञता का भाव जगाता है। थाली में परोसा गया अन्न अनेक हाथों की मेहनत, किसान के श्रम, प्रकृति की कृपा, सूर्य, वर्षा और पृथ्वी के सहयोग से हम तक पहुंचता है। मंत्र व्यक्ति को यह स्मरण कराता है कि भोजन केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सारी प्रकृति का प्रसाद है। भोजन से पहले मंत्र मन को स्थिर भी करता है। दिनभर की भागदौड़, चिंता और तनाव के बीच जब व्यक्ति मंत्रोच्चारण करता है, तो उसका ध्यान वर्तमान क्षण में टिक जाता है। शांत मन से किया गया भोजन शरीर को बेहतर पोषण देता है। ऐसा भोजन शरीर को स्वस्थ और साधना योग्य बनाए रखने के लिए होता है। शिव-अर्पण भाव से किया गया भोजन अधिक खाने और जल्दबाजी में भोजन करने की प्रवृत्ति को भी नियंत्रित करता है और अन्न के अपमान से बचाता है। यह भोजन औषधि की तरह कार्य करता है, जबकि क्रोध, अशांति या उदासीनता में किया गया भोजन शरीर और मन दोनों को भारी कर देता है। इस प्रकार भोजन से पहले मंत्र केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि जीवन के प्रति जागरूकता, कृतज्ञता और संतुलन का अभ्यास है।

**भारतीय परंपरा में जीवन-ऊर्जा का आधार माना गया है भोजन**

**ऐसे भेजें अपने सवाल**

आपके भी मन में है धर्म-कर्म से संबंधित कोई सवाल, कोई उलझन, जिसका चाहते हैं जवाब तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर लिखकर भेजें। अपने नाम, शहर/गांव का भी जिक्र करें। सब्जेक्ट में 'Dharma Karma' लिखें।

---

ई-मेल करें

**मंदिर वाली सेल्फी**

सपना गोयल ने नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, गुजरात से भेजी ये फोटो

**ऐसे भेजें अपनी सेल्फी**

**nbtreader@timesofindia.com** पर अपने और शहर/गांव के नाम के साथ व्हाट्सऐप करें। मंदिर के बारे में भी जरूर लिखें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम अगले अंक में छापेंगे। सब्जेक्ट में लिखें- **Dharma Karma Selfie**

---

सप्ताह के व्रत और त्योहार

डॉ. अश्विनी शास्त्री

**(30 दिसंबर, 2025 से 5 जनवरी 2026 तक)**

*वर्तमान सप्ताह का शुभारंभ पौष मास के शुक्ल पक्ष की दशमी/एकादशी तिथि के साथ हो रहा है। यह शुक्ल पक्ष 3 जनवरी को पौष पूर्णिमा वाले दिन समाप्त होगा। 4 जनवरी, रविवार से माघ मास का कृष्ण पक्ष आरंभ हो जाएगा। इस सप्ताह वैकुण्ठ/पुत्रदा एकादशी, रोहिणी व्रत, प्रदोष व्रत और पौष/शाकम्भरी पूर्णिमा आदि का आयोजन किया जाएगा।*

## भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है पुत्रदा एकादशी

### ■ वैकुंठ/पुत्रदा एकादशी

(31 दिसंबर, बुधवार)

भारतीय चिंतन परंपरा में वैकुंठ एकादशी का विशेष महत्व है। मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की यह एकादशी भगवान श्रीहरि विष्णु को अत्यंत प्रिय मानी गई है। मान्यता है कि इसी दिन वैकुंठलोक के द्वार भक्तों के लिए खुलते हैं। पद्म पुराण में वर्णन है कि जो श्रद्धालु इस दिन उपवास रखकर विष्णु-पूजन करता है, वह जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्त होने की दिशा में अग्रसर होता है। इसी एकादशी को 'पुत्रदा एकादशी' भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार संतान-सुख की कामना रखने वाले दंपती यदि इस दिन नियमपूर्वक व्रत करें, तो उन्हें संतान-प्राप्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

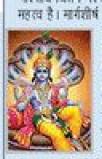

### ■ रोहिणी व्रत (1 जनवरी, गुरुवार)

रोहिणी व्रत जैन परंपरा का एक अत्यंत पावन व्रत है, जो विशेषतः पौष मास में किया जाता है। यह व्रत आत्मसंयम, तप और आत्मशुद्धि का प्रतीक माना गया है। मान्यता है कि इस व्रत का पालन करने से पूर्वजन्मों के कर्म-बंधन क्षीण होते हैं और आत्मा की निर्मलता बढ़ती है। जैन आगमों में रोहिणी व्रत को दीर्घायु, स्वास्थ्य और समृद्धि का कारक बताया गया है। कथा के अनुसार एक निर्धन श्राविका ने अत्यंत श्रद्धा से यह व्रत किया, जिसके फलस्वरूप उसका जीवन दुखों से मुक्त हुआ। यही कारण है कि यह व्रत केवल आस्था नहीं, बल्कि अनुशासन का अभ्यास भी है। इस दिन उपवास रखकर सत्य, अहिंसा और अपरिग्रह का विशेष पालन किया जाता है। यह पर्व सिखाता है कि सच्ची समृद्धि बाहरी संग्रह में नहीं, बल्कि भीतर की शांति में निहित है।

### ■ प्रदोष व्रत (1 जनवरी, गुरुवार)

प्रदोष व्रत भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व है, जो प्रत्येक पक्ष में त्रयोदशी तिथि को सूर्यास्त के समय किया जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि प्रदोष काल में शिव-पूजन करने से समस्त पापों का नाश होता है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है। प्रदोष व्रत का मूल भाव है समर्पण। बेलपत्र, जल और धूप-दीप से की गई साधारण पूजा भी शिव को अत्यंत प्रिय होती है।

### ■ पौष/शाकंभरी पूर्णिमा (3 जनवरी, शनिवार)

पौष पूर्णिमा, जिसे शाकंभरी पूर्णिमा भी कहा जाता है, देवी शक्ति की विशेष उपासना का पर्व है। इस दिन मां शाकंभरी की आराधना की जाती है, जिन्होंने अकाल के समय शाक-सब्जियों से सृष्टि का पोषण किया था। इस दिन स्नान-दान, व्रत और अन्नदान का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि 'अन्न ब्रह्मेति व्यजानात्।' अर्थात् अन्न को ही ब्रह्म जानना चाहिए।

---

## 'तीर्थ के समान हो जाता है भागवत कथा स्थल'

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली

**आरकेपुरम सेक्टर-7** में आयोजित विशाल भागवत कथा के अवसर पर पंडित देवेंद्र शास्त्री महाराज ने कहा कि जहां भागवत कथा होती है वह स्थान तीर्थ के समान ही हो जाता है। कथा में विधायक अनिल शर्मा, निगम पार्षद धर्मवीर सिंह, नवीन मालगुडी मंडल अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

सीताराम संत सेवा मंदिर चंद्रपार्क द्वारा समुदाय भवन एजीसीआर में भागवत कथा सुनाते हुए आचार्य प्रद्युम्न कृष्ण ने कहा कि जो माता-पिता की सेवा नहीं करते उनकी फरियाद भगवान भी नहीं सुनते। महंत रामकृष्णदास महात्यागीजी, सखी बाबा, आ. शशिभूषण भी मौजूद रहे। राजमाता मंदिर अनारकली गार्डन, जगतपुरी में भागवत कथा के समापन पर राजेश्वरानंद महाराज ने कहा कि युवाओं को बुरी आदतें छोड़कर सभ्य समाज निर्माण में अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहिए। आरती के बाद विशाल भंडारा लगाया गया।

**सत्संग:** बटुक भैरव शक्तिपीठ मंदिर नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी में सत्संग के अवसर पर पुरोहित राजेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि मनुष्य जीवन का मुख्य उद्देश्य अपने स्वरूप को जानना है, यदि उसे नहीं जाना तो मानव जीवन निरर्थक हो जाएगा।

**ध्यान साधना:** ब्रह्माकुमारीज के स्वास्थ्य विहार सेवा केंद्र में ध्यान साधना के मौके पर राजयोगिनी उर्मिला दीदी ने कहा कि खुशी की खुराक खाओगे तो स्वस्थ्य रहोगे। ऐसा करने से चित्त निर्मल होगा और वाणी भी निर्मल हो जाएगी।

## स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल समारोह

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** रोहिणी के डीएसबीके इंटरनैशनल स्कूल ने अपने 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए फेयरवेल समारोह का आयोजन किया। स्कूल के चेयरमैन एस. के. गुप्ता और प्रिंसिपल डॉ. संचिता गुप्ता ने स्टूडेंट्स को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए स्कूल के साथ जुड़े रहने की अपील की। इस मौके पर स्टूडेंट्स ने अपने स्कूली जीवन के दिनों को याद करते हुए सभी टीचर्स को धन्यवाद दिया। स्कूल की मैनेजर प्रमिला गुप्ता और डायरेक्टर पंकज गुप्ता ने भी स्टूडेंट्स को बधाई दी।

## बुध बाज़ार कच्चा नाला पक्का करने का प्लान

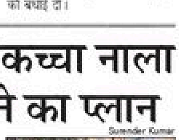

Surender Kumar

दोनों तरफ दीवार बनाई जाएगी, यमुना विकास बोर्ड देगा फंड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**एमसीडी ने** गीता कॉलोनी बुध बाजार स्थित कच्चे नाले को पक्का बनाने की प्लानिंग की है। इसके लिए यमुनापार विकास बोर्ड की ओर से फंड दिया जाएगा। एमसीडी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि नाले के तल को पक्का नहीं किया जा सकता, क्योंकि नाले को पक्का करने पर एनजीटी ने रोक लगा रखी है, इसलिए दोनों तरफ की दीवारें पक्की की जाएंगी, जिससे सफाई ठीक से की जा सके।

गीता कॉलोनी के अलग अलग ब्लॉक से होता हुआ यह नाला रानी गार्डन और न्यू लाहौर कॉलोनी होते हुआ पुश्ता रोड स्थित एसडीएम ऑफिस के पास मास्टर प्लान नाले में जाकर मिलता है। नाला कच्चा होने के कारण इसकी ठीक से सफाई नहीं हो पाती। बरसात के समय आसपास के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोग लंबे समय से नाले को पक्का करने की मांग करते आ रहे हैं।

यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन अरविंदर सिंह लवली ने बताया कि लंबे समय से हो रही मांग के चलते इसे पक्का करने के लिए फंड यमुनापार विकास बोर्ड उपलब्ध कराएगा।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

टेंडर और नोटिस

निविदाएं (टेंडर्स)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल, केन्द्रीय कार्यालय 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021
अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित आधार पर गैर निष्पादक आस्तियों (NPAs) के विक्रय के लिए पात्र एआरसी (ARCs)/ बैंक (Banks)/एनबीएफसी(NBFCs) /एफआई (FIs) / एआईएफ (AIFs) से अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है, खातों की सूची के साथ विस्तृत बोली के लिए अनुरोध (Request for Bid) बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.bank.in/tenders&empanelment/view auction notice पर उपलब्ध है।
वर्टिकल प्रमुख (दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन)

निविदा सूचना
सिद्धार्थ कुंज को-ऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लॉट नं.-17, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली-110075 में स्थित 180 आवासीय इकाइयों में विस्तार कार्य (F.A.R) हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी वास्तुकार एवं/अथवा बिल्डर की आवश्यकता है। कार्य में स्थानीय प्राधिकरणों जैसे DUAC, DFS & MOE से सभी आवश्यक एनओसी प्राप्त करना तथा/अथवा विस्तार कार्य की पूर्णता हेतु आवश्यक किसी भी अन्य एनओसी प्राप्त करना, साथ ही सभी इकाइयों में विस्तार कार्य पूर्ण कर कम्प्लीशन सर्टिफिकेट प्राप्त करना शामिल होगा, किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं होगा। ये वास्तुकार एवं / अथवा बिल्डर, जिन्होंने न्यूनतम 05 सोसाइटियों में DDA द्वारा अनुमोदित विस्तार कार्य निष्पादित किया हो, निविदा प्रपत्र में अपनी बोली, दरें / शुल्क / स्वीकृत नियम एवं शर्तों को स्पष्ट रूप से दर्शाते हुए।
अध्यक्ष / सचिव,
सिद्धार्थ कुंज CGHS लिमिटेड को 27/01/2026 तक अथवा उससे पूर्व जमा कर सकते हैं। इच्छुक पक्ष 05/01/2026 से 20/01/2026 के मध्य अपना नाम, पता तथा संपर्क फोन / मोबाइल नंबर ई-मेल द्वारा भेजकर अहस्तांतरणीय निविदा दस्तावेज siddharthakunj@gmail.com पर अनुरोध कर सकते हैं।
प्राप्त प्रस्तावों के विस्तृत मूल्यांकन के उपरांत योग्य वास्तुकार एवं/अथवा बिल्डर को सोसाइटी द्वारा कार्य प्रदान किया जाएगा।

पंजाब नैशनल बैंक punjab national bank
ई-निविदा सूचना
सहायक महाप्रबंधक अंचल कार्यालय दिल्ली
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि: 29/01/2026
https://pnbindia.in/tender.aspx

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन

I Have Changed My Name From Yodhvir Singh Saini To Yudhvir Singh Saini As Per Documents

I, Seema W/o Amit Kumar R/o J-901, 9th Floor, French Apartments, Sector-16B, Greater Noida West, Gautam Buddha Nagar, UP-201307 Have Changed My Name From Seema to Seema Lalwani for All Purposes.

I, Poonam, W/o Kavish Aggarwala R/o- House no 76, Anand Niketan, Raipur Road, Near Kainchi Chowk, Opposite Medical Factory, Hisar Haryana, Pin - 125001 have changed my name to Poonam Bishnoi Aggarwala for all purposes. for all future purposes.

I Vishal Maurya R/o 130/336, Bagahi Bhatta TP Ngr Kanpur U.P have changed my Daughter's name from Vaishaly Maurya to Vaishali Maurya

खोया एवं पाया

I, Kamal Mohan Puri S/o Late Hari Dev Puri R/o1C/38, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi-110005, have lost the Allotment letter and some Payment receipts of the Property Unitech Habitat, Apartment no. 002, Ground floor, Tower -9, Sector Pi-2, Greater Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, Noida - 201308 (UP). Finder cont: 9810244443

LOST: Ravi C.G.H.S. Ltd Share Certificate & other documents, Ravi Kumar Malhotra, 17-A Raavi Apt, Vikas Puri. 9810616080

TIMES interact
BOOK YOUR CLASSIFIED ADS
FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT SUNIL : 9999499496

HEALTH & WELLNESS
सेहत बनायें वजन बढ़ायें
अगर आप खाते पीते बहुत हैं, फिर भी सेहत नहीं बनती, तो हमारी सलाह द्वारा औषधि का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹655 महीना
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
• मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

36 वर्षों के अनुभवी
सैक्स समस्याएँ
मर्दाना कमजोरी, शीघ्र पतन, शुक्राणु की कमी, गुप्त रोगी मिलें
आजाद क्लीनिक
मेन रोहतक रोड, चूनेवाली गली, नांगलोई, दिल्ली-41
9873144909
9821124909

सैक्स समस्याएँ
मर्दाना कमजोरी शीघ्र पतन शुक्राणु की कमी गुप्त रोगी मिलें:
नवीन क्लीनिक
PNB BANK वाली गली से नई दिल्ली-110041
9811564909
9210990444

SEX PROBLEMS?
सैक्स समस्याएँ कैसी भी स्त्री-पुरुष-कमजोरी (सफेद पानी)
बे-औलाद? मिलें-सलाह लें
Since-1986
कौशिक क्लिनिक
मैट्रो पोल नं. 671, उत्तमनगर, दिल्ली-59
9810-272-172

BOOK YOUR EDUCATION ADS
PLEASE CONTACT AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO ads.timesofindia.com

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
रोजगार अधिसूचना
कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने अभियांत्रिकी विभाग में सहायक अभियंता पद के लिए निश्चित अवधि के अनुबंध के आधार पर **वॉक-इन-इंटरव्यू** के ज़रिए रोजगार अधिसूचना जारी किया है। विवरण इस प्रकार है:
**रोजगार अधिसूचना सं. सीओ/पी-आर/13सी/2025 दिनांक 19.12.2025**

| क्र. सं. | पद का नाम | यूआर | कुल पदों की संख्या | वॉक-इन-इंटरव्यू की तारीख |
|---|---|---|---|---|
| 1 | सहायक अभियंता | 1 | 1 | 06.01.2026 |

उम्मीदवार अधिसूचना, पात्रता मापदंड इ. की विवरण के लिए केआरसीएल की वेबसाइट www.konkanrailway.com पर लिंक → भर्ती → वर्तमान अधिसूचना पर देख सकते हैं और आवेदन कर सकते हैं।
मुख्य कार्मिक अधिकारी

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, आईआरईपीएस पोर्टल पर ई-निविदा के ज़रिए टो-पैकेट सिस्टम के तहत सक्षम और आर्थिक रूप से मज़बूत पार्टियों से "कोलाड और सुरतकल स्टेशनों के बीच कोंकण रेलवे पर रोल-ऑन-रोल-ऑफ (रोरो) सेवा की मार्केटिंग और संचालन" के लिए खुली निविदा आमंत्रित करते हैं, जिसकी अवधि एक साल है जिसे और एक साल के लिए बढ़ाया जा सकता है। **निविदा सूचना क्र: सीओ-16011-3-2023-सीओएमएम-2025, दिनांक 26.12.2025. ऑनलाइन ऑफ़र जमा करने की अंतिम तिथि/ समय:** 27.01.2026 दोपहर 15:00 बजे तक। हस्तलिखित निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएगी। विस्तृत जानकारी / सहभागिता के लिए कृपया www.ireps.gov.in वेबसाइट पर देखें। यदि कोई शुद्धिपत्र / परिशिष्ट होगा, तो उसे केवल इसी वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी।

OFFICE OF THE RANCHI MUNICIPAL CORPORATION, RANCHI
(SANITATION SECTION)
KUTCHERY ROAD, RANCHI, PIN-834001
E-Mail :- support@ranchimunicipal.com
Notice Inviting E Tender
NIT No. 765/SanitationDate: 29 /12 /2025

| Sl. No. | Event | Details |
|---|---|---|
| 1. | Name of Work | Request for Proposal for Selection of Agency for Mechanized Sweeping of Selected Roads in Municipal area of Ranchi Municipal Corporation including supply of Manpower, Consumables, and Operation & Maintenance of sweeping machine Provided by Ranchi Municipal Corporation, as per MSW Rules 2016. |
| 2. | Earnest Money Deposit (EMD) | Rs. 12,00,000/- (Rupees Twelve Lacs.) shall be paid towards earnest money deposit through online payment gateway of https://jharkhandtenders.gov.in |
| 3. | Period of Contract | 05 years, renewable up to 7 years |
| 4. | Tender Fee | Rs. 25,000/- +18%GST (i.e., Rs 29,500) (non-refundable) (including indirect taxes, services & gateway charges) shall be paid through online payment gateway of https://jharkhandtenders.gov.in |
| 5. | Bid validity | 180 days |
| 6. | Bid Start Date | 30/12/2025 |
| 7. | Pre-Bid Meeting Date | 05/01/2026 at 3:00 PM |
| 8. | Bid Due Date | 19/01/2026 at 5:00 PM |
| 9. | Date & Time of Technical Bid Opening | 20/01/2026 at 5:00 PM |
| 10. | Date & Time of Financial Bid Opening | To be communicated later. |
| 11. | Place of Tender Opening | Ranchi Municipal Corporation |
| 12. | Officer Inviting | Additional Administrator, Ranchi Municipal Corporation |
| 13. | contact Details | 0651 – 2203469 |

Eligibility Criteria & Project Details: - Interested bidders are advised to go through the NIT and RFP document for information pertaining to Eligibility Criteria and Project related information. Interested Bidder shall submit the Proposal electronically through the website www.jharkhandtender.gov.in other important/relevant documents, bank draft, bank guarantee etc. should be scanned and enclosed with the e-tender as per the guidelines given in the RFP document.
Note:
1. RMC reserves the right to cancel or modify the bidding criteria/process without assigning any reasons and liability.
2. For further detail can be seen on Bid Document uploaded on Jharkhandtender.gov.in.
Sd/- Additional Administrator, Ranchi Municipal Corporation, Ranchi
PR 369616 (Ranchi Municipal Corporation)25-26*D

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | PROPERTY | BUSINESS | RECRUITMENT, EDUCATION | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | SHOPPING | TENDER, PUBLIC NOTICE | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

| Area / Zone | Contact Person | Mobile No. |
|---|---|---|
| Central Delhi1 + North Delhi | Amit Ghosh | 98117 90649 |
| Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi | Sunil Srivastava | 99994 99496 |
| South Delhi + Faridabad + Noida | Raghav Arora | 99999 95460 |
| West Delhi + Dwarka + Gurgaon | Aman Pasricha | 93126 33518 |

# नमो भारत, हॉट एयर बलून... 2025 के रहे ये खास गिफ्ट

2026 शुरू होने जा रहा है। जाहिर है कि हर साल की तरह इस साल भी दिल्ली के लोगों को कई सारी नई सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। मगर 2025 भी इस मामले में कोई बहुत खराब साल नहीं रहा। इस साल भी लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, परिवहन, मनोरंजन के लिए कई सारी सुविधाओं का तोहफा मिला, जिससे लोगों को कई फायदे हुए। क्या-क्या नई सुविधाएं देकर जा रहा है 2025? बता रहे हैं NBT रिपोर्टर पूनम गौड़, कात्यायनी, प्राची यादव, बृजेश सिंह, राहुल आनंद और सुदामा यादव...

## अमृत बायोडायवर्सिटी पार्क और यमुना वाटिका का गिफ्ट

इस साल यमुना बाढ़ क्षेत्र में अमृत बायोडायवर्सिटी पार्क और यमुना वाटिका भी लोगों को मिले। पार्क 90 एकड़ में फैला है। इस पार्क में 14,500 पेड़, 18 हजार झाड़ियां लगाई गई हैं। पार्क में बने 6 जलाशयों में 225 मिलियन लीटर पानी स्टोर किया जा रहा है। यहां नीम, अंजीर, पिलखन, चिलबिल, चंपा, आम, महुआ, अशोक, अर्जुन, कटहल, मेडागास्कर बादाम के पेड़ लगाए गए हैं। यहीं पर यमुना किनारे यमुना वाटिका भी शुरू की गई है।

## दिल्ली हाई कोर्ट मोबाइल ऐप लोगों को देगा काफी राहत

इस ऐप को कानूनी प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों की मदद के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें जज, सीनियर एडवोकेट, एडवोकेट, लिटिगेंट्स यानी वादी, आम जनता और अदालत के कर्मचारी शामिल हैं। एडवोकेट/रजिस्टर्ड यूजर्स अपने मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करके इसमें लॉगइन कर सकते हैं और अपने केस का पूरा ब्यौरा देख सकते हैं, नए केस जोड़ सकते हैं, आदेश और केस हिस्ट्री देख सकते हैं और अपने मामलों की कॉज लिस्ट आसानी से बना सकते हैं।

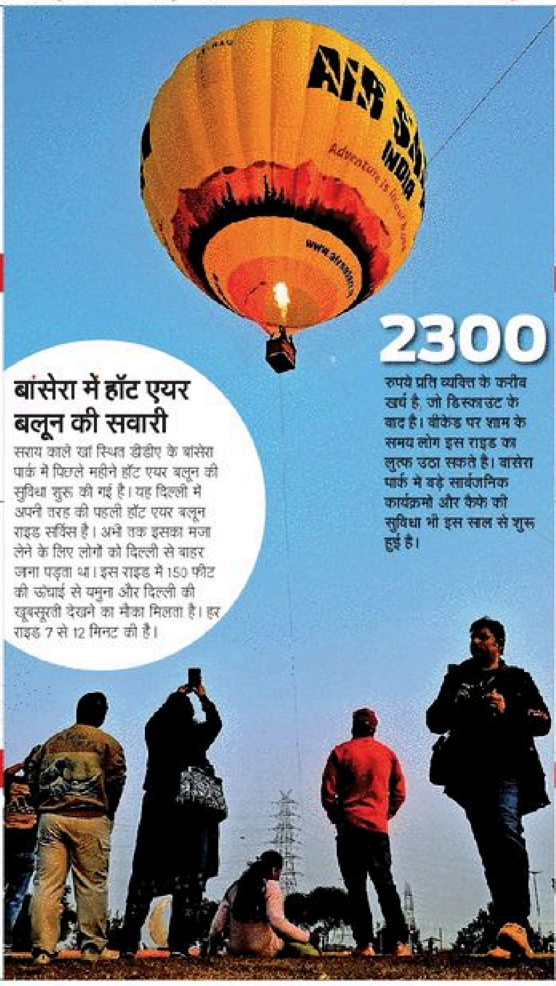

## बांसेरा में हॉट एयर बलून की सवारी

सराय काले खां स्थित डीडीए के बांसेरा पार्क में पिछले महीने हॉट एयर बलून की सुविधा शुरू की गई है। यह दिल्ली में अपनी तरह की पहली हॉट एयर बलून राइड सर्विस है। अभी तक इसका मजा लेने के लिए लोगों को दिल्ली से बाहर जाना पड़ता था। इस राइड में 150 फीट की ऊंचाई से यमुना और दिल्ली की खूबसूरती देखने का मौका मिलता है। हर राइड 7 से 12 मिनट की है।

**2300** रुपये प्रति व्यक्ति के करीब खर्च है, जो डिस्काउंट के बाद है। वीकेंड पर शाम के समय लोग इस राइड का लुत्फ उठा सकते हैं। बांसेरा पार्क में बड़े सार्वजनिक कार्यक्रमों और कैफे की सुविधा भी इस साल से शुरू हुई है।

## बेतहाशा फीस की बढ़ोतरी रोकने के लिए बना कानून

प्राइवेट स्कूलों में मनमानी फीस बढ़ाने की शिकायतों को दूर करने के लिए दिल्ली सरकार इस साल 'दिल्ली स्कूल एजुकेशन: ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस 2025' कानून लेकर आई। विधानसभा से पारित होने के चार महीने बाद दिसंबर में इस कानून के नियमों का ब्यौरा दिया गया। इसे 2025-26 सेशन से लागू माना जाएगा। इसके तहत स्कूल स्तर की कमिटी बनाई जाएगी, जो तय करेगी कि फीस कितनी बढ़ेगी। इसमें पैरंट्स भी शामिल होंगे।

## शुरू हुई आरंभ लाइब्रेरी, कैफेटेरिया और इंटरनेट भी

पिछले साल मॉनसून के दौरान राजेंद्र नगर के एक आईएएस कोचिंग सेंटर में हुए दर्दनाक हादसे के बाद दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना की पहल पर डीडीए ने इस साल राजेंद्र नगर में अपनी पहली लाइब्रेरी 'आरंभ' की शुरुआत की। इसके बाद अब तक इस तरह की चार लाइब्रेरियां अलग-अलग जगहों पर खुल चुकी हैं। ये लाइब्रेरियां सातों दिन और चौबीसों घंटे खुलती हैं। इनमें कैफेटेरिया और इंटरनेट उपलब्ध है।

## दिल्ली में दौड़ी हाई-स्पीड ट्रेन 'नमो भारत'

दिल्ली में मेट्रो का परिचालन 2002 से हो रहा है लेकिन इस साल हाई स्पीड नमो भारत ट्रेन भी दिल्ली पहुंच गई। 5 जनवरी 2025 को हाई-स्पीड ट्रेन 'नमो भारत' ट्रेन की दिल्ली में एंट्री हुई। मेरठ से चलने वाली यह ट्रेन दिल्ली में आनंद विहार से न्यू अशोक नगर के बीच चल रही है। खास बात यह है कि आनंद विहार और न्यू अशोक नगर में नमो भारत ट्रेन दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क से भी जुड़ गई है।

## मिनी इलेक्ट्रिक बसें शहर की सड़कों पर उतरीं

संकरी सड़कों वाले दिल्ली के रिहायशी इलाकों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा प्रदान करने के लिए दिल्ली सरकार ने डीटीसी और क्लस्टर बस स्कीम के तहत इस साल पहली बार Devi स्कीम के तहत दिल्ली की सड़कों पर 9 मीटर लंबी इलेक्ट्रिक बसें उतारीं। अप्रैल 2025 से अब तक कुल 750 से ज्यादा देवी बसें सड़कों पर उतारी जा चुकी हैं। इनके अलावा बड़ी साइज वाली बसें भी बड़ी संख्या में डीटीसी के बेड़े में शामिल हुईं।

## वॉल्ड सिटी में क्रांति उद्यान, सद्भावना पार्क की सौगात

इस साल पुरानी दिल्ली (वॉल्ड सिटी) के लोगों को क्रांति उद्यान और सद्भावना पार्क का तोहफा मिला। रिंग रोड पर वॉल्ड सिटी के समानांतर 11 एकड़ में ये दोनों पार्क फैले हुए हैं। रिंग रोड के पूर्वी हिस्से में समाधि परिसर के दूसरी ओर ये पार्क बनाए गए हैं। इससे दरियागंज और पुरानी दिल्ली के लोगों को घूमने-फिरने के लिए एक खूबसूरत जगह मिल गई है।

## पीएम श्री स्कूल की तर्ज पर खुले 75 सीएम श्री स्कूल

दिल्ली सरकार ने अकादमिक सत्र 2025-26 में 75 सीएम श्री स्कूल शुरू किए, जिन्हें राइट टु एजुकेशन अधिनियम, 2009 के तहत 'विशिष्ट श्रेणी के स्कूल' घोषित किया गया है। पीएम श्री स्कूल की तर्ज पर बने सीएम श्री स्कूलों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पढ़ाई पर ध्यान दिया जाएगा। हर स्कूल में स्मार्ट क्लासरूम और हाईटेक इन्फ्रास्ट्रक्चर होगा। एआर/वीआर लैब्स होंगी।

## स्वास्थ्य सुविधाओं को लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर

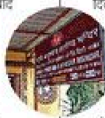

आयुष्मान योजना को लागू करने के बाद दिल्ली सरकार ने बेसिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए इसी साल से आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने भी शुरू कर दिए हैं। इसके लिए मौजूदा मोहल्ला क्लिनिकों को U-AAMs योजना में अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया। इस योजना के तहत दिल्ली के हर इलाके में प्राइमरी केयर प्रदान करना है।

## आयुष्मान भारत स्कीम राजधानी में हुई लॉन्च

दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनते ही कैबिनेट की पहली ही बैठक में दिल्ली सरकार ने इस योजना को हरी झंडी देने के बाद 10 अप्रैल को आयुष्मान भारत स्कीम अधिकारिक तौर पर लागू कर दी। इसके तहत दिल्ली के लगभग 36 लाख लोगों को स्वास्थ्य बीमा कवर मिलेगा। प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये तक का बीमा कवर मिलता है, जो केंद्र सरकार की तरफ से दिया जाता है।

## 'अटल कैंटीन' में 5 रुपये की थाली

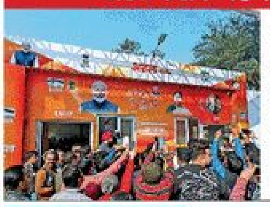

गरीब तबके और मजदूर वर्ग के लोग सम्मान के साथ बैठकर भोजन कर सकें और उन्हें बेहद किफायती दाम में साफ-सुथरे तरीके से बना पौष्टिक खाना मिल सके, इसके लिए दिल्ली सरकार ने दिसंबर में ही अटल कैंटीन योजना की भी शुरुआत कर दी है। अभी 45 जगहों पर ये कैंटीन खोले गए हैं, जिनमें सुबह-शाम कुल पांच पांच सौ लोगों को महज 5 रुपये में खाने की थाली मिलेगी।

## नए रंग में खुला रोशनआरा क्लब

भारतीय क्रिकेट और बीसीसीआई की जन्मभूमि रहे रोशनआरा क्लब को डीडीए ने इसी साल सजा-संवार कर रीलॉन्च किया है। इसकी नए सिरे से डिजाइनिंग की गई है, जिसमें इसके इतिहास और आधुनिकता का मिश्रण दिखता है। यहां बढ़िया लाउंज और बार की सुविधा भी है। यहां मेंबर्स के आराम करने और पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ लेने का आकर्षक माहौल है।

## नए साल में दिल्ली को मिलेंगे ये नए तोहफे

नया साल कई नए तोहफे लेकर आ रहा है। खासकर आम लोगों का सफर और ज्यादा आसान बनने जा रहा है। मेट्रो के फेज-4 में बन रहे पहले तीन कॉरिडोर (मजलिस पार्क से मौजपुर, जनकपुरी वेस्ट से आर.के. आश्रम मार्ग और तुगलकाबाद से दिल्ली एयरोसिटी) इस साल के अंत तक खुल जाएंगे, जिससे दिल्ली के कई सारे नए इलाके मेट्रो से जुड़ जाएंगे। दिल्ली को मेट्रो का पहला रिंग नेटवर्क भी मिलेगा।

जनवरी से मार्च 2026 के बीच 1500 नई इलेक्ट्रिक बसें आ रही हैं, जिसके बाद डीटीसी के बेड़े में ई-बसों की संख्या 5000 से ज्यादा हो जाएगी। उसके बाद दिसंबर तक 2800 बसें और आएंगी। मार्च तक दिल्ली सरकार नई इलेक्ट्रिक वीकल पॉलिसी भी ले आएगी, जिससे ई-वीकल खरीदने पर छूट मिलेगी। दिल्ली की महिलाओं के लिए पिंक स्मार्ट कार्ड भी मार्च से शुरू होने की उम्मीद है।

### राह आसान करेगा बारापूला फेज-3

बारापूला एलिवेटेड रोड फेज-3 का काम भी पूरा होने को है। इसके खुलने से सराय काले खां से मयूर विहार फेज-1 के बीच सफर आसान होगा। दूसरी तरफ दिल्ली-सहारनपुर एक्सप्रेस वे भी खुल जाएगा। मुकरबा चौक पर बन रहा अंडरपास और मेट्रो लाइनों के साथ तीन जगहों पर बन रहे डबल डेकर फ्लाईओवर पर भी ट्रैफिक शुरू होगा। उम्मीद है होली-दिवाली पर मुफ्त सिलिंडर देने की योजना भी शुरू होगी।

# बनावट से तय नहीं होता बच्चे का जेंडर, सही इलाज जरूरी: AIIMS

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

**नवजात के** जन्म के साथ ही 'लड़का है या लड़की' का सवाल उठता है, लेकिन एम्स का कहना है कि कुछ मामलों में यह सवाल बच्चे की जान और भविष्य से भी बड़ा हो सकता है। एम्स के अनुसार, ऐसे बच्चों में जिनमें जननांगों की बनावट से जेंडर तय करना संभव नहीं होता, वहां पहचान से ज्यादा जरूरी समय पर सही जांच और इलाज है। देरी या गलत फैसले गंभीर नुकसानदायक हो सकते हैं। एम्स के डायरेक्टर डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि हर बच्चे में केवल बाहरी शारीरिक बनावट के आधार पर यह तय नहीं किया जा सकता कि वह लड़का है या लड़की। कुछ बच्चों में संदेहास्पद स्थिति होती है, जहां अल्ट्रासाउंड, ब्लड टेस्ट और क्रोमोसोम जैसी जांच के बाद ही स्थिति साफ होती है। ऐसे बच्चों को डिफरेंसेज ऑफ सेक्स डिवेलपमेंट (DSD) की कैटिगरी में रखा जाता है।

**कुछ बच्चों में होती है संदेह की स्थिति**

### 'समय रहते इलाज जरूरी'

डॉ. श्रीनिवास ने दावा किया कि DSD से पीड़ित बच्चों की अगर समय रहते पहचान कर ली जाए और इलाज शुरू किया जाए, तो वे पूरी तरह ठीक हो सकते हैं। बावजूद जागरूकता की कमी के चलते कई पैरंट्स ऐसे बच्चों को स्वीकार नहीं कर पाते। DSD की सही पहचान केवल मेडिकल जांच से ही संभव है। एम्स की पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. वंदना जैन ने बताया कि हर चार से पांच हजार बच्चों में से एक बच्चा DSD की समस्या के साथ जन्म लेता है।

thsti ब्रिक-ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान BRIC
(जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान और नवाचार परिषद का एक संस्थान, भारत सरकार)
एनसीआर बायोटेक साइंस क्लस्टर, तीसरा माइलस्टोन, फरीदाबाद-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे, पी.ओ. बॉक्स नंबर 04, फरीदाबाद - 121001
भर्ती सूचना सं. टीएचएस-सी/आरएन/23/2025
टीएचएसटीआई अपनी परियोजनाओं के तहत निम्नलिखित पदों को भरने का प्रस्ताव रखता है 1. परियोजना अनुसंधान वैज्ञानिक-I 2. डाटा एंट्री ऑपरेटर
विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.thsti.res.in पर जाएं।

क्या आप पेट की गैस, कब्ज एसिडिटी से परेशान हैं?
बादल स्पैशल चूर्ण
TASTY Digestive
बादल स्पैशल चूर्ण "रखे देश का हाजमा दुरुस्त"
पहली बार खाने से ही आराम शुरू
www.badalchuran.in 8010051693
For Trade Enquiry : Mr. Sunil Jha- 7838467523

DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES MINISTRY OF FINANCE GOVERNMENT OF INDIA
नेशनल इन्श्योरेन्स National Insurance Trusted Since 1906
बैंक जमा, म्यूचुअल फंड, जीवन और सामान्य बीमा पॉलिसियाँ, पेंशन खाते और वित्तीय क्षेत्र में शेयर और लाभांश जैसी दावा न की गई संपत्तियों के कुशल और त्वरित निपटाने के लिए अभियान।
अक्टूबर - दिसम्बर 2025
अपने नज़दीकी सम्बंधित इंश्योरेंस कंपनी, बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से संपर्क करें।
"आपकी पूँजी, आपका अधिकार"
Your Money, Your Right
Awareness Access and Action
SEBI irdai pfrda IEPF
नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
FOLLOW US ON
वेबसाइट: nationalinsurance.nic.co.in

Wedding Season Special
Traditional & Lifestyle Exhibition & Sale
NATIONAL SILK EXPO
30 दिसम्बर से 6 जनवरी
TIME: 11AM TO 9PM
Authentic silk products by master weavers & best designers from all over India
UP TO 50% DISCOUNT
कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इण्डिया
रिजर्व बैंक के सामने, पटेल चौक मैट्रो स्टेशन, रफी मार्ग, नई दिल्ली
ENTRY FREE | ALL UPI ONLINE | DEBIT & CREDIT CARDS ACCEPTED

SWEATSHIRT Jackets & Sweaters SALE
Hi-Fashion winter collection 2025-26 Branded Sweaters, Jackets, Lowers Sweat Shirts & Track Suits
2026 Happy New Year Welcome
upto 60% off
MEN, WOMEN & KIDS WEAR
By Economy Sales: 9212758425
ARROW | Raymond | ColorPlus | Levi's | PARK AVENUE
• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pllazio)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

**NOTE : -**

**[ : राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi, ]**

**English NEWSPAPERS**
**[ Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi ] ETC.**

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

**whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.**

**Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot**
**Or type in Search box of Telegram**
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
**BACKUP GROUP LINK**
**https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1**

# Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in